

जयसिंहनगर पुलिस की नशे के खिलाफ बड़ी कार्यवाही, 735 किलो 440 ग्राम गांजा जब्त

ट्रक चालक और खलासी गिरफ्तार, जब्त गांजा, ट्रक और मोबाइल सहित कुल मशरूका लगभग 1 करोड़ 13 लाख 55 हजार रुपये

शहडोल (स्वतंत्रमत)। जिले में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्यवाही करते हुए थाना जयसिंहनगर क्षेत्र में एक ट्रक से 735 किलो 440 ग्राम गांजा जब्त किया है। पुलिस ने मामले में ट्रक चालक और खलासी को गिरफ्तार किया है। जब्त गांजा, ट्रक और मोबाइल फोन सहित कुल मशरूका की अनुमानित कीमत 1 करोड़ 13 लाख 55 हजार रुपये बताई गई है।

पुलिस अधीक्षक डॉ. संजय कुमार अग्रवाल द्वारा जिले में नशे के अवैध कारोबार और मादक पदार्थों की तस्करी पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए लगातार कार्यवाही करने तथा इसमें संलिप्त आरोपियों के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। इसी क्रम में



जयसिंहनगर पुलिस ने यह कार्यवाही की। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार 13 अक्टूबर को नवरात्रि पर्व के मद्देनजर थाना जयसिंहनगर पुलिस रात्रि गश्त एवं प्रभात गश्त कर रही थी। इसी दौरान पुलिस ने एक संधिध ट्रक को रुकवाकर चालक और खलासी से पूछताछ की। संदेह होने पर

वाहन की विधिवत तलाशी ली गई, जिसमें 18 बोरियों और 81 पैकेटों में भरा कुल 735 किलो 440 ग्राम गांजा बरामद हुआ।

उत्तर प्रदेश और झारखंड के आरोपी गिरफ्तार- मामले में पुलिस ने ट्रक चालक राहुल विश्वकर्मा (36), पिता हरिश्चंद्र विश्वकर्मा, निवासी ग्राम

जमीनबारी, थाना निजामाबाद, जिला आजमगढ़ (उत्तर प्रदेश) तथा खलासी नारायण मंडल (50), पिता गोन्डो महतो, निवासी ग्राम अलगडीहा, थाना बगोदर, जिला गिरिडीह (झारखंड) को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के विरुद्ध थाना जयसिंहनगर में धारा 8/20

एनडीपीएस एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया है। पुलिस अब मामले से जुड़े अन्य पहलुओं की जांच कर रही है।

1.13 करोड़ रुपये से अधिक का मशरूका जब्त- पुलिस के अनुसार, कार्यवाही के दौरान जब्त 735 किलो 440 ग्राम गांजे की अनुमानित कीमत 73 लाख 50 हजार रुपये, ट्रक की कीमत 40 लाख रुपये तथा तीन मोबाइल फोन की कीमत 5 हजार रुपये आंकी गई है। इस प्रकार कुल जब्त मशरूका की अनुमानित कीमत 1 करोड़ 13 लाख 55 हजार रुपये है। नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ पुलिस की इस कार्यवाही को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। पुलिस ने जिले में मादक पदार्थों की तस्करी पर अंकुश लगाने के लिए लगातार कार्यवाही करने की प्रतिबद्धता जताई है।

सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने तथा सड़कों के गड्ढों की मरम्मत के लिए निर्देश



असुविधा को ध्यान में रखते हुए संबंधित अमले को डामर से गड्ढों की मरम्मत कराने के निर्देश दिए गए। निर्देशों के अनुरूप शहर के प्रमुख मार्गों पर सड़कों की मरम्मत का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है, जिससे आवागमन को सुगम एवं सुरक्षित बनाया जा सके। निर्माण कार्य में धीमी प्रगति पाए जाने तथा पूर्व में दिए गए निर्देशों के अनुरूप समय पर अपेक्षित प्रगति नहीं होने पर संबंधित ठेकेदार को नोटिस जारी किया गया। साथ ही निर्माण कार्य में तेजी लाते हुए निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण कार्य

पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। सीएमओ अमित कुमार तिवारी ने स्पष्ट किया कि नगर में चल रहे सभी निर्माण कार्यों की नियमित निगरानी की जाएगी। कार्यों में अनावश्यक देरी, लापरवाही अथवा गुणवत्ता में कमी पाए जाने पर संबंधितों के विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को नागरिक सुविधाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सफाई व्यवस्था, सड़क मरम्मत एवं निर्माण कार्य में तेजी लाते हुए निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण कार्य

गोहपारू : दोहरे हत्याकांड में पुलिस को मिली सफलता, आरोपी गिरफ्तार

शहडोल (स्वतंत्रमत)

जिले के गोहपारू थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम नवागांव में मां-बेटी की हत्या के मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया है। पुलिस ने मार्ग जांच के दौरान प्राप्त साक्ष्यों, परिजनों के बयानों, घटनास्थल के निरीक्षण और चिकित्सकीय रिपोर्ट के आधार पर अपराध पंजीबद्ध कर कार्यवाही की है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, 8 अक्टूबर 2026 को ग्राम नवागांव स्थित एक मकान के कमरे में दो महिलाओं के शव मिलने की सूचना पुलिस को मिली थी। मृतकों की पहचान रुचि रजक (22 वर्ष) और उनकी मां सावित्री रजक (40 वर्ष) के रूप में हुई। सूचना मिलने पर गोहपारू थाना पुलिस ने मार्ग कायम कर मामले की जांच शुरू की थी। मार्ग जांच के दौरान मृतकों के परिजनों के कथन, घटनास्थल के निरीक्षण और शॉर्ट पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अवलोकन में सामने आया कि दोनों महिलाओं की मृत्यु सिर में गंभीर चोट लगने के कारण अत्यधिक रक्तस्राव से हुई थी। मामले की गंभीरता और संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक डॉ. संजय कुमार अग्रवाल ने आरोपी की शीघ्र गिरफ्तारी सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए थे। जांच में सामने आए



तथ्यों के आधार पर पुलिस ने संदेही प्रवीण उर्फ दिनेश रजक, पिता हीरालाल रजक के विरुद्ध प्रथम दृष्ट्या भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1) के तहत हत्या का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया। पुलिस ने विवेचना के दौरान प्राप्त तथ्यों एवं साक्ष्यों के आधार पर आरोपी प्रवीण उर्फ दिनेश रजक (28 वर्ष), निवासी ग्राम नवाटोला, थाना गोहपारू, को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया है। पुलिस के अनुसार, मामले में आगे की विवेचना जारी है। दो महिलाओं की मौत से जुड़े इस गंभीर प्रकरण में पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

बूढ़ी मैया मंदिर में बाहरी व्यक्ति के रहने का मामला वायरल, जांच की मांग

डिंडोरी(स्वतंत्र मत) जिले जनपद पंचायत बजाग अंतर्गत ग्राम पंचायत चांडा के ग्राम तांवर स्थित बूढ़ी मैया मंदिर एवं बुढ़नेर नदी के उद्गम स्थल पर एक बाहरी व्यक्ति के लंबे समय से रहने का मामला इन दिनों सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना हुआ है। ग्रामीणों के अनुसार, संबंधित व्यक्ति पिछले करीब तीन वर्षों से यहां रह रहा है और स्वयं को मंदिर का पंडा या पुजारी बताता है। मामले को लेकर सोशल मीडिया



पर भी सवाल उठाए जा रहे हैं और अब संबंधित ग्राम पंचायत व जिला प्रशासन के निष्पक्ष जांच कराने की मांग की जा रही है। ग्रामीणों के अनुसार, बूढ़ी मैया के दर्शन के लिए पहुंचने वाले श्रद्धालु जब मंदिर में पूजा-अर्चना करते हुए अपरावृत्ती जलाते हैं, तो कथित तौर पर संबंधित व्यक्ति उन्हें ऐसा करने से रोकता है। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि होना अभी बाकी है। यदि शिकायतों में सामने आ रहे आरोप सही पाए जाते हैं, तो यह मंदिर की व्यवस्था और श्रद्धालुओं की धार्मिक स्वतंत्रता से जुड़ा महत्वपूर्ण विषय हो सकता

है। मामले को लेकर कई सवाल उठ रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि बूढ़ी मैया मंदिर और बुढ़नेर नदी का उद्गम स्थल स्थानीय लोगों की आस्था से जुड़ा महत्वपूर्ण स्थान है। ऐसे में यह स्पष्ट होना चाहिए कि संबंधित व्यक्ति वहां किस आधार पर रह रहा है और क्या उसे मंदिर में पुजारी के रूप में कोई अधिकृत जिम्मेदारी सौंपी गई है। साथ ही, यह भी जांच का विषय है कि संबंधित ग्राम पंचायत और प्रशासन को इस मामले की जानकारी

है या नहीं। मंदिर में पूजा-अर्चना को लेकर किसी प्रकार का प्रतिबंध लगाए जाने के संबंध में कोई अधिकृत आदेश है या नहीं, इसकी भी पुष्टि की जानी चाहिए। मामले को सोशल मीडिया पर चर्चा में आने के बाद संबंधित अधिकारियों से वस्तुस्थिति स्पष्ट करने की अपेक्षा की जा रही है। ग्रामीणों की मांग है कि स्थल का निरीक्षण कर संबंधित व्यक्ति के वहां रहने के आधार, मंदिर की व्यवस्था और पूजा-अर्चना से जुड़े आरोपों की निष्पक्ष जांच कराई जाए, ताकि वास्तविक स्थिति सामने आ सके।

हाथियों के उत्पात से ग्रामीण परेशान, मुआवजा नहीं मिलने पर गोंगपा ने दी घेराव की चेतावनी



ब्योंहारी (स्वतंत्रमत)। जिले के ब्योंहारी विधानसभा अंतर्गत ग्राम जगमल में जंगली हाथियों के उत्पात से ग्रामीणों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। हाथियों ने ग्रामीणों के घरों को क्षति पहुंचाने के साथ ही खेतों में लगी फसलों को भी नुकसान पहुंचाया है। इसके बावजूद प्रभावित परिवारों को अब तक आर्थिक मुआवजा और राहत राशि नहीं मिलने से ग्रामीणों में नाराजगी है। इस मामले को लेकर गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के ब्लॉक अध्यक्ष अजय सिंह पेंड्रे ‘मोन्’ ने ब्योंहारी प्रशासन के प्रति नाराजगी ज़ाहिर की है। उन्होंने मांग की है कि प्रभावित परिवारों का तत्काल सर्वे कराकर उचित मुआवजा दिया जाए। साथ ही ग्रामीणों की जान-माल और फसलों की सुरक्षा के लिए प्रभावी इंतजाम किए जाएं, ताकि भविष्य में हाथियों के हमले से होने वाले नुकसान को रोका जा सके। अजय सिंह पेंड्रे ने चेतावनी दी कि यदि प्रशासन ने जल्द ही मामले को गंभीरता से लेते हुए आवश्यक कार्यवाही नहीं की, तो गोंडवाना गणतंत्र पार्टी ग्रामीणों के हित में एसडीएम कार्यालय का घेराव करेगी। उन्होंने प्रशासन से प्रभावित परिवारों की समस्याओं का शीघ्र निराकरण कर उन्हें राहत एवं न्याय उपलब्ध कराने की मांग की है।

मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ जयस-भीम आर्मी का मोर्चा, इस्तीफे की मांग पर आंदोलन का ऐलान

डिंडोरी (स्वतंत्र मत)

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन और आंदोलन करने के लिए जयस एवं भीम आर्मी ने संयुक्त रूप से तैयारी शुरू कर दी है। दोनों संगठनों के पदाधिकारियों की संयुक्त बैठक में आंदोलन की रणनीति पर चर्चा करते हुए जिला मुख्यालय डिंडोरी में विरोध प्रदर्शन करने का निर्णय लिया गया। बैठक में मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग उठाते हुए आगामी दिनों में आंदोलन तेज करने की चेतावनी भी दी गई।

संयुक्त बैठक में आंदोलन की रणनीति पर मंथन बैठक में जयस डिंडोरी और भीम आर्मी के पदाधिकारियों ने मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ विरोध दर्ज कराने के लिए एकजुट होकर आंदोलन करने पर सहमति जताई। पदाधिकारियों ने कहा कि दोनों संगठन संयुक्त रूप से अपनी मांगों को लेकर विरोध प्रदर्शन करेंगे। इस दौरान आंदोलन को प्रभावी बनाने के लिए आपसी समन्वय, संगठनात्मक एकजुटता और कार्यकर्ताओं की सहभागिता पर जोर दिया गया। बैठक में उपस्थित पदाधिकारियों ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की।



उन्होंने कहा कि यदि उनकी मांग पूरी नहीं होती है, तो आगामी दिनों में आंदोलन को और तेज किया जाएगा। साथ ही बड़े स्तर पर उग्र आंदोलन करने की चेतावनी भी दी गई। संयुक्त बैठक में जयस डिंडोरी नगर अध्यक्ष विजेंद्र सिंह तैकाम, नगर उपाध्यक्ष अंकित धुर्वे, संपादन मंत्री दिगंबर सिंह पट्टा, जिला उपाध्यक्ष कैलाश कुमार धुर्वे, सत्यप्रकाश धुर्वे, शहपुरा प्रभारी इरफान खान, पंकज बसेर और शैलेन्द्र चंदेल सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक के माध्यम से दोनों संगठनों ने मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ प्रस्तावित आंदोलन को लेकर अपनी संयुक्त रणनीति स्पष्ट की। हालांकि, आंदोलन की निश्चित तारीख और अन्य कार्यक्रमों का विवरण बैठक संबंधी उपलब्ध जानकारी में नहीं दिया गया है।

प्रदेश के मुख्यमंत्री 14 अक्टूबर को उमरिया जिले के प्रवास पर रहेंगे

उमरिया (स्वतंत्रमत)

प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 14 अक्टूबर 2026 को उमरिया जिले के प्रवास पर रहेंगे एवं स्थानीय कार्यक्रमों में सहभागिता निभाएंगे। जारी कार्यक्रम के अनुसार प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव प्लेन से प्रातः 11.50 बजे स्टेट हैंगर भोपाल से प्रस्थान करेंगे, दोपहर 12.25 बजे डुमना एयरपोर्ट जबलपुर पहुंचेंगे, हेलीकॉप्टर से दोपहर 12.35 बजे डुमना एयरपोर्ट जबलपुर से प्रस्थान करेंगे, दोपहर 1.10 बजे उमरिया जिले के गुरवाही हेलीपैड पहुंचेंगे एवं स्थानीय कार्यक्रमों में सहभागिता निभाएंगे। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव दोपहर 3.45 बजे हेलीपैड गुरवाही से डुमना एयरपोर्ट जबलपुर के लिए प्रस्थान करेंगे।

स्थानांतरण के बाद भी नहीं छूट रहा उमरिया का मोह!

अनूपपुर के साथ उमरिया का भी प्रभार बनाए रखने की चर्चा, वन विभाग की कार्यप्रणाली पर उठ रहे सवाल

उमरिया (स्वतंत्रमत)

मध्य प्रदेश वन विभाग में प्रशासनिक फेरबदल के तहत उप वनमंडलाधिकारी कुलदीप नारायण त्रिपाठी का उमरिया से अनूपपुर स्थानांतरण किए जाने के बावजूद उमरिया से उनका जुड़ाव समाप्त होता नजर नहीं आ रहा है। 18 सितंबर 2026 को जारी स्थानांतरण आदेश के लगभग एक माह बाद भी उनके द्वारा अनूपपुर के साथ उमरिया का प्रभार बनाए रखने की चर्चाएं विभागीय गलियारों में जोर पकड़ रही हैं। हालांकि, दोनों जिलों का अतिरिक्त प्रभार दिए जाने को लेकर किसी आधिकारिक आदेश की पुष्टि नहीं हुई है। ऐसे में सवाल उठने लगे हैं कि जब शासन ने अधिकारी को नई पदस्थापना दे दी है, तो फिर पुराने कार्यक्षेत्र से उनका मोह क्यों नहीं छूट रहा है? इस पूरे मामले को लेकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के उमरिया आगमन के दौरान शिकायत किए जाने की चर्चा भी सामने आ रही है। वन विभाग में अधिकारियों के स्थानांतरण और पदस्थापना का उद्देश्य प्रशासनिक

व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाना, कार्यों में गति लाना तथा संबंधित क्षेत्रों में जवाबदेही सुनिश्चित करना होता है। लेकिन उमरिया में 5 वर्षों से अधिक समय तक पदस्त रहने के बाद यदि स्थानांतरण के बाद भी किसी अधिकारी के पुराने कार्यक्षेत्र का प्रभार बनाए रखने की स्थिति बनती है, तो स्वाभाविक रूप से इसके औचित्य और प्रशासनिक आवश्यकता पर सवाल खड़े होते हैं। कुलदीप नारायण त्रिपाठी के मामले में भी यही स्थिति चर्चा का विषय बनी हुई है। उमरिया और अनूपपुर के बीच 100 किलोमीटर से अधिक की दूरी बताई जाती है। दोनों जिले वन संपदा, वन्यजीव संरक्षण और प्राकृतिक संसाधनों की दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं। वन विभाग के अधिकारियों को नियमित रूप से मैदानी क्षेत्रों का निरीक्षण करना, अधीनस्थ कर्मचारियों के कार्यों की समीक्षा करना, वन अपराधों पर नियंत्रण रखना, वन्यजीवों की सुरक्षा सुनिश्चित करना तथा स्थानीय स्तर पर उत्पन्न विवादों और समस्याओं का निराकरण करना पड़ता है। ऐसी परिस्थितियों में एक ही अधिकारी द्वारा दो



जिलों की जिम्मेदारी संभालने की व्यवस्था कितनी प्रभावी साबित होगी, यह विचारणीय प्रश्न है। यदि अधिकारी को दोनों जिलों के बीच लगातार चुनौतीपूर्ण हो सकता है। हालांकि, अतिरिक्त प्रभार दिए जाने की स्थिति में वास्तविक प्रभाव संबंधित कार्यविभाजन, अधीनस्थ अधिकारियों की भूमिका और विभागीय व्यवस्था पर निर्भर करेगा। स्थानीय स्तर पर चर्चा है कि अनूपपुर स्थानांतरित होने के

बाद भी यदि त्रिपाठी को उमरिया का प्रभार दिया जाता है, तो इससे दोनों जिलों में जिम्मेदारियों के स्पष्ट निर्धारण की आवश्यकता और बढ़ जाएगी। विभाग को यह स्पष्ट करना होगा कि किस क्षेत्र में किस अधिकारी के पास निर्णय लेने का अधिकार होगा और वन संरक्षण से जुड़े महत्वपूर्ण मामलों में जवाबदेही किसकी होगी। इस पूरे मामले में उमरिया जिले की पाली रेंज में पदस्थ उप वनमंडलाधिकारी दिगेंद्र सिंह पटेल की भूमिका को लेकर भी चर्चा हो रही है। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, जब जिले में पहले से अधिकारी पदस्थ हैं, तो अनूपपुर स्थानांतरित अधिकारी को उमरिया का अतिरिक्त प्रभार देने की आवश्यकता क्यों पड़ रही है? क्या वर्तमान पदस्थापना व्यवस्था में किसी प्रकार की प्रशासनिक कमी है, या फिर इसके पीछे कोई विशेष विभागीय कारण है? इन सवालों का जवाब वन विभाग के सक्षम अधिकारियों और संबंधित आदेशों से ही स्पष्ट हो सकता है। यदि अतिरिक्त प्रभार देने का कोई प्रस्ताव या आदेश है, तो उसके कारणों और अवधि को सार्वजनिक रूप

से स्पष्ट किया जाना चाहिए, ताकि अनावश्यक भ्रम की स्थिति न बने। वहीं, यदि ऐसी कोई व्यवस्था नहीं है, तो विभाग को भी स्थिति स्पष्ट कर चर्चाओं पर विराम लगाना चाहिए। कुलदीप नारायण त्रिपाठी के स्थानांतरण को लेकर एक अन्य पहलू भी स्थानीय स्तर पर चर्चा में है। सूत्रों के हवाले से द्वाया किया जा रहा है कि अधिकारी का पैतृक निवास शहडोल जिले के ग्राम रामपुर खाड़ा क्षेत्र में है, जो पहले अनूपपुर जिले की सीमा से लगभग 10 से 15 किलोमीटर की दूरी पर बताया जाता था। इसी क्षेत्र में कोयला खदान से संबंधित गतिविधियों और भूमि अधिग्रहण की चर्चा भी सामने आई है। बताया जा रहा है कि कालंदी क्षेत्र में भूमि अधिग्रहण और मुआवजा वितरण के बाद अधिकारी के परिवार ने अनूपपुर में नया आवास बना लिया है। स्थानीय चर्चाओं के अनुसार, कुछ माह पूर्व इस आवास का दृढ़ प्रवेश भी आयोजित किया गया था। यह भी दावा किया जा रहा है कि नए आवास से अधिकारी का वर्तमान कार्यक्षेत्र लगभग पांच से छह किलोमीटर की दूरी पर है।

जलवायु परिवर्तन: विकास की कीमत या अस्तित्व का संकट ?

पृथ्वी आज हमें लगातार चेतावनी दे रही है। बढ़ता तापमान, पिघलते हिमनद, अनियमित मानसून, भीषण गर्मी, बाढ़ और सूखे जैसी घटनाएँ प्रकृति के बिगड़ते संतुलन का संकेत हैं। इसके बावजूद मनुष्य विकास की दौड़ में पर्यावरण की अनदेखी कर रहा है। जलवायु परिवर्तन अब भविष्य की आशंका नहीं, बल्कि वर्तमान की गंभीर चुनौती बन चुका है। प्रश्न यह है कि हम इसके प्रति कब जागरूक होंगे।

जलवायु परिवर्तन के कारण

जलवायु परिवर्तन के पीछे प्राकृतिक कारणों के साथ मानवीय गतिविधियों की बड़ी भूमिका है। औद्योगीकरण,

कोयले और पेट्रोलियम का अत्यधिक उपयोग, वनों की कटाई, बढ़ता शहरीकरण और अनियंत्रित उपभोग वातावरण में ग्रीनहाउस गैसों की मात्रा बढ़ा रहे हैं। मनुष्य ने प्रकृति को संसाधन तो माना, लेकिन उसकी सीमाओं को समझने की अनदेखी की। परिणामस्वरूप पर्यावरण का संतुलन बिगड़ता जा रहा है।

जनजीवन पर बढ़ता प्रभाव

जलवायु परिवर्तन का असर केवल तापमान बढ़ने तक सीमित नहीं है। अनियमित वर्षा, सूखा और बाढ़ कृषि, स्वास्थ्य, जल संसाधनों तथा अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर रहे हैं।



अत्यधिक गर्मी से बीमारियों का खतरा किसानों की आजीविका पर असर बढ़ता है, जबकि वर्षा की अनिश्चितता डालती है। समुद्र का बढ़ता जलस्तर

तटीय क्षेत्रों के लिए चुनौती बन रहा है। इसका सबसे अधिक भार अक्सर गरीब और कमजोर समुदायों को उठाना पड़ता है।

भारत के सामने चुनौती

भारत में कृषि और जनजीवन का मानसून से गहरा संबंध है। वर्षा की अनिश्चितता, जल संकट और भीषण गर्मी खाद्य सुरक्षा तथा आर्थिक विकास को प्रभावित कर सकते हैं। इसलिए जलवायु परिवर्तन को केवल पर्यावरण की समस्या नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक चुनौती के रूप में भी समझना आवश्यक है।

समाधान की दिशा

इस संकट से निपटने के लिए स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देना, वनों की रक्षा करना, सार्वजनिक परिवहन अपनाना और जल एवं बिजली की बचत करना जरूरी है। उद्योगों को प्रदूषण कम करने वाली तकनीकें अपनानी चाहिए। नागरिकों को भी प्लास्टिक का सीमित उपयोग और जिम्मेदार उपभोग जैसी आदतें विकसित करनी चाहिए। वृक्षारोपण के साथ पौधों की देखभाल भी आवश्यक है। वास्तविक विकास वही है, जो वर्तमान की पीढ़ियों के हितों की रक्षा करे। पृथ्वी को बचाना केवल

सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। आज उठायी गया छोटा कदम भी कल बड़े परिवर्तन का आधार बन सकता है।



मनीष मौर्या
असिस्टेंट प्रोफेसर
शासकीय विज्ञान महाविद्यालय,
जबलपुर।

वर्तमान शिक्षा प्रणाली और सामाजिक विकास में उसका महत्व

शिक्षा किसी भी समाज की प्रगति का आधार है। यह केवल पढ़ने-लिखने और परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि व्यक्ति में ज्ञान, विवेक, आत्मविश्वास और सामाजिक जिम्मेदारी विकसित करने का साधन भी है। वर्तमान शिक्षा प्रणाली का उद्देश्य विद्यार्थियों को शिक्षित करने के साथ उन्हें जागरूक, आत्मनिर्भर और संवेदनशील नागरिक बनाना है।

शिक्षा से सामाजिक जागरूकता

शिक्षा व्यक्ति को अपने अधिकारों, कर्तव्यों और सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक बनाती है। शिक्षित विद्यार्थी जातिगत भेदभाव, लैंगिक असमानता, बाल श्रम और अंधविश्वास जैसी सामाजिक समस्याओं को समझने तथा उनके समाधान में योगदान देने में सक्षम बनते हैं। शिक्षा समानता, स्वतंत्रता, सहयोग और भाईचारे जैसे मूल्यों को बढ़ावा देती है। इससे समाज में सकारात्मक सोच और आपसी सम्मान की भावना विकसित होती है।

आधुनिक शिक्षा और तकनीक

वर्तमान शिक्षा प्रणाली में स्मार्ट कक्षाओं, कंप्यूटर, इंटरनेट और डिजिटल पुस्तकों का उपयोग बढ़ रहा है। इनके माध्यम से विद्यार्थी कठिन विषयों को सरलता से समझ सकते हैं और नई जानकारीयों प्राप्त कर सकते हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसी तकनीकें भी सीखने के नए अवसर प्रदान कर रही हैं। हालांकि, तकनीक के साथ नैतिक मूल्यों और मानवीय संवेदनाओं का विकास भी आवश्यक है।

शिक्षक और परिवार की भूमिका

शिक्षक विद्यार्थियों को केवल विषयों का ज्ञान नहीं देते, बल्कि उन्हें अनुशासन, ईमानदारी, सहयोग और जिम्मेदारी का महत्व भी समझाते हैं। परिवार और विद्यालय के बीच अच्छा समन्वय बच्चों के व्यक्तित्व निर्माण में सहायक होता है। जब विद्यार्थी घर और विद्यालय में समानता, सम्मान तथा दूसरों की सहायता करने की सीख प्राप्त करते हैं, तो वे समाज के प्रति अधिक जिम्मेदार बनते हैं।

शिक्षा के सामने चुनौतियाँ

आज भी सभी विद्यार्थियों को समान शैक्षणिक सुविधाएँ और डिजिटल संसाधन उपलब्ध नहीं हैं। परीक्षा में अंकों का अत्यधिक दबाव भी सीखने की स्वाभाविक रुचि को प्रभावित कर सकता है। इसलिए शिक्षा को अधिक व्यावहारिक, समावेशी और विद्यार्थी-केन्द्रित बनाना आवश्यक है। विद्यार्थियों को सामाजिक सेवा, पर्यावरण संरक्षण और सामुदायिक गतिविधियों में भाग लेने के अवसर भी मिलने चाहिए। वर्तमान शिक्षा प्रणाली तभी सार्थक होगी, जब वह ज्ञान और कौशल के साथ सामाजिक चेतना तथा नैतिक मूल्यों का विकास करेगी। शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य ऐसे नागरिक तैयार करना है, जो अपने हितों के साथ समाज के कल्याण का भी ध्यान रखें। जागरूक और जिम्मेदार नागरिक ही समानता, सहयोग और सद्भाव पर आधारित प्रगतिशील समाज का निर्माण कर सकते हैं।



ज्योत्सना दीक्षित

प्राचार्य, आदर्श हितकारिणी चिल्ड्रन्स एकेडमी, गोविंदगंज, दमोहनाका, जबलपुर।

अनुशासन कोई सजा नहीं, सफलता का कवच है

अक्सर विद्यार्थियों के मन में अनुशासन का अर्थ कड़े नियमों, पारबंदियों और सजा से जुड़ जाता है। सुबह समय पर उठना, विद्यालय पहुँचना, गृहकार्य पूरा करना और नियमित पढ़ाई करना उन्हें कभी-कभी बोझ लगता है। लेकिन वास्तव में अनुशासन कोई सजा नहीं, बल्कि सफ लता का वह कवच है, जो विद्यार्थियों को भटकाव से बचाकर लक्ष्य तक पहुँचने में सहायता करता है।

अनुशासन का वास्तविक अर्थ

अनुशासन का अर्थ किसी पर दबाव डालना नहीं, बल्कि अपने जीवन को व्यवस्थित बनाना है। जिस प्रकार नदी अपने किनारों के बीच बहते हुए अपने गंतव्य तक पहुँचती है, उसी प्रकार अनुशासित विद्यार्थी भी अपने लक्ष्य की ओर निरंतर आगे बढ़ता है। समय का सदुपयोग, नियमित अभ्यास और धैर्य अनुशासन के प्रमुख आधार हैं।

सफलता की पहली सीढ़ी

विद्यार्थी जीवन में अनुशासन का विशेष महत्त्व है। जो विद्यार्थी नियमित समय पर पढ़ाई करते हैं, वे परीक्षा के समय अनावश्यक तनाव से बच सकते हैं। समय-सारणी बनाकर पढ़ने, कठिन विषयों का अभ्यास करने और गलतियों से सीखने की आदत उन्हें बेहतर परिणाम प्राप्त करने में सहायता करती है। अनुशासन केवल पढ़ाई में ही नहीं, बल्कि खेल, कला और अन्य गतिविधियों में भी सफ लता का मार्ग प्रशस्त करता है।

आत्मविश्वास और अच्छे संस्कार

अनुशासन से विद्यार्थियों में आत्मविश्वास , जिम्मेदारी और आत्मनिर्भरता विकसित होती है। समय पर कार्य पूरा करना, बड़ों का सम्मान करना,

नियमों का पालन करना और दूसरों की सहायता करना अच्छे चरित्र की पहचान है। ऐसे गुण विद्यार्थियों को भविष्य में जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए तैयार करते हैं।

शिक्षक और अभिभावकों की भूमिका

बच्चों में अनुशासन विकसित करने के लिए शिक्षक और अभिभावकों को स्वयं उदाहरण प्रस्तुत करना चाहिए। डर और दंड के स्थान पर प्रेम, संवाद और प्रोत्साहन के माध्यम से बच्चों को नियमों का महत्त्व समझाना अधिक प्रभावी होता है। बच्चों को अपनी जिम्मेदारियाँ निभाने के अवसर देने से उनमें आत्मनियंत्रण की भावना विकसित होती है। अनुशासन जीवन को बाँधता नहीं, बल्कि सही दिशा देता है। यह हमें कठिन परिस्थितियों में धैर्य रखना, असफलताओं से सीखना और अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहना सिखाता है। इसलिए विद्यार्थियों को अनुशासन को सजा नहीं, अपनी शक्ति बनाना चाहिए। याद रखें, नियमित प्रयास और अनुशासित जीवन ही सफलता की मजबूत नींव हैं।



अनुपमा पटेल

शिक्षक
बीएमडी हितकारिणी चिल्ड्रन एकेडमी, दीक्षितपुरा, जबलपुर।

प्रकृति की रक्षा ही सुरक्षित भविष्य का आधार है

प्रकृति ने मनुष्य को जीवन जीने के लिए अनेक उपहार दिए हैं। जल, वायु, भूमि, वन, खनिज और ऊर्जा के विभिन्न स्रोत प्राकृतिक संसाधन कहलाते हैं। मनुष्य अपनी दैनिक आवश्यकताओं से लेकर कृषि, उद्योग और विकास तक के लिए इन पर निर्भर है। लेकिन बढ़ती जनसंख्या, अधाधुंध दोहन और प्रदूषण के कारण इन संसाधनों पर संकट गहराता जा रहा है। इसलिए इनका संरक्षण आज की सबसे बड़ी आवश्यकता बन गया है।

प्राकृतिक संसाधनों का महत्त्व

प्राकृतिक संसाधन पृथ्वी पर जीवन का आधार हैं। जल पीने, सिंचाई और उद्योगों के लिए आवश्यक है। स्वच्छ वायु के बिना जीवन संभव नहीं है। वन वर्षा चक्र को संतुलित रखने, मिट्टी के कटाव को रोकने और वन्यजीवों को आश्रय देने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। भूमि हमें भोजन उगाने का अवसर देती है, जबकि खनिज और ऊर्जा के स्रोत विकास में योगदान देते हैं। इन संसाधनों के अभाव में मानव जीवन और अर्थव्यवस्था दोनों प्रभावित होंगे।

संरक्षण की आवश्यकता

प्राकृतिक संसाधनों का अत्यधिक उपयोग पर्यावरण का संतुलन बिगाड़ रहा है। जंगलों की कटाई से जैव विविधता घट रही

है और जलवायु परिवर्तन की समस्या बढ़ रही है। भूजल का अनियंत्रित दोहन कई क्षेत्रों में जल संकट पैदा कर रहा है। क ो य ल । , पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस जैसे सीमित संसाधनों का भंडार भी लगातार घट रहा है। यदि आज इनका विवेकपूर्ण उपयोग नहीं किया गया, तो आने वाली पीढ़ियों को गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है।

संरक्षण के उपाय

प्राकृतिक संसाधनों को बचाने के लिए वर्षा जल संचयन, जल का सीमित उपयोग, वृक्षारोपण और वनों की रक्षा आवश्यक है। बिजली की बचत करनी चाहिए तथा सौर और पवन ऊर्जा जैसे नवीकरणीय स्रोतों को बढ़ावा देना चाहिए। प्लास्टिक का कम उपयोग, कचरे का उचित निपटान और वस्तुओं का पुनः उपयोग भी पर्यावरण संरक्षण में सहायक हैं। सरकार के साथ-साथ प्रत्येक नागरिक की भागीदारी जरूरी है। प्राकृतिक संसाधन केवल वर्तमान पीढ़ी की संपत्ति नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों की धरोहर भी हैं। इनका संरक्षण करना हम सभी की जिम्मेदारी है। प्रकृति के साथ संतुलन बनाकर ही सतत विकास संभव है। आज संसाधनों को बचाएँगे, तभी कल जीवन को सुरक्षित रख पाएँगे।



NATURAL RESOURCES

हजारों साल पुरानी नगर व्यवस्था, आज के शहरों के लिए सबक



भारत की प्राचीन सभ्यताओं में सिंधु घाटी सभ्यता अपनी विकसित नगर व्यवस्था के लिए विशेष स्थान रखती है। लगभग 2600 ईसा पूर्व से 1900 ईसा पूर्व के बीच हड़प्पा, मोहनजोदड़ो और धोलावीरा जैसे नगर परिवहन तथा सार्वजनिक सुविधाओं का ध्यान रखा जाए, तो इन समस्याओं को कम किया जा सकता है।

जल निकासी तब और अब

मोहनजोदड़ो की जल निकासी व्यवस्था इसकी प्रमुख विशेषताओं में से एक थी। घरों से निकलने वाला गंदा पानी नालियों के माध्यम से बाहर जाता था। कई नालियाँ ढकी हुई थीं। आज अनेक शहरों में वर्षा के दौरान जलभराव देखने को मिलता है। नालियों में कचरा जमा होना, अतिक्रमण और अपर्याप्त जल निकासी इसके प्रमुख कारण हैं। प्राचीन नगरों की तरह आधुनिक शहरों में भी नालियों की नियमित सफाई, उचित ढलान और जल निकासी

की समुचित योजना आवश्यक है।

जल संरक्षण की प्राचीन सीख

धोलावीरा में वर्षा जल एकत्र करने और सुरक्षित रखने के लिए जलाशयों तथा अन्य संरचनाओं का उपयोग किया जाता था। आज कई शहर भूजल के अत्यधिक दोहन और घटते जलस्तर की समस्या का सामना कर रहे हैं। गर्मियों में पेयजल की कमी भी गंभीर चुनौती बन जाती है। वर्षा जल संचयन, तालाबों का पुनर्जीवन और पानी के पुनः उपयोग को बढ़ावा देकर इस संकट को कम किया जा सकता है। प्राचीन जल प्रबंधन की समझ आधुनिक तकनीक के साथ मिलकर उपयोगी समाधान दे सकती है।

स्वच्छता और पर्यावरण का अंतर

सिंधु घाटी सभ्यता की नगर व्यवस्था में स्वच्छता और जल निकासी को महत्त्व दिया गया था। इसके विपरीत, आज कई शहरी क्षेत्रों में ठोस कचरे का अनुचित निपटान, वायु प्रदूषण और दूषित जल बड़ी समस्याएँ हैं। बढ़ते वाहनों और निर्माण गतिविधियों से पर्यावरण पर दबाव बढ़ रहा है। आधुनिक शहरों को कचरे का पृथक्करण, पुनर्चक्रण, हरित क्षेत्रों का संरक्षण और स्वच्छ परिवहन अपनाने की आवश्यकता है।

सिंधु घाटी सभ्यता और आधुनिक शहरों की तुलना हमें बताती है कि तकनीकी प्रगति के बावजूद सुनियोजित नगर निर्माण, स्वच्छता और जल संरक्षण का महत्त्व कम नहीं हुआ है। आज के शहरों में आधुनिक सुविधाएँ अवश्य हैं, लेकिन उनका लाभ तभी सार्थक होगा, जब विकास के साथ पर्यावरण और नागरिक जीवन की गुणवत्ता का भी ध्यान रखा जाए। प्राचीन सभ्यता के दूरदर्शिता से प्रेरणा लेकर आधुनिक तकनीक का सही उपयोग किया जाए, तो भविष्य के शहर अधिक स्वच्छ, सुरक्षित और टिकाऊ बन सकते हैं।

शब्द पहेली - 9004					बाएँ से दाएँ					ऊपर से नीचे				
1	2	3	4	5	1.सुरक्षित,संरक्षित-4	6	7	8		1.सदचरित्रता-3	2.इच्छा,मर्जी-2	3.अंधकार,अंधेरा-3	4.धार्मिक आयोजन स्थल तक मंगल कलश ले जाना-5	5.शब्द पहेली -9003 का हल
6	7	8			4.उत्सुकता, जिज्ञासा-3	9	10	11		6.मोल,कीमत,दर-2	7.बेकार,अयोग्य-3	8.बुआई करना-2,3	9.विश्वविजेता, संसार जीतने वाला (उर्दू-5)	श ब न म आ का श
9	10	11			6.पिता के पिता-2	12	13			8.नरक के समान-5	9.बेकार,अयोग्य-3	10.बुआई करना-2,3	11.आत्मबलिदानी-5	ग ग न्तर र ही न म
12	13				7.नमस्कार,प्रणाम-3	14	15	16	17	10.बेकार,अयोग्य-3	11.आत्मबलिदानी-5	12.प्लेट,तश्तरी-3	13.रहस्य,भेद-2	ग त सी ना क शी
14	15	16	17		9.आखेट मंच-3	17	18	19		12.प्लेट,तश्तरी-3	13.रहस्य,भेद-2	14.जुड़वा-3	15.मन का मिलना-5	र ग ला क सी र
17	18	19			11.आखेट मंच-3	18	19			13.रहस्य,भेद-2	14.जुड़वा-3	15.मन का मिलना-5	16.नल,टॉटी-3	क ज ल अ स र
20	21	22	23		12.प्लेट,तश्तरी-3	19	20	21	22	14.जुड़वा-3	15.मन का मिलना-5	16.नल,टॉटी-3	17.प्राणम,नमस्कार-3	क री व मि र व
21	22	23			13.रहस्य,भेद-2	20	21	22	23	15.मन का मिलना-5	16.नल,टॉटी-3	17.प्राणम,नमस्कार-3	18.जल में रहने वाला-4	ग ग जा स ल व
22	23				14.जुड़वा-3	21	22	23		16.नल,टॉटी-3	17.प्राणम,नमस्कार-3	18.जल में रहने वाला-4	19.स्वर्ग का विलोम-3	मा ग ह ज नी ह
23					15.मन का मिलना-5	22	23			17.प्राणम,नमस्कार-3	18.जल में रहने वाला-4	19.स्वर्ग का विलोम-3	20.छोटी सवारी गाड़ी-2	त र ह म ज नू र
24	25	26	27	28	16.नल,टॉटी-3	23	24	25	26	18.जल में रहने वाला-4	19.स्वर्ग का विलोम-3	20.छोटी सवारी गाड़ी-2	21.ईश्वर,रब-4	■ Jagrutidaur.com, Bangalore
25	26	27	28		17.प्राणम,नमस्कार-3	24	25	26	27	19.स्वर्ग का विलोम-3	20.छोटी सवारी गाड़ी-2	21.ईश्वर,रब-4		
26	27	28			18.जल में रहने वाला-4	25	26	27	28	20.छोटी सवारी गाड़ी-2	21.ईश्वर,रब-4			
27	28				19.स्वर्ग का विलोम-3	26	27	28		21.ईश्वर,रब-4				
28					20.छोटी सवारी गाड़ी-2	27	28							

नवरात्रि पर्व पर शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था के लिए कलेक्टर-एसपी ने निकाला फ्लैग मार्च

दुकानदारों को सड़क पर सामग्री नहीं रखने की दी समझाइश

नरसिंहपुर,स्वतंत्रमत।

कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह एवं पुलिस अधीक्षक डॉ. ऋषिकेश मीणा ने नवरात्रि पर्व के दौरान जिले में शांति, सौहार्द एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने तथा नागरिकों को सुगम आवागमन की सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सोमवार को पुलिस अधीक्षक नगर में फ्लैग मार्च निकाला। इस दौरान अधिकारियों ने नगर के प्रमुख बाजारों, चौराहों एवं मार्गों का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। फ्लैग मार्च के दौरान कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने दुकानदारों को अपनी दुकानों की सामग्री सड़क पर नहीं रखने की समझाइश दी। उन्होंने कहा कि



सड़क पर सामान रखने से आम नागरिकों एवं वाहन चालकों को आवागमन में परेशानी होती है। अतः सभी दुकानदार निर्धारित स्थान पर ही सामग्री रखें, ताकि यातायात सुचारु बना रहे और नागरिकों को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। अधिकारियों ने नगर में शांति एवं

कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। फ्लैग मार्च सुभाष पार्क से प्रारंभ हुआ। इसके बाद शनिचरा बाजार, सिंहपुर चौराहा, राम मंदिर चौक, पुत्री शाला, एलआईसी के सामने से सुनका चौराहा, बाहरी रोड, अष्टांग चौराहा एवं इतवारा बाजार

होते हुए पुनः सुभाष पार्क पहुंचा। इसके पश्चात नगर पालिका चौराहा, गांधी चौराहा एवं गुलाब चौराहा होते हुए खैरी नाका तक फ्लैग मार्च निकाला गया। फ्लैग मार्च के माध्यम से त्यौहार के दौरान शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने, नागरिकों में सुरक्षा का विश्वास मजबूत करने तथा नगर की

यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने का संदेश दिया गया। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री संदीप भूरिया, अपर कलेक्टर श्री अरविंद सिंह, एसडीएम श्री महेंद्र पटेल सहित पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी मौजूद थे।

14 अक्टूबर को जिले में होंगे विभिन्न विभागों के कार्यक्रम

नरसिंहपुर। सेवा संकल्प अभियान-2026 के अंतर्गत 14 को जिले में विभिन्न विभागों द्वारा जनहित से जुड़ी गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग द्वारा एसएडीओ कार्यालय, गोटेगांव में प्रगतिशील कृषकों का सम्मान किया जाएगा। नरसिंहपुर द्वारा बैंक के प्रधान कार्यालय एवं सुरक्षा योजनाओं के प्रति जागरूकता शिविर आयोजित किया जाएगा।

कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने जनसुनवाई में सुनीं लोगों की समस्याएं

107 आवेदनों पर हुई सुनवाई, 11 आवेदनों का हुआ मौके पर निराकरण

शेष आवेदनों को समय-सीमा में निराकरण के निर्देश

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत।

कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित जनसुनवाई में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों की समस्याएं सुनीं। जनसुनवाई में विभिन्न विषयों से संबंधित कुल 107 आवेदन प्राप्त हुए। इन आवेदनों में से 11 आवेदनों का मौके पर निराकरण किया गया। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को शेष आवेदनों पर गंभीरता से कार्रवाई करते हुए निर्धारित समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में स्कूल के प्रवेश रिकॉर्ड में जन्मतिथि में सुधार



कराने, भूमि का सीमांकन होने के बाद भी संबंधित व्यक्तियों द्वारा कब्जा नहीं छोड़ने, बीपीएल सूची में नाम जुड़वाने, मृत्यु के प्रकरण में आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने तथा न्याय दिलाने सहित विभिन्न समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए गए। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने आवेदनों पर संबंधित अधिकारियों को नियमानुसार कार्रवाई कर आवेदकों को राहत दिलाने के लिए कहा। जनसुनवाई के दौरान जिन आवेदनों का तत्काल निराकरण

संभव था, उनका मौके पर ही निराकरण किया गया। वहीं जिन प्रकरणों में विस्तृत जांच अथवा अन्य आवश्यक कार्रवाई की जरूरत थी, उनके निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्धारित समय-सीमा तय कर कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। जनसुनवाई में एडीएम श्री अरविंद कुमार सिंह सहित अन्य अधिकारियों ने भी नागरिकों की समस्याएं सुनीं तथा संबंधित प्रकरणों में आवश्यक कार्रवाई की।

शक्ति से सृजन कार्यक्रम के तहत जरजोला में वृक्ष पूजन एवं पौधारोपण



नरसिंहपुर,स्वतंत्रमत।

मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के अंतर्गत संचालित शक्ति से सृजन कार्यक्रम के तहत नरसिंहपुर विकासखंड के ग्राम जरजोला में वृक्ष पूजन एवं पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण से संस्कृति संरक्षण के संदेश को जन-जन तक पहुंचाना तथा प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता बढ़ाना रहा। कार्यक्रम में ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति के सदस्यों एवं नवांकुर सखियों ने वृक्ष पूजन कर प्रकृति के

संवर्धन का संकल्प भी लिया गया। उपस्थितजनों ने भारतीय संस्कृति में वृक्षों एवं प्रकृति के महत्व को रेखांकित करते हुए पर्यावरण संरक्षण को सामूहिक जिम्मेदारी बताया। कार्यक्रम के माध्यम से नागरिकों को वृक्षों के संरक्षण, पौधारोपण तथा प्राकृतिक संसाधनों के संवर्धन के प्रति जागरूक किया गया। साथ ही समाज के प्रत्येक व्यक्ति से पर्यावरण संरक्षण के प्रयासों में सक्रिय सहभागिता निभाने का आह्वान किया गया।

मणिद्वीप सृजन सम्मान के लिए आनंद नेमा चयनित नरसिंहपुर स्वतंत्रमत। म.प्र. हिंदी साहित्य सम्मेलन भोपाल ने कविता विधा में मणिद्वीप सृजन सम्मान के लिए आनंद नेमा को चयनित किया है। यह सम्मान उन्हें 31 अक्टूबर- 1 नवम्बर 2026 को भोपाल में होने जा रहे सम्मेलन के शब्द उत्सव समारोह में दिया जाएगा। आनंद नेमा संवेदनशील कवि हैं जिनकी रचनाओं में प्रकृति और पर्यावरण के प्रति चिंतन और मनुष्य की गरिमा अभिव्यक्त होती है। वे नरसिंहपुर जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन के सचिव हैं। श्री नेमा की रचनाएं विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुकी हैं तथा पर्यावरण शिक्षा पर केंद्रित पुस्तकों को संपादित प्रकाशित हैं।



एमपी वॉलीबॉल एसोसिएशन में विंध्य का दबदबा अरुण सिंह संयुक्त सचिव, श्रीराम पांडेय उपाध्यक्ष बने

सतना स्वतंत्रमत। मध्यप्रदेश वॉलीबॉल एसोसिएशन के चुनाव भोपाल में प्रदेश भर के जिलों से आए प्रतिनिधियों की मौजूदगी में संपन्न हुए। चार वर्षीय कार्यकाल 2026.2030 के लिए हुए चुनाव में कार्तिकेय सिंह चौहान को निर्विरोध अध्यक्ष चुना गया। नई कार्यकारिणी के गठन के साथ ही विंध्य क्षेत्र को बड़ी जिम्मेदारी मिली है जिससे क्षेत्र के खिलाड़ियों और खेलप्रेमियों में खुशी की लहर है।

विंध्य को मिली अहम जिम्मेदारी-नई कार्यकारिणी में विंध्य क्षेत्र के चार प्रमुख खेल हस्तियों को स्थान मिला है। क्रीड़ा भारती के प्रांताध्यक्ष सांसद खेल प्रतिनिधि और राष्ट्रीय निर्णायक अरुण कुमार सिंह सतना को संयुक्त सचिव राष्ट्रीय खिलाड़ी व राष्ट्रीय निर्णायक इंजी. श्रीराम पांडे मैहर को उपाध्यक्ष अधिवका आशोष सिंह बघेल रीवा को कार्यकारिणी सदस्य और राष्ट्रीय खिलाड़ी कुष्णानंद तिवारी रीवा को स्पोर्ट्स कोटे से जिम्मेदारी सौंपी गई है। विंध्य के प्रतिनिधियों को संगठन में महत्वपूर्ण पद मिलने से क्षेत्र में वॉलीबॉल के विकास और नई प्रतिभाओं को मंच मिलने की उम्मीद बढ़ गई है। चुनाव समारोह में विंध्य के उन वरिष्ठ खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया जिन्होंने वॉलीबॉल के विकास में अपना जीवन समर्पित किया है।

मेहमूद पहलवान का आकस्मिक निधन गाडखोरा (स्वतंत्र मत)। शास्त्री वाई निवासी जामा मस्जिद के पूर्व अध्यक्ष एवं कांग्रेस नेता मेहमूद पहलवान का लगभग 57 वर्ष की आयु में मंगलवार को आकस्मिक निधन हो गया। उनके अचानक चले जाने से परिवार व शुभचिंतकों में शोक की लहर देखी गई। मेहमूद पहलवान मिलनसार सामाजिक एवं मददगार व्यक्तित्व के धनी थे। वे लंबे समय तक जामा मस्जिद कमेटी के अध्यक्ष के रूप में अपनी सेवाएं दे चुके थे तथा सामाजिक और धार्मिक कार्यों में हमेशा अग्रणी भूमिका में रहते थे। कांग्रेस पार्टी में भी उनकी सक्रिय भूमिका रहती थी। उन्हें राजीव वाई स्थित कब्रिस्तान में सुपुर्द-ए-खाक किया गया। उनके निधन पर सभी वर्ग के लोगो ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए परिवार के प्रति शोक संवेदनाएं व्यक्त की।

50 साल पुराने सार्वजनिक रास्ते पर अतिक्रमण

सतना स्वतंत्रमत। तहसील रघुराजनगर के ग्राम खम्हरिया टोला उतेली में 50 साल पुराने सार्वजनिक रास्ते पर अतिक्रमण कर उसे बंद कर देने का मामला सामने आया है। पीडित त्रिवेणी प्रसाद रजक ने 13 अक्टूबर को कलेक्टर जनसुनवाई में आवेदन देकर रास्ता खुलवाने की गुहार लगाई है। जनसुनवाई में दिए आवेदन के अनुसार आवेदक त्रिवेणी प्रसाद रजक पिता चुनबदिया रजक निवासी ग्राम खम्हरियाटोला उतेली तहसील रघुराजनगर का पुराना



निवासी है। उसके घर से तीन गांवों को जोड़ने वाला सार्वजनिक रास्ता पिछले 50 वर्षों से चला आ रहा था जिससे वाहन और लोग इत्यादि आते.जाते थे। आरोप है कि इसी

रास्ते को सुनीता फ़ौरी रामसिंहभैग व उसके मां.बाप इत्यादि ने सांठगांठ कर रास्ते को बंद कर दिया है। वहां मड़ईया और बाड़ी लगा दी गई है जिससे गांव का मात्र 3 फीट रास्ता ही

अग्रसेन जयंती पर भव्य शोभायात्रा निकाली गई

अग्रवाल समाज का तीन दिवसीय कार्यक्रम सम्पन्न

गाडखोरा (स्वतंत्र मत)।

अग्रवाल समाज द्वारा श्री श्री 1008 महाराजा श्री अग्रसेन जी की जयंती के पावन अवसर पर हुए विविध कार्यक्रम आयोजित किए गए 9 अक्टूबर 2026 को बच्चों एवं महिलाओं के लिए मनोरंजक एवं आकर्षक गेम एवं फूलों की ज्वेलरी प्रतियोगिता का आयोजन किया। 10 अक्टूबर 2026 स्थानीय सुखदेव भवन में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिसका शुभारंभ मुख्य अतिथि श्री संजय जी गोयल डायरेक्टर - बी एल ए पावर प्राइवेट लिमिटेड, गाडखोरा द्वारा दीप प्रज्वलित एवं महाराज अग्रसेन जी की पूजन करके किया ,संजय गोयल ने कहा सत्य, अहिंसा और एकता के मार्ग पर चलकर समाज के हर जरूरतमंद की सहायता करना ही महाराजा अग्रसेन का सच्चा संदेश है। समाज के अध्यक्ष अरविंद



अग्रवाल ने कहा - अग्रवाल समाज की पहचान हमेशा से व्यापार, दानशीलता और परस्पर सहयोग के बल पर रही है। हमारी असली ताकत हमारी एकजुटता में है, प्रारंभिक स्वागत संचालन श्री शरद अग्रवाल उपाध्यक्ष अग्रवाल समाज द्वारा किया गया सांस्कृतिक कार्यक्रमों का संचालन महिला मंडल की सह सचिव श्रीमती प्रीति अग्रवाल एवं सचिव श्रीमती साधना अग्रवाल द्वारा किया गया, बच्चों महिलाओं द्वारा फैसी ड्रेस एवं डांस की मनमोहक प्रस्तुति दी गई, कार्यक्रम

के पश्चात स्नेह भोज का आयोजन किया गया। दिनांक 11 अक्टूबर 2026 को प्रातः 9:00 बजे श्री देव लक्ष्मी नारायण मंदिर ,चावड़ी में श्री महाराजा अग्रसेन जी का विधि विधान से पूजन अर्चन किया गया , उसके बाद यहां पर एक विचार गोष्ठी का आयोजन रखा जिसमें अग्रवाल समाज की सभी वरिष्ठ जनों ने अपने विचार व्यक्त किए एवं महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती मुदुला अग्रवाल द्वारा अपने उद्बोधन में सभी को अग्रसेन जयंती की शुभकामनाएं दी। और सभी ने



महाराजा अग्रसेन जयंती की एक दूसरे को शुभकामनाएं दी। पूजन के पश्चात वाहन रैली के रूप में श्री अग्रसेन भवन , शनि मंदिर के पास, पहुंचकर वहां पर ध्वजारोहण किया गया। फिर शाम 4:00 बजे चावड़ी चौक से भव्य शोभा यात्रा निकाली गई जिसमें बैंड बाजे, घोड़े, बग्घी पर महाराजा अग्रसेन की प्रतिमा विराजमान कर, बड़ी संख्या में महिलाओ एवं पुरुषो एवं बच्चों ने उत्साह के साथ शोभायात्रा में शामिल हुए। जगह-जगह शोभायात्रा का सामाजिक बंधुओं द्वारा स्वागत किया गया, शोभायात्रा

का समापन श्री देव बांके बिहारी मंदिर में हुआ , प्रतियोगिता में हुए विजेताओं को पुरस्कार वितरण किए गए

एवं अग्रवाल समाज में 10 वी, 12 वी में जिनके 75ल से अधिक लाने वाले प्रतिभावान बच्चों एवं खेल, कला, साहित्य अथवा किसी भी अन्य क्षेत्र में विशेष सफलता या उपलब्धि हासिल करने वालो को भी सम्मानित किया गया। एवं प्रतिवर्ष के स्थाई पुरस्कार स्व.

सत्यनारायण अग्रवाल स्मृति प्रोत्साहन पुरस्कार कक्षा 10वीं एवं 12वीं में 75 प्रतिशत या उससे अधिक अंक अर्जित करने वाले समाज के सभी मेधावी छात्र-छात्राएं को उनके परिवारजनों के सौजन्य से सभी पात्र विद्यार्थियों को स्मृति चिन्ह (मोमेंटो) प्रदान कर सम्मानित किया जाता है।

स्व. खजांची राधारमण अग्रवाल एवं स्व. ओंकार प्रसाद अग्रवाल स्मृति श्रेष्ठता पुरस्कार- प्राप्ता कक्षा 10वीं एवं 12वीं में समाज स्तर पर सर्वोच्च अंक (सर्वोच्च प्रतिशत) प्राप्त करने वाले प्रथम छात्र/छात्रा। पुरस्कार वितरण समारोह का संचालन युवा परिषद के उपाध्यक्ष सीए कार्तिक अग्रवाल , एवं सह सचिव नचिकेत अग्रवाल द्वारा किया गया ।अंत में अग्रवाल समाज के सचिव श्री मोहन अग्रवाल द्वारा जयंती के कार्यक्रमों को सफल बनाने के लिए आधार व्यक्त किया कार्यक्रम को सफल बनाने में अग्रवाल समाज, अग्रवाल महिला मंडल, युवा परिषद के सभी पदाधिकारी का सहयोग रहा।

सीईओ के खिलाफ धरना 15 को

मण्डला(स्वतंत्रमत) । जिले की जनपद पंचायत बीजाडांडी में मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) वासंती दुबे की कार्यप्रणाली को लेकर विवाद गहराता नजर आ रहा है। जनपद पंचायत अध्यक्ष सदस्यों और अन्य जनप्रतिनिधियों ने सीईओ के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए 15 अक्टूबर को राष्ट्रीय राजमार्ग-30 तक शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन करने की अनुमति मांगी है। इस संबंध में 12 अक्टूबर को अनुविभागीय अधिकारी राजस्व निवास को लिखित आवेदन सौंपा गया है आवेदन में जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती करिश्मा राजेंद्र पुट्टा सहित जनपद पंचायत के सदस्यों ने सीईओ वासंती दुबे की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उनका आरोप है कि पंचायत सचिव स्वयं सहायता समूह एसएचजी की महिलाओं और जनपद सदस्यों से कथित अवैध वसूली की जा रही है

समन्वय समिति की बैठक

मण्ड ला(स्वतंत्रमत) । जिला योजना भवन में कलेक्टर की अध्यक्षता में समय-सीमा और विभागीय समन्वय समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में सेवा संकल्प अभियान के साथ साथ शुक्रवार को आयोजित होने वाले जन विश्वास शिविर को लेकर चर्चा की गयी साथ ही विभिन्न विभागीय योजनाओं लॉबित पत्रो तथा सीएम हेलपलाइन प्रकरणों की विस्तार से समीक्षा की गई कलेक्टर ने ए-श्रेणी में पहुंच चुके विभागों को बधाई देते हुए कहा कि यह टीम वर्क से संभव हुआ है। अन्य विभागों को सहाहत तक ए-श्रेणी में आने के निर्देश दिए।

छात्रावास में कराया कन्या भोजन

मण्ड ला(स्वतंत्रमत) । नवरात्रि के पावन अवसर पर इनर व्हील क्लब की महिलाओं द्वारा सेवा भारती में सेवा और श्रृद्धा से परिपूर्ण कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस दौरान सेवा भारती की 65 कन्याओं को भोजन कराया गया। फलाहार करने वाली कन्याओं के लिए फलाहार की व्यवस्था की गई जबकि अन्य कन्याओं के लिए भोजन तैयार कराया गया। क्लब की महिलाओं ने इस आयोजन के माध्यम से कन्याओं के प्रति सम्मान और सेवा भाव का संदेश दिया कार्यक्रम के दौरान इनर व्हील क्लब की सभी महिलाओं ने कन्याओं के साथ गरबा किया और मां दुर्गा की आराधना तैकर सभी के सुख-समृद्धि की कामना की।

नशा मुक्ति समिति की बैठक

मण्डला(स्वतंत्रमत) । जिला योजना भवन में जिला स्तरीय नशा मुक्ति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता कलेक्टर ने की। बैठक में कलेक्टर ने कहा कि नशा नशा का कारण है टीनएज और युवा वर्ग सबसे अधिक नशे की चपेट में आ रहे हैं। शासन के निर्देशानुसार शैक्षणिक संस्थानों के 100 मीटर के दायरे को तंबाकू मुक्त करना हम सभी का दायित्व है। फील्ड भ्रमण के दौरान स्कूल-कॉलेजों का निरीक्षण करते समय इसे अनिवार्य रूप से सुनिश्चित कराएं। यदि 100 मीटर के दायरे में तंबाकू, गुटखा, सिगरेट की दुकानें संचालित हो रही हैं तो आवश्यकता अनुसार अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई भी की जाए।

महाविद्यालय में ईंग्लसी कैम्प

मण्डला(स्वतंत्र मत) । शासकीय जगन्नाथ मुन्नालाल चौधरी कन्या महाविद्यालय में निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार निर्वाचन साक्षरता क्लब द्वारा विशेष ईंग्लसी कैंप का आयोजन किया गया। प्राचार्य डॉ. एसपी धूमकेती के मार्गदर्शन में आयोजित शिविर का उद्देश्य छात्राओं को निर्वाचन प्रक्रिया मनाधिकार और लोकतंत्र में नागरिकों की भागीदारी के प्रति जागरूक करना था। ईंग्ल.सी. कॉर्डिनेटर डॉ. अंजली पण्ड्या द्वारा पाठ ब्रह्मो के ऑनलाइन रूपरूप-6 भरवाने की प्रक्रिया संचय कराई गई।

साहू स्टोन क्रेशर का पट्टा निरस्त: नियमों की अनदेखी और मनमर्जी से किए गए खनन के बाद खनिज विभाग ने की कार्यवाही

मण्डला(स्वतंत्रमत)

जिले में खनिज उत्खनन से जुड़े नियमों की अनदेखी का मामला सामने आया है। घुघुरी तहसील के ग्राम चाबी में गिट्टी उत्खनन के लिए स्वीकृत दो हेक्टेयर क्षेत्र का पट्टा खनिज विभाग ने निरस्त कर दिया है। पट्टेदार अजय साहू के विरुद्ध यह कार्यवाही मध्यप्रदेश गौण खनिज नियम 1996 के प्रावधानों के तहत की गई है। कलेक्टर कार्यालय की खनिज शाखा ने 29 सितंबर 2026 को आदेश जारी कर 7 मार्च 2018 से 6 मार्च 2028 तक के लिए स्वीकृत पट्टे को पर्यवसित यानी निरस्त कर दिया आदेश के अनुसार ग्राम चाबी स्थित खसरा क्रमांक 598, ग्राम नवीन क्रमांक 511 के कुल दो हेक्टेयर क्षेत्र में खनिज गिट्टी उत्खनन का पट्टा



अजय साहू के पक्ष में स्वीकृत था। विभागीय जांच में सामने आया कि पट्टेदार ने अद्यतन मासिक, अर्धवार्षिक और वार्षिक विवरणियां प्रस्तुत नहीं की। कर नवीन क्रमांक 511 के कुल दो हेक्टेयर क्षेत्र में खनिज गिट्टी उत्खनन का पट्टा

खदान क्षेत्र में सीमांकन दर्शाने वाले सीमा चिन्हित और स्तंभ स्थापित नहीं किए गए तथा स्वीकृत क्षेत्र की जानकारी देने वाली बोर्ड पट्टिका भी नहीं लगाई गई खनिज विभाग ने इन अनियमितताओं को लेकर 2 दिसंबर 2025 को कारण बताओ



नोटिस जारी किया था। पट्टेदार ने निर्धारित समय सीमा में जवाब देने के बजाय 30 जून 2026 को विलंब से अपना पक्ष प्रस्तुत किया। इसके बाद सहायक खनि अधिकारी ने 1 सितंबर 2026 को खदान क्षेत्र का मौका निरीक्षण

किया और 7 सितंबर को जांच एवं जवाब के परीक्षण संबंधी प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। विभाग ने पट्टेदार के जवाब को असंतोषजनक मानते हुए कार्यवाही की अनुशंसा की जांच प्रतिवेदन के मुताबिक वित्तीय वर्ष 2025-26 और 2026-27 में

स्वीकृत क्षेत्र से किसी प्रकार का उत्पादन नहीं किया गया। निरीक्षण के दौरान खदान शिथिल अथवा अकार्यशील पाई गई।

इन परिस्थितियों और नियमों के उल्लंघन को आधार बनाकर खनिज विभाग ने मध्यप्रदेश गौण खनिज नियम, 1996 के नियम 30(26) के तहत पट्टा निरस्त कर दिया है। बता दें कि जिला मुख्यालय से डिंडौरी मार्ग पर चाबी के बगली क्षेत्र में संचालित साहू स्टोन क्रेशर को लेकर भी स्थानीय स्तर पर शिकायतें सामने आई थीं। सूत्रों और शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि क्रेशर के संचालन में आवश्यक पर्यावरणीय स्वीकृति प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की सहमति तथा अन्य वैधानिक दस्तावेजों के पालन की जांच की जानी चाहिए।

पंडालों में उपाध्यक्ष ने दिए डस्टबीन

नारायणगंज सहित आसपास के ग्रामों में स्थापित दुर्गा पंडालों में कूड़ेदान का वितरण किया ताकि पूजा-अर्चना के दौरान निकलने वाले कचरे प्रसाद की पत्तलों एवं अन्य अपशिष्ट पदार्थों को व्यवस्थित तरीके से एकत्रित किया जा सके। इस पहल के माध्यम से उन्होंने श्रद्धालुओं आयोजन समितियों एवं आम नागरिकों को स्वच्छता के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया। नवरात्रि पर्व के

दौरान नगर और ग्रामीण क्षेत्रों में जगह-जगह मां दुर्गा की प्रतिमाएं स्थापित की जाती हैं। इन पंडालों में प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन एवं पूजन के लिए पहुंचते हैं। वहीं प्रसाद वितरण और अन्य धार्मिक गतिविधियों के चलते कचरा भी एकत्रित होता है। ऐसे में यदि कचरे के उचित निपटान की व्यवस्था न हो तो पंडालों एवं आसपास के क्षेत्रों में गंदगी फैलने की आशंका बनी रहती है।

विराजीं महारानी-दिखा उत्साह

मण्डला(स्वतंत्रमत) । उपनगर महाराजपुर कुम्हार मोहल्ला सार्वजनिक दुर्गात्सव समिति महिला मंडल ने पहली बार मां जगदम्बे की प्रतिमा स्थापित की है। यहां पर महिलाओं में खासा उत्साह देखा जा



आपसी एकता समरसता और शक्ति का एक बेजोड़ प्रमाण पेश किया है इस पुनीत कार्य में समिति के प्रमुख सदस्य विनोद यादव, सीताराम यादव काली नंदा, राम प्रसाद चक्रवर्ती सहित अन्य सहयोगियों ने अपना विशेष योगदान देकर नारी शक्ति के इस शंखनाद को सफल बनाया।

एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल की गुणवत्ता पर उठे सवाल

- नई गाड़ियों में खराबी से वाहन मालिक परेशान

- नैनपुर में पेट्रोल पंपों की नियमित जांच की मांग

- पेट्रोल के नमूने लेकर

प्रयोगशाला में परीक्षण कराने

की उठी आवाज

नैनपुर(स्वतंत्र मत) । नगर में पेट्रोल की गुणवत्ता को लेकर सवाल उठने लगे हैं। कुछ वाहन मालिकों का कहना है कि नई मोटरसाइकिलों एवं अन्य वाहनों में तकनीकी खराबियां सामने आ रही हैं, जिससे उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वाहन मालिकों के बीच इन समस्याओं को एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल से जोड़कर आशंकाएं जताई जा रही हैं। हालांकि, वाहनों में आ रही खराबियों का वास्तविक कारण क्या है और क्या इसका संबंध पेट्रोल की गुणवत्ता से है, यह अधिकृत तकनीकी एवं प्रयोगशाला जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। इस बीच पेट्रोल में एथेनॉल की निर्धारित मात्रा, ईंधन की गुणवत्ता और पेट्रोल पंपों पर नियमित जांच की व्यवस्था को लेकर सवाल उठ रहे हैं। नागरिकों ने जिला प्रशासन से मामले को

नई गाड़ियों में तकनीकी खराबियों से बढ़ी परेशानी

वाहन खरीदने के लिए हजारों से लेकर लाखों रुपये खर्च करने वाले लोगों के लिए नई गाड़ियों में तकनीकी खराबियां सामने आना चिंता का विषय है। कुछ वाहन मालिकों का कहना है कि नए वाहनों में परेशानी आने से उन्हें बार-बार सर्विस सेंटर के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। इसी बीच पेट्रोल की गुणवत्ता को लेकर भी संदेह व्यक्त किया जा रहा है। हालांकि, वाहनों में खराबी के पीछे इंजन की स्थिति, तकनीकी खामी, वाहन की ईंधन संबंधी अनुकूलता अथवा पेट्रोल की गुणवत्ता जैसे विभिन्न कारण हो सकते हैं। ऐसे में बिना तकनीकी परीक्षण के किसी एक कारण को जिम्मेदार ठहराना उचित नहीं होगा। आवश्यकता इस बात की है कि शिकायतों की निष्पक्ष जांच हो, ताकि वास्तविक कारण सामने आ सके और वाहन मालिकों की परेशानी का समाधान हो। पेट्रोल में एथेनॉल का मिश्रण सरकार की निर्धारित नीति के तहत किया जाता है। निर्धारित मानकों के अनुरूप एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल की बिक्री अपने आप में मिलावट नहीं है। लेकिन यदि किसी पेट्रोल पंप पर निर्धारित मानकों से अधिक एथेनॉल मिश्रण या ईंधन की गुणवत्ता में गड़बड़ी की आशंका है, तो इसकी पुष्टि



जांच के माध्यम से किया जाना आवश्यक है। नैनपुर में उठ रहे सवालों के बीच यह जानना महत्वपूर्ण है कि पेट्रोल पंपों पर बिक रहे ईंधन की गुणवत्ता की निगरानी किस प्रकार की जा रही है और निर्धारित मानकों के अनुपालन की जांच कितनी नियमितता से होती है। यदि इस संबंध में शिकायतें प्राप्त होती हैं, तो संबंधित विभाग को नियमानुसार नमूने लेकर उनकी जांच करानी चाहिए, ताकि आशंकाओं की वास्तविकता सामने आ सके।

पेट्रोल पंपों की नियमित जांच को लेकर उठे सवाल

पेट्रोल की गुणवत्ता को लेकर नागरिकों की चिंताओं के बीच संबंधित विभागों की निगरानी व्यवस्था पर भी ध्यान आकर्षित किया जा रहा है। नागरिकों का कहना है कि पेट्रोल पंपों पर ईंधन की गुणवत्ता और निर्धारित मानकों के पालन की जांच नियमित रूप से होनी चाहिए, ताकि उपभोक्ताओं का भरोसा बना रहे। ऐसे में यह आवश्यक है कि संबंधित अधिकारी पेट्रोल पंपों की जांच व्यवस्था की समीक्षा करें। यदि किसी पेट्रोल पंप के विरुद्ध शिकायत मिलती है, तो उसकी निष्पक्ष जांच कराई जाए। साथ ही, जांच में सामने आने वाले तथ्यों को सार्वजनिक करने से उपभोक्ताओं के बीच अनावश्यक भ्रम और आशंकाओं को दूर करने में मदद मिल सकती है।

पेट्रोल के नमूने लेकर अधिकृत प्रयोगशाला में हो जांच

नगर के वाहन मालिकों और नागरिकों ने मांग की है कि नैनपुर के पेट्रोल पंपों से नियमानुसार ईंधन के नमूने लिए जाएं और उन्हें अधिकृत प्रयोगशाला में परीक्षण के लिए भेजा जाए। जांच के दौरान पेट्रोल की निर्धारित गुणवत्ता, एथेनॉल मिश्रण की मात्रा तथा अन्य आवश्यक मानकों के अनुपालन की पुष्टि की जाए। इसके साथ ही,

वाहनों में तकनीकी खराबियों की शिकायतों को भी संबंधित वाहन निर्माता कंपनियों और अधिकृत सर्विस सेंटरों के माध्यम से तकनीकी रूप से परखा जाना चाहिए। इससे यह स्पष्ट करने में सहायता मिलेगी कि वाहनों की समस्याओं का संबंध ईंधन से है या किसी अन्य तकनीकी कारण से। नागरिकों ने मांग की है कि संबंधित खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग, तेल कंपनियों तथा अन्य सक्षम अधिकारियों के समन्वय से नगर के पेट्रोल पंपों की जांच कराई जाए। आवश्यकता के अनुसार औचक निरीक्षण कर ईंधन के नमूनों का परीक्षण कराया जाए और जांच के निष्कर्षों के आधार पर उचित कार्रवाई की जाए। यदि जांच में निर्धारित मानकों का उल्लंघन पाया जाता है, तो संबंधित नियमों के तहत जिम्मेदारों के विरुद्ध कार्रवाई की जानी चाहिए। वहीं, यदि पेट्रोल की गुणवत्ता निर्धारित मानकों के अनुरूप पाई जाती है, तो जांच के निष्कर्षों के माध्यम से वाहन मालिकों की आशंकाओं को दूर किया जा सकता है।

उपभोक्ताओं की चिंता का समाधान जरूरी

पेट्रोल की गुणवत्ता को लेकर उठ रहे सवालों के बीच सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि वाहन मालिकों की शिकायतों को गंभीरता से लिया जाए और तथ्यों के आधार पर स्थिति स्पष्ट की जाए। एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल को सीधे वाहनों में खराबी का कारण मानना उचित नहीं होगा, लेकिन निर्धारित मानकों के अनुपालन की जांच करना उपभोक्ताओं के हित में आवश्यक है।

समूहों की हालत खराब, नहीं हुआ भुगतान



मण्डला(स्वतंत्रमत) । मध्याह्न भोजन योजना में कार्यरत जिले के करीब चार हजार रसोइयों का मानदेय और स्व-सहायता समूहों की लागत राशि चार माह से लंबित है। भुगतान नहीं होने से रसोइयों और समूह संचालकों के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। त्योहारों के बीच परिवारों का खर्च चलाना मुश्किल हो रहा है वहीं स्कूलों में बच्चों को मीनू के अनुसार भोजन उपलब्ध कराने में भी परेशानी आ रही है रसोइया उत्थान संघ समिति के बैनर तले मंगलवार को कलेक्टर और जिला पंचायत सीईओ का ध्यानाकर्षण कराते हुए ज्ञापन सौंपा गया। संस्थापक-संयोजक पीडी खैरवार के मार्गदर्शन और जिलाध्यक्ष कुंवर सिंह मरकाम के नेतृत्व में पहुंचे प्रतिनिधिमंडल ने जून से अक्टूबर तक का लंबित मानदेय, पिछले पांच वर्षों से बकाया जून माह का भुगतान तथा स्व-सहायता समूहों की लागत राशि तत्काल जारी करने की मांग की। जिला पंचायत के मध्याह्न भोजन प्रभारी ऋषभ सिंह को ज्ञापन सौंपने पर इसी सप्ताह भुगतान शुरू होने का आश्वासन मिला है। ज्ञापन के दौरान कुंवर सिंह मरकाम, जयंती अहिरवार, सुरेश बघेल, कृष्णा धार्वैया, गंगोत्री विश्वकर्मा, प्रीति विश्वकर्मा, रमेश मरावी सहित बड़ी संख्या में रसोइया उपस्थित रहे।

आपदा प्रबंधन पर जागरूकता अभियान

मण्डला(स्वतंत्रमत) । विश्व आपदा प्रबंधन दिवस के अवसर पर ब्रेन चाइल्ड एकेडमी में विद्यार्थियों को आपदा प्रबंधन सुरक्षा उपायों एवं प्राथमिक चिकित्सा के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से एक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को आपातकालीन परिस्थितियों में सतर्क साहसी एवं जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करना था कार्यक्रम के अंतर्गत एसडीईआरएफ की टीम द्वारा अग्नि सुरक्षा जल सुरक्षा एवं विभिन्न आपदाओं से बचाव के लिए प्रशिक्षण और प्रदर्शन किए गए।



ग्राम विकास की योजनाओं पर ग्रामीणों ने रखे सुझाव

मूलभूत सुविधाओं के विस्तार और हितग्राहीमूलक योजनाओं के क्रियान्वयन पर दिया गया जोर

नैनपुर (स्वतंत्र मत)

ग्राम पंचायत भरभेली में पंचायत भवन परिसर में चौपाल लगाकर ग्राम सभा का आयोजन किया गया। ग्राम पंचायत के समग्र विकास, मूलभूत सुविधाओं के विस्तार और शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने के उद्देश्य से आयोजित इस ग्राम सभा में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने सहभागिता की। सभा में गांव के विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तारपूर्वक चर्चा करते हुए ग्रामीणों से सुझाव आमंत्रित किए गए। साथ ही प्रत्येक वार्ड की आवश्यकताओं, समस्याओं और प्रस्तावित विकास कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर कार्ययोजना में शामिल करने पर जोर दिया गया।

ग्राम सभा की अध्यक्षता प्रदीप उड़के ने की। ग्राम पंचायत की सरपंच यशोदा कमलेश गोंड के मार्गदर्शन में पंचायत सचिव एवं सहायक सचिव द्वारा ग्राम विकास से संबंधित एजेंडा तैयार किया गया था। निर्धारित एजेंडे के अनुसार पंचायत के वर्तमान कार्यों की समीक्षा, आगामी निर्माण कार्यों की रूपरेखा, हितग्राहीमूलक योजनाओं की प्रगति तथा ग्रामीणों को उपलब्ध कराई जाने वाली मूलभूत सुविधाओं पर विचार-विमर्श किया गया।

ग्राम सभा में ग्रामीणों ने अपने-अपने



वार्ड की समस्याओं और आवश्यकताओं को सामने रखते हुए विकास कार्यों के संबंध में सुझाव प्रस्तुत किए। सड़क, नाली, पेयजल, बिजली, स्वच्छता, आवागमन तथा सार्वजनिक स्थलों के विकास जैसे विषय चर्चा के केंद्र में रहे। ग्रामीणों ने कहा कि गांव के समुचित विकास के लिए प्रत्येक वार्ड की स्थानीय जरूरतों को समझते हुए आवश्यक कार्यों का चयन किया जाना चाहिए।

प्राप्त सुझावों के आधार पर वार्डवार प्राथमिकताएं निर्धारित करने तथा आवश्यकतानुसार निर्माण कार्यों को आगामी विकास कार्ययोजना में शामिल करने पर बल दिया गया। ग्राम सभा में जनभागीदारी के माध्यम से स्थानीय समस्याओं की पहचान

कर उनके निराकरण की दिशा में पहल करने की आवश्यकता भी रेखांकित की गई।

चौपाल में शासन की विभिन्न हितग्राहीमूलक योजनाओं की पात्रता, जरूरतमंद परिवारों तक लाभ पहुंचाने तथा योजनाओं के क्रियान्वयन से जुड़े विषयों पर भी चर्चा की गई। ग्रामीणों ने इस बात पर जोर दिया कि कोई भी पात्र हितग्राही शासकीय योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे और जरूरतमंद परिवारों की समस्याओं का नियमानुसार निराकरण किया जाए।

इसके साथ ही पंचायत क्षेत्र में आवश्यक सार्वजनिक निर्माण कार्यों को प्राथमिकता देने, विकास कार्यों के चयन में पारदर्शिता बनाए रखने तथा सभी वार्डों में आवश्यकतानुसार विकास के अवसर

सुनिश्चित करने की बात कही गई। ग्रामीणों ने पंचायत के विकास कार्यों में निष्पक्षता और जवाबदेही को महत्वपूर्ण बताते हुए सामूहिक सहभागिता से गांव की समस्याओं के समाधान पर जोर दिया।

ग्राम सभा में प्राप्त सुझावों और प्रस्तावों को पंचायत की आगामी विकास कार्ययोजना में शामिल करने तथा ग्राम सभा से अनुमोदित कार्यों को नियमानुसार प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ाने पर चर्चा हुई। पंचायत स्तर पर विकास कार्यों की निगरानी, पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने में ग्रामीणों की सक्रिय भूमिका को भी महत्वपूर्ण बताया गया। इस अवसर पर सरपंच यशोदा कमलेश गोंड ने ग्रामीणों की सहभागिता को ग्राम पंचायत के सर्वांगीण विकास का महत्वपूर्ण आधार बताते हुए सभा में सामने आई समस्याओं और सुझावों पर गंभीरता से विचार करने तथा उन्हें नियमानुसार धरातल पर उतारने की प्रतिबद्धता जताई।

ग्राम सभा में ग्रामीणों की सहभागिता ने स्थानीय विकास के प्रति सामूहिक जिम्मेदारी और जनभागीदारी की भावना को रेखांकित किया। ग्राम सभा के माध्यम से यह संदेश सामने आया कि गांव का वास्तविक विकास तभी संभव है, जब पंचायत की कार्ययोजना स्थानीय जरूरतों पर आधारित हो और ग्रामीण स्वयं विकास की प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी निभाएं।

संपादकीय

सीजेआई का इंकार

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और राज्यसभा में कांग्रेस के नेता मल्लिकार्जुन खड्गे ने सोमवार शाम 4 से 5 बजे के बीच चीफ जस्टिस से मिलने के लिए समय की मांग की थी। दोनों नेताओं का कहना था कि वे सीजेआई से मिलकर विपक्ष की आवाज उठाएंगे और उन्हें एक ज्ञापन सौंपेंगे, जिसके जरिए ‘वोट चोरी’ को खत्म करने की मांग की जाएगी। इसके साथ ही मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और मतदाता सूची के शुद्धिकरण के लिए कराए जा रहे एसआईआर की प्रक्रिया को रोकने की भी मांग उठीगी। राहुल-खड्गे ने ज्ञापन में पेपर बैलट से चुनाव कराने की मांग उठाने की बात भी कही थी। राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड्गे की ओर से मिलने की मांग को चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने सोमवार सुबह ही टुकरा दिया। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के 33वें स्थापना दिवस को कार्यक्रम के बाद उन्होंने पत्रकारों से मुखातिब होते हुए कहा कि जिस तरह के मुद्दों पर विपक्षी प्रतिनिधिमंडल उनसे मिलना चाहता है, वह न्यायिक प्रक्रिया से गुजर रहे हैं और कई मामले सुप्रीम कोर्ट में ही विचाराधीन हैं। उन्होंने कहा, एक पत्र मिला था, जिसमें मेरे साथ बैठक की भी मांग की गई थी। मैंने रविवार को ही इसका जवाब दे दिया और बताया कि मैं क्यों मिलने में असमर्थ रहूंगा। लोकसभा और राज्यसभा में विपक्ष के दो सबसे बड़े नेताओं से मिलने से इनकार करने के चीफ जस्टिस के फैसले पर कई हलकों में सवाल पूछे जा रहे हैं।

हालांकि, मुख्य न्यायाधीश के लिए यह घटनाक्रम कोई पहली बार नहीं हुआ है। पहले भी न्यायपालिका के प्रमुख ने इस तरह के प्रस्तावों और मांगों को नकारा है। प्रोटोकॉल के तहत सीजेआई न सिर्फ विपक्ष, बल्कि सरकार के नुमाइंदों से भी अनधिकारिक तौर पर मिलने से इनकार कर सकते हैं। इसके लिए बकायदा सुप्रीम कोर्ट की ओर से प्रोटोकॉल तय हैं। संविधान के अनुच्छेद 50 में शक्तियों के विभाजन यानी सेपरेशन ऑफ पावर का प्रावधान है। सुप्रीम कोर्ट के 13 जजों की बेंच ने केशवानंद भारती के 1973 के फैसले में इसे मान्यता दी थी। यूपीए सरकार में कानून मंत्री वीरप्पा मोइली ने ‘द ज्यूडिशियल स्टैंडर्ड्स एंड अकाउंटैबिलटी बिल’ 2010 में पेश किया था, लेकिन संसद में वह पारित नहीं हो सका। उस विधेयक में सुप्रीम कोर्ट के फुल कोर्ट के 1997 के संकल्पों का जिक्र था, जिसके अनुसार जजों को हर संभव तरीके से सियासत से दूर रहना चाहिए। यही प्रोटोकॉल एक चीफ जस्टिस और अन्य जजों को सियासी शख्सियतों से गैर-आधिकारिक मुलाकात करने से रोकता है। यानी चीफ जस्टिस सिर्फ और सिर्फ न्यायपालिका से जुड़े मामलों या जहां संविधान के तहत उनकी भूमिका तय हो, सिर्फ उन्हीं जगहों और कार्यक्रमों में सियासी दलों के नेताओं से मिल सकते हैं। यह नियम सत्तापक्ष और विपक्ष दोनों के लिए समान रूप से लागू हैं। संविधान के अनुच्छेद 14 के अनुसार सभी नागरिक बराबर हैं और नेताओं को विशिष्ट अधिकार नहीं हैं। अगर किसी भी नेता के मौलिक अधिकार का हनन होता है तो वह सुप्रीम कोर्ट में अनुच्छेद 32 के तहत याचिका दायर कर सकते हैं। लेकिन न्यायिक व्यवस्था या चुनाव आयोग की व्यवस्था में सुधार के लिए उन्हें चीफ जस्टिस से मिलने की बजाय संसद में बहस करने कानून में बदलाव करने की जरूरत है। सुप्रीम कोर्ट में मौजूदा समय में चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति से जुड़े कानूनी की वैधता पर एक केस लंबित है। संसद से पारित हुए इस कानून के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका लंबित है। यूक्ति चुनाव आयुक्त की नियुक्ति करने वाली समिति में नेता विपक्ष भी शामिल है, इसलिए इस समिति में बदलाव की मांग वाली याचिका पर राहुल गांधी का सीजेआई से मिलना सुप्रीम कोर्ट के फैसले को प्रभावित करने का मुद्दा बन सकता है।

पर्यटन में चिकित्सा यात्रा का बढ़ता दायरा, भारत आर्थिक शक्ति बन सकता है

पी. एस वोहरा

भारत में पर्यटन की तस्वीर बदल रही है। अब हर तीसरी यात्रा चिकित्सा के कारण है। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के जुलाई 2025 से जून 2026 के घरेलू पर्यटन व्यय सर्वेक्षण के अनुसार, 29.6 प्रतिशत यात्राएं स्वास्थ्य एवं चिकित्सा से संबंधित रही हैं। हालांकि घरेलू यात्राओं में सबसे अधिक आंकड़ा (47.7 प्रतिशत) धार्मिक और तीर्थ यात्राओं का है। चिकित्सा के लिए होने वाली हर यात्रा एक बड़ा सवाल खड़ा करती है कि क्यों लोगों को उपचार के लिए यात्रा करनी पड़ रही है? हालांकि इसका आर्थिक महत्व भी लगातार बढ़ रहा है। वर्ष 2025 में भारतीयों ने देश के भीतर यात्रा और पर्यटन पर लगभग 17.7 लाख करोड़ रुपये खर्च किए, जो भारतीयों के कुल वार्षिक यात्रा एवं पर्यटन व्यय का करीब 86 प्रतिशत था। जाहिर है, भारत की पर्यटन अर्थव्यवस्था का सबसे बड़ा आधार स्वयं भारतीय हैं।

उपचार के लिए अपना शहर छोड़ कर दूसरे शहर जाना स्वास्थ्य सुविधाओं की पहुंच का सवाल है। इस सर्वे के अनुसार, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा यात्रा पर औसत खर्च ग्रामीण क्षेत्र में 29,454 रुपये और शहरी क्षेत्र में 41,649 रुपये रहा। ग्रामीण परिवारों के

स्वास्थ्य संबंधी यात्रा व्यय में लगभग 75 प्रतिशत हिस्सा उपचार और दवाइयों पर गया, जबकि सरकारी प्रतिपूर्ति केवल 8.2 प्रतिशत रही। यात्रा, ठहरने, भोजन और साथ जाने वाले परिवजनों की आय का नुकसान अलग है। यानी बीमारी की कीमत केवल अस्पताल में नहीं चुकाई जाती, अस्पताल तक पहुंचने की दूरी भी परिवार की आर्थिक कीमत बढ़ाती है। ग्रामीण भारत में यह समस्या और स्पष्ट है। रात्रि विश्राम वाली घरेलू यात्राओं में ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य एवं चिकित्सा यात्राओं की हिस्सेदारी 38.4 प्रतिशत है, जबकि शहरों में ये 16.5 प्रतिशत है। एक अन्य तथ्य यह भी है कि उत्तर प्रदेश, बिहार और पश्चिम बंगाल मिलकर स्वास्थ्य एवं चिकित्सा यात्राओं में 30 प्रतिशत से अधिक हिस्सा रखते हैं। विशाल आबादी इसका एक कारण तो है ही, लेकिन इन राज्यों के बड़े हिस्सों में उच्च स्तरिय और विशेषज्ञ चिकित्सा सुविधाओं का अभाव भी एक बड़ी वजह है। नतीजतन मरीजों को इलाज के लिए दूसरे शहरों और राज्यों का रुख करना पड़ता है। यह लंबे समय से चली आ रही स्वास्थ्य नियोजन की क्षेत्रीय चुनौती का एक संकेत है। दिल्ली इसका स्पष्ट उदाहरण है। दिल्ली में एम्स जैसे संस्थान में देश के अलग-अलग हिस्सों से मरीज पहुंचते हैं, क्योंकि उन्हें यहां उच्च

स्तरीय विशेषज्ञ चिकित्सा सुविधा मिलती है और सरकारी होने के कारण उसकी लागत बहुत कम है।

दूसरी ओर, भारत ने कुछ राज्यों में निजी चिकित्सा क्षेत्र के अंतर्गत कुछ ऐसे विश्वेज्ञता विकसित की है, जिससे वे चिकित्सा पर्यटन का महत्वपूर्ण केंद्र बन गए हैं। गुजरात इसका प्रमुख उदाहरण है। हृदय चिकित्सा, कैंसर उपचार, अस्थि एवं जोड़ चिकित्सा, घुटना प्रत्यारोपण, बाइपान उपचार और आईवीएफ जैसी सेवाओं के लिए देश के विभिन्न हिस्सों से मरीज यहां आते हैं। इससे वहां अस्पतालों के साथ जांच, दवा, होटल और परिवहन का आर्थिक तंत्र भी विकसित हुआ है, जिसका आर्थिक विकास में अच्छा योगदान है।

केरल ने आधुनिक चिकित्सा को आयुर्वेद, पुनर्वास तथा स्वास्थ्य और कल्याण सेवाओं के साथ जोड़कर स्वास्थ्य पर्यटन का अलग मॉडल विकसित किया है। चेन्नई, हैदराबाद, मुंबई और बंगलूरू भी जटिल चिकित्सा के बड़े केंद्र हैं। पिछले कुछ वर्षों में भारत की चिकित्सा क्षमता को अंतरराष्ट्रीय महत्व भी बढ़ा है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, 2024 में 6.44 लाख से अधिक विदेशी नागरिक चिकित्सा उद्देश्य से भारत आए।

दुनिया भारत को उपचार केंद्र के रूप में देखने लगी है। लेकिन यहीं विरोधाभास है। विदेशी मरीज इसलिए भारत आते हैं, क्योंकि यहां विशेषज्ञ उपचार उपलब्ध है, जबकि भारतीय नागरिक अपना शहर छोड़कर दूसरे शहर इसलिए जाते हैं, क्योंकि उसके क्षेत्र में वही सुविधा उपलब्ध नहीं है। भारतीय मरीज की मजबूरी वाली यात्रा स्वास्थ्य सुविधाओं के असमान वितरण का संकेत है, जिसे दूर किया जाना चाहिए। पर्यटन के ये आंकड़े स्वास्थ्य नीति में दर्ज होने चाहिए कि किस जिले से कितने मरीज इलाज के लिए बाहर जाते हैं और किन बीमारियों के लिए जाते हैं।

इससे स्वास्थ्य में वित्तीय निवेश की योजना को तय करना आसान होगा। भारत को चिकित्सा पर्यटन का वैश्विक केंद्र बनना चाहिए। इससे रोजगार, निवेश, विदेशी मुद्रा और सेवा क्षेत्र को लाभ मिलेगा। लेकिन स्वास्थ्य व्यवस्था को वास्तविक परीक्षा इस बात से होगी कि एक सामान्य नागरिक को अच्छे इलाज के लिए कितनी दूर जाना पड़ता है। बड़े चिकित्सा केंद्रों की विशेषज्ञता को छोटे शहरों और जिलों से जोड़ना होगा। चिकित्सा पर्यटन भारत की आर्थिक शक्ति बन सकता है, लेकिन इलाज की दूरी कम करना उसकी सामाजिक शक्ति की पहचान होगी।

लोकतंत्र में असहमति कमजोरी नहीं, जीवंतता का प्रमाण

आन्दोलन वही, जो सार्थक मुद्दा, दिशा एवं भरोसे से जुड़ा हो



ललित गर्ग
लोखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तंभकार हैं

लोकतंत्र में असहमति उसकी कमजोरी नहीं, बल्कि उसकी जीवंतता का प्रमाण है। सरकार से सवाल पूछना, नीतियों का विरोध करना और अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाना नागरिक स्वतंत्रता का अनिवार्य हिस्सा है। लेकिन लोकतंत्र की वास्तविक परीक्षा केवल इस बात से नहीं होती कि विरोध करने की कितनी स्वतंत्रता है,

बल्कि इससे भी होती है कि उस स्वतंत्रता का उपयोग किस उद्देश्य, किस भाषा और किस पद्धति से किया जा रहा है। किसी आंदोलन का मुद्दा कितना ही महत्वपूर्ण क्यों न हो, यदि उसका नेतृत्व दिशाहीन हो जाए, भाषा उतेजक बन जाए और पद्धति हिंसा अथवा अराजकता की ओर बढ़ने लगे, तो उसका नैतिक आधार कमजोर पड़ने लगता है। इसलिए आज देश के सामने प्रश्न केवल आंदोलनों का नहीं, बल्कि उनके चरित्र, विश्वसनीयता और राष्ट्रीय उत्तरदायित्व का भी है। दिल्ली में हाल के विरोध प्रदर्शनों और उन पर प्रशासन की सख्ती के बाद सर्वोच्च न्यायालय के हस्तक्षेप ने एक बार फिर लोकतंत्र की सीमाओं और संभावनाओं पर बहस छेड़ दी है। एक ओर शांतिपूर्ण विरोध नागरिकों का अधिकार है, तो दूसरी ओर सार्वजनिक व्यवस्था, नागरिक सुरक्षा और कानून का पालन सुनिश्चित करना शासन का दायित्व है। इन दोनों के बीच संतुलन ही संवैधानिक लोकतंत्र की पहचान है। न तो सरकार को कानून-व्यवस्था के नाम पर नागरिक स्वतंत्रताओं के अनावश्यक दमन की छूट दी जा सकती है और न ही आंदोलनकारियों को लोकतांत्रिक अधिकारों की आड़ में सार्वजनिक जीवन को बाधित करने का असीमित अधिकार प्राप्त है। संविधान अधिकार देता है, लेकिन उन अधिकारों के साथ उत्तरदायित्व भी जोड़ता है।

आज सबसे गंभीर प्रश्न यह है कि जनआंदोलनों की दिशा कौन तय कर रहा है? क्या आंदोलन वास्तव में जनसमस्याओं के समाधान के लिए खड़े हो रहे हैं, अथवा जनता के असंतोष को राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का साधन बनाया जा रहा है? यह प्रश्न किसी एक दल या संगठन तक सीमित नहीं है। सत्ता पक्ष हो या विपक्ष, सामाजिक संगठन हों या जनसमूह, सभी को अपने आचरण की कसौटी संविधान, नैतिकता और जनहित को बनाना चाहिए। लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। वह सरकार की नीतियों पर सवाल उठाता है, कमियों को सामने लाता है और जनहित के

मुद्दों को राजनीतिक विमर्श में स्थान देता है। लेकिन विपक्ष का दायित्व केवल विरोध करना नहीं, बल्कि वैकल्पिक दृष्टि प्रस्तुत करना भी है। यदि हर असहमति को सत्ता के विरुद्ध निर्णायक संघर्ष में बदलने का प्रयास किया जाए, हर प्रशासनिक निर्णय को राजनीतिक षड्यंत्र बताया जाए और प्रत्येक जनसमस्या को व्यापक अव्यवस्था का प्रतीक बना दिया जाए, तो वास्तविक मुद्दे शोर में खोने लगते हैं। इसी तरह सरकार भी यदि आलोचना को शत्रुता समझने लगे, तो लोकतांत्रिक संवाद की संभावनाएं संकुचित हो जाती हैं।

आंदोलन की साख उसके मूल उद्देश्य एवं भरोसे से बनती है। जिस मुद्दे को लेकर लोग एकत्र होते हैं, उसकी स्पष्टता, तथ्यात्मक प्रामाणिकता और समाधान की दिशा आंदोलन की विश्वसनीयता निर्धारित करती है। जब मूल प्रश्न पीछे छूट जाता है और राजनीतिक दलों की प्रतिस्पर्धा, व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाएं अथवा वैचारिक टकराव केंद्र में आ जाते हैं, तब आंदोलन की ऊर्जा बिखरने लगती है। जनसमर्थन जुटाना और जनविश्वास अर्जित करना दो अलग-अलग बातें हैं। भीड़ किसी क्षणिक आक्रोश का परिणाम हो सकती है, लेकिन जनविश्वास निरंतर नैतिक आचरण और रचनात्मक कार्यों से अर्जित होता है। भारत का लोकतांत्रिक इतिहास इस संदर्भ में अनेक महत्वपूर्ण उदाहरण प्रस्तुत करता है। वर्ष 1974 का छत्र आंदोलन और लोकनायक जयप्रकाश नारायण का नेतृत्व बताता है कि जनाक्रोश को रचनात्मक परिवर्तन की शक्ति में कैसे बदला जा सकता है। बिहार के छात्रों ने भ्रष्टाचार, मंहंगाई और शासन संबंधी समस्याओं के विरुद्ध आवाज उठाई थी। जयप्रकाश नारायण ने इस असंतोष को व्यापक सामाजिक और राजनीतिक सुधारों की दिशा देने का प्रयास किया।

आज के आंदोलनों को इस ऐतिहासिक अनुभव से सीखना चाहिए। किसी भी आंदोलन की सफलता केवल इस बात से नहीं मापी जानी चाहिए कि कितनी सड़कें बंद हुईं, कितने लोग एकत्र हुए या कितने दिनों तक विरोध चला। उसकी सफलता का वास्तविक



पैमाना यह होना चाहिए कि उसने किस समस्या का समाधान प्रस्तुत किया, जनजीवन में क्या सकारात्मक परिवर्तन लाया और समाज में संवैधानिक चेतना को कितना मजबूत किया। वर्तमान समय में इंटरनेट मीडिया ने जनमत निर्माण की प्रक्रिया को पूरी तरह बदल दिया है। अब कोई घटना कुछ ही मिनटों में व्यापक बहस का विषय बन सकती है। यह लोकतंत्र के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है, क्योंकि इससे आम नागरिकों को अपनी बात रखने और प्रशासन से जवाब मांगने का मंच मिला है। लेकिन यही माध्यम भ्रामक सूचनाओं, अंधेरे तथ्यों, भावनात्मक अभियानों और अपुष्ट आरोपों को भी तेजी से प्रसारित कर सकता है।

हैशटेग, वायरल वीडियो और ऑनलाइन समर्थन अपने आप में किसी आंदोलन की नैतिक प्रामाणिकता का प्रमाण नहीं हैं। किसी आरोप की गंभीरता का निर्धारण उसके प्रमाणों से होना चाहिए, उसकी लोकप्रियता से नहीं। यदि आंदोलनकारी तथ्यों की पुष्टि किए बिना आरोप लगाते हैं, तो वे अपने ही उद्देश्य को नुकसान पहुंचा सकते हैं। इसी प्रकार प्रशासन का दायित्व है कि वह आलोचनात्मक आवाजों को केवल इसलिए सँदिग्ध न माने कि वे सरकार के विरुद्ध हैं। पारदर्शिता, तथ्यपरक संवाद और निष्पक्ष जांच ही अविश्वास को दूर करने के प्रभावी उपाय हैं। आज युवाओं के पास डिजिटल तकनीक, नवाचार, उद्यमिता और सामाजिक सहभागिता के अनेक अवसर हैं। उनकी ऊर्जा केवल विरोध तक सीमित न रहे, बल्कि समाधान निर्माण में भी लगे। भ्रष्टाचार के विरुद्ध आंदोलन हो तो पारदर्शिता के व्यावहारिक उपाय सामने आएँ, चुनावी सुधारों की मांग हो तो प्रमाण आधारित

मुद्दाव प्रस्तुत किए जाएँ, प्रशासनिक अन्याय का प्रश्न हो तो कानूनी और संस्थागत रास्तों को मजबूत किया जाए। विरोध की सार्थकता तब बढ़ती है, जब वह किसी बेहतर व्यवस्था की कल्पना और निर्माण का आधार बनता है।

जनआंदोलनों के संदर्भ में विदेशी शक्तियों की भूमिका पर भी चर्चा होती रही है। यह स्वाभाविक है कि भारत जैसे विशाल लोकतंत्र में राष्ट्रीय हितों, बाहरी प्रभावों और सूचना के प्रवाह को लेकर सतर्कता बरती जाए। लेकिन इस विषय पर भी भावनाओं अथवा आशंकाओं के बजाय प्रमाणों के आधार पर बात होनी चाहिए। किसी आंदोलन में सरकार की आलोचना होने मात्र से उसे विदेशी षड्यंत्र का हिस्सा नहीं कहा जा सकता। उसी प्रकार यदि किसी गतिविधि में विदेशी वित्तपोषण, भ्रामक प्रचार अथवा अनुचित हस्तक्षेप के विश्वसनीय प्रमाण मिलते हैं, तो उनकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। राष्ट्रीय एकता और अखंडता की रक्षा केवल कठोर प्रशासनिक कार्रवाई से नहीं होती। वह नागरिकों के विश्वास, संस्थाओं की निष्पक्षता, न्याय की उपलब्धता और शासन की पारदर्शिता से मजबूत होती है। देश की आलोचना और देश के प्रति शत्रुता में अंतर समझना आवश्यक है। सरकार की किसी नीति का विरोध करना राष्ट्रविरोध नहीं है, जैसे राष्ट्रीय हित की चिंता करना किसी नागरिक को लोकतांत्रिक स्वतंत्रता को सीमित करने का औचित्य नहीं बन सकता।

अंततः लोकतंत्र की शक्ति न तो केवल सत्ता में निहित है और न ही केवल सड़क पर उतरने वाली भीड़ में। उसकी वास्तविक शक्ति नागरिक विवेक, संवैधानिक संस्थाओं की विश्वसनीयता और समाज की संवाद करने की क्षमता में है। किसी भी आंदोलन को स्वयं से तीन प्रश्न अवश्य पूछने चाहिए-क्या हमारा मुद्दा तथ्यपरक और जनहितकारी है? क्या हमारी पद्धति लोकतांत्रिक और अहिंसक है? क्या हमारे प्रयास से समस्या का समाधान निकलेगा या समाज में विभाजन और अविश्वास बढ़ेगा? केवल मुद्दा सही होना पर्याप्त नहीं है, उसके लिए सही नेतृत्व, सही भाषा, सही पद्धति और सही लक्ष्य भी आवश्यक हैं। आंदोलन का उद्देश्य केवल किसी व्यवस्था को चुनौती देना नहीं, बल्कि उससे बेहतर व्यवस्था के निर्माण में योगदान करना होना चाहिए। जो आंदोलन समाज को विवेक, अनुशासन, न्याय और रचनात्मकता की दिशा देता है, वही इतिहास में स्थायी स्थान प्राप्त करता है। भारत का भविष्य ऐसे ही लोकतांत्रिक चिंतन में सुरक्षित है, जहां असहमति को सम्मान मिले, सत्ता जवाबदेह रहे, विपक्ष रचनात्मक बने और राष्ट्रहित का अर्थ नागरिक स्वतंत्रता तथा संवैधानिक मर्यादा के समन्वय में खोजा जाए।

युद्ध की आंच: रियाद में हूती विद्रोहियों के लगातार हमले व्यापक

संघर्ष से अलग नहीं, राजनीतिक समाधान तलाशना होगा

ज्योति भास्कर

हूती विद्रोहियों के सऊदी अरब की राजधानी रियाद के किंग खालिद अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर लगातार हमलों से यह बिल्कुल स्पष्ट है कि पश्चिम एशिया का संघर्ष अब सिर्फ दो पक्षों के बीच लड़ाई तक सीमित नहीं रह गया है। दस अक्तूबर को जो हमला हुआ, वह पिछले एक दशक में सऊदी अरब पर हुआ सबसे बड़ा हमला था, जिसमें एक भारतीय समेत करीब 13 लोगों की मौत हुई। अगले ही दिन फिर हूती विद्रोहियों ने एयरपोर्ट के दूसरे टर्मिनल पर हमला किया, साथ ही धमकी दी कि अभी और हमले हो सकते हैं। गौरतलब है कि सऊदी अरब यमन की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार का समर्थन करता रहा है और हूती विद्रोहियों के खिलाफ सैन्य कार्रवाई में शामिल रहा है। इस पृष्ठभूमि में दोनों पक्षों के बीच शत्रुता नई नहीं है। लेकिन किसी संघर्ष का लंबे समय तक जारी रहना इस बात को जायज नहीं ठहरा सकता कि उसकी आग पड़ोसी देशों के नागरिक ठिकानों तक पहुंचा दी जाए।

यही वजह है कि भारत समेत विभिन्न देशों ने एक स्वर में ऐसे हमलों की निंदा की है। हूती विद्रोहियों के साथ राजनीतिक समाधान तक पहुंचना आसान नहीं होगा। वर्षों से जारी संघर्ष ने उन्हें सैन्य अनुभव और लड़ने की क्षमता दी है। ऐसे में केवल सैन्य

ताकत के बल पर उन्हें पूरी तरह परास्त करने की उम्मीद करना भी व्यावहारिक नहीं लगता। रही बात अमेरिकी सहायता की, तो राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस बारे में जल्द निर्णय लेने की बात कही है।

हालांकि, पिछले साल हूतियों के खिलाफ अमेरिकी अभियान के दौरान पहले ही महीने में करीब एक अरब डॉलर के हथियार और गोला-बारूद खर्च होने के बाद ट्रंप ने अभियान में जीत की घोषणा कर दी थी। ऐसे में स्वाभाविक है कि इस बार अमेरिका किसी नए सैन्य अभियान में उतरने से पहले उसके संभावित खर्च और परिणामों पर विचार करेगा। दरअसल, इस संकट को पश्चिम एशिया में जारी व्यापक संघर्ष से अलग करके नहीं देखा जा सकता। लिहाजा इस संकट का स्थायी समाधान व्यापक क्षेत्रीय तनाव को कम करने और ईरान-अमेरिका के बीच संघर्ष समाप्त करने की दिशा में प्रगति से ही संभव है।

पश्चिम एशिया पहले ही कई मोर्चों पर संघर्ष और अस्थिरता से जुझ रहा है। जाहिर है, नए सैन्य अभियान आग में घी डालने का ही काम कर सकते हैं। जरूरी है कि सऊदी अरब की सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ-साथ संघर्ष के मूल कारणों को दूर करने की कोशिश भी हो। क्षेत्र में स्थायी शांति के लिए कूटनीति और राजनीतिक समाधान का रास्ता तलाशना ही बेहतर होगा।

शारदीय नवरात्रि : माँ दुर्गा की आराधना से नारी शक्ति का जागरण

नौ दिन की साधना, आत्मबल और सशक्त समाज के निर्माण का संकल्प



श्रीमती सावित्री ठाकुर
लेखिका महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की केंद्रीय राज्य मंत्री हैं

भारतीय संस्कृति में शारदीय नवरात्रि शक्ति, श्रद्धा, साधना और आत्मशुद्धि का पावन पर्व है। माँ दुर्गा के नौ स्वरूपों की आराधना हमें जीवन में साहस, संयम, धैर्य, करुणा और आत्मविश्वास अपनाने की प्रेरणा देती है। ये नौ दिन केवल पूजा-अर्चना का अवसर नहीं, बल्कि स्वयं के भीतर की शक्ति को पहचानने और समाज के प्रति अपने दायित्व का संकल्प लेने का समय भी हैं। नवरात्रि का प्रत्येक दिन एक विशेष संदेश लेकर आता है। माँ शैलपुत्री दृढ़ संकल्प, माँ ब्रह्मचरिणी तपस्या और अनुशासन, माँ चंद्रघंटा साहस तथा माँ कूष्मांडा सृजनशीलता की प्रेरणा देती हैं। माँ स्कंदमता वात्सल्य, माँ कात्यायनी अन्याय के विरुद्ध संघर्ष, माँ कालरात्रि निर्भयता, माँ महागौरी पवित्रता और माँ सिद्धिदात्री साधना की

पूर्णता का संदेश देती हैं। व्रत, ध्यान, मंत्र-जप और सेवा के माध्यम से हम मन को एकाग्र कर सकते हैं तथा अपने जीवन में सकारात्मकता और अनुशासन ला सकते हैं। सच्ची साधना वही है, जो हमारे विचारों को शुद्ध करे, व्यवहार में संवेदनशीलता लाए और हमें दूसरों के कल्याण के लिए प्रेरित करे। भारतीय परंपरा में नारी को शक्ति का स्वरूप माना गया है। माँ दुर्गा का स्वरूप हमें याद दिलाता है कि नारी में ममता और करुणा के साथ साहस, नेतृत्व और संघर्ष की अद्भुत क्षमता भी विद्यमान है। आज महिलाएँ शिक्षा, विज्ञान, खेल, प्रशासन, उद्यमिता, कृषि और राजनीति सहित प्रत्येक क्षेत्र में अपनी प्रतिभा और सामर्थ्य का परिचय दे रही हैं। नारी शक्ति का वास्तविक सम्मान केवल देवी की पूजा तक सीमित नहीं होना चाहिए। यह हमारी जिम्मेदारी है कि प्रत्येक बेटी को शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और आगे बढ़ने के समान अवसर मिलें। महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने, उनके निर्णयों का सम्मान करने और भेदभाव से मुक्त वातावरण उपलब्ध कराने के प्रयास ही माँ की आराधना को वास्तविक अर्थ प्रदान करते हैं।

जब एक महिला शिक्षित और आत्मनिर्भर बनती है, तो उसका सकारात्मक प्रभाव पूरे परिवार

और समाज पर पड़ता है। इसलिए महिला सशक्तीकरण केवल महिलाओं के विकास का विषय नहीं, बल्कि राष्ट्र की प्रगति की आधारशिला है।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में नारी सम्मान से राष्ट्र निर्माण तक: महिला एवं बाल विकास की नई दृष्टि

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय का उद्देश्य महिलाओं और बच्चों के लिए सुरक्षित, स्वस्थ और अवसरों से परिपूर्ण वातावरण तैयार करना है। मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, पोषण, बालिकाओं की शिक्षा, महिलाओं की सुरक्षा और आर्थिक आत्मनिर्भरता जैसे विषय हमारे सामूहिक प्रयासों की प्राथमिकता हैं। महिला सशक्तीकरण को राष्ट्र के विकास का अभिन्न अंग बनाने के लिए आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा अनेक महत्वपूर्ण पहल की गई हैं। सरकार की सोच महिलाओं के विकास तक सीमित न रहकर उन्हें विकास का नेतृत्वकर्ता बनाने की है। इसी दिशा में 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम, 2023' ऐतिहासिक पहल है, जिसके माध्यम से लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए एक-तिहाई अर्थात् 33 प्रतिशत सीटों के



आरक्षण का संवैधानिक प्रावधान किया गया। यह पहल देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने और नियंत्रण-निर्माण में उनकी भूमिका सशक्त करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। केंद्र सरकार ने महिलाओं के सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक सशक्तीकरण के साथ उनकी सुरक्षा

सन्तपान कराने वाली महिलाओं को निर्धारित प्रावधानों के अंतर्गत आर्थिक सहायता उपलब्ध करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।
नवरात्रि पर लें नारी सम्मान और सेवा का संकल्प
शारदीय नवरात्रि हमें सिखाती है कि शक्ति का वास्तविक अर्थ केवल सामर्थ्य नहीं,

बल्कि उसका उपयोग सत्य, न्याय और लोककल्याण के लिए करना है। इस पावन अवसर पर हम सभी यह संकल्प लें कि बेटीयों के अभियान बालिकाओं के प्रति सकारात्मक सोच और उनकी शिक्षा को प्रोत्साहित करता है। मिशन शक्ति महिलाओं की सुरक्षा, सहायता और सशक्तीकरण को केन्द्रित है, जबकि मिशन सक्षम आंगनवाड़ी एवं संकल्प महिला सशक्तीकरण तथा बाल पोषण 2.0 मातृ एवं बाल पोषण को मजबूती प्रदान करता है। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना पात्र गर्भवती एवं महिलाओं को निर्धारित आत्मनिर्भरता की शक्ति मिले और प्रत्येक बेटी अपने सपनों को साकार कर सके। हम सब मिलकर एक ऐसे भारत के निर्माण में योगदान दें, जहाँ नारी का सम्मान हो, बच्चों का भविष्य सुरक्षित हो और समाज अवसर प्रत्येक व्यक्ति तक पहुँचें।

आप सभी को शारदीय नवरात्रि की हार्दिक शुभकामनाएं!
जय माता दी!

सऊदी पर खतरनाक भविष्यवाणी, 5 लेयर का कवच कैसे फोड़ रहे हूती, क्या रियाद में घुसेंगे अंसारुल्लाह?

रियाद

एक ऐसी जंग जहां आसमान से आ रहे 15 से 20 हजार डॉलर के के एक सस्ते प्लारिस्टिक और फाइबर क्लास ड्रोन को गिराने के लिए जमीन से 40 लाख डॉलर यानी करीब 33 करोड़ की मिसाइल दागनी पड़ती है। अगर वह मिसाइल चूक गई तो नुकसान अरबों डॉलर की रिफाइनरी का और अगर मिसाइल ड्रोन से टकरा गई तो भी आर्थिक चोट उसी पर पड़ती है जिसने मिसाइल दागी है। यह 21वीं सदी का सबसे बड़ा सैन्य विरोधाभास है। एक तरफ दुनिया का आठवां सबसे बड़ा सैन्य बजट वाला देश पश्चिमी तकनीक के सबसे घातक हथियार एफ15 ऐसे लड़कू विमान और पेट्रियट थॉट की मिसाइल शोटड से लैस है। दूसरी तरफ यमन की पथरीली गुफाओं में बैठा एक विद्रोही गुट जिसके पास ना कोई पारंपरिक वायु सेना है ना कोई एयरक्राफ्ट कैरियर है लेकिन उसके पास है 2000



किलोमीटर तक मार करने वाली बैलेस्टिक मिसाइलें। समुद्र में जहाजों का शिकार करने वाले ड्रोन और छापामार युद्ध की घातक रणनीति।

एक तरफ यमन के अंसारुल्लाह हूती लड़ाके सीधे रियाद के एयरपोर्ट्स और तेल प्रतिष्ठानों पर मिसाइलों की बमबारी कर रहे हैं। दूसरी तरफ वाशिंगटन से मदद मांगना सऊदी शहजादे के लिए अपने ही हाथों में बारूद का गोला थामने जैसा साबित हो रहा है। इंटरनेशनल थिंक टैंक ब्लीनसी इंस्ट्यूट के वरिष्ठ विश्लेषक त्रिता

प्रशासन सऊदी अरब की मदद तो तभी करेगा जब रियाद अपनी सीमाओं और एयर स्पेस का इस्तेमाल अमेरिकी वायुसेना को ईरान पर सीधे हमले करने के लिए देगा।

यही रियाद का सबसे बड़ा खौफनाक धर्म संकट भी है। क्योंकि अगर प्रिंस सलमान अमीरकी लड़कू विमानों को अपने एयर स्पेस का इस्तेमाल करने की इजाजत दे देंगे तो इसका सीधा मतलब होगा ईरान के साथ खोली जा लेना। तेहरान तुरंत अपनी बैलस्टिक मिसाइलों का रुख रिहाद और अरामको की रिफाइनरियों की तरफ मोड़ देगा। वहीं दूसरी तरफ यमन में हूतियों का रुख इस कदर आक्रामक हो चुका है कि वे अब तेहरान की भी नहीं सुनने वाले। अमेरिकी खुफिया एजेंसियों के मुताबिक कई मौकों पर ईरान की सलाह को भी नजरअंदाज करते हुए हूतियों ने अपने अभियानों को अंजाम दिया है। उनका एकमात्र लक्ष्य अब अपने ऊपर लगे सभी

तुम आतंकवादी हो...

अमेरिका में मोहम्मद यूनुस का विरोध; बांग्लादेशी प्रवासियों ने घेरा

वाशिंगटन	
	
बांग्लादेश की पूर्व अंतरिम सरकार के प्रमुख और नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस को न्यूयॉर्क के जॉन एफ. कैनेडी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर बांग्लादेशी प्रवासियों के कड़े विरोध का सामना करना पड़ा। सोमवार को जब वह हवाई अड्डे पहुंचे, तो प्रवासियों के एक समूह ने उन्हें घेर लिया और गंभीर आरोप लगाए। कुछ प्रदर्शनकारियों ने उन्हें आतंकवादी कहा और उन पर कुछ लोगों की जान लेने तथा लोकतंत्र को नुकसान पहुंचाने के आरोप लगाए। मुख्य सलाहकार पद से हटने के बाद यूनुस की यह पहली विदेश यात्रा है। इस बीच बांग्लादेश सरकार के सलाहकार जालिद उर रहमान ने स्पष्ट किया है कि ढाका इस मामले में विरोध करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करेगा। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो के अनुसार, यह घटना उस समय हुई जब यूनुस कतार एयरवेज की उड़ान से दोहा होकर टर्मिनल 8 पहुंचे। जब उन्हें व्हीलचेयर पर बाहर लाया	



जा रहा था, तब भीड़ ने वापस जाओ के नारे लगाए और तीखे सवाल किए। एक प्रदर्शनकारी ने चिल्लाते हुए कहा कि उन्होंने लोगों की हत्या की है और पूछ कि वह अमेरिका क्यों आए हैं। प्रदर्शनकारियों ने यूनुस पर हजारों पुलिसकर्मीयों की मौत का जिम्मेदार होने और करीब दो लाख लोगों की गिरफ्तारी कराने का भी आरोप लगाया। हंगामे को देखते हुए सुरक्षाकर्मियों ने तुरंत यूनुस और उनकी सहयोगी लामिया मोर्रेंद को वापस हवाई अड्डे के अंदर पहुंचाया। रिपोर्टों में प्रदर्शनकारियों को अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग का समर्थक बताया गया है, हालांकि यूनुस की ओर से इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। न्यूयॉर्क में दिखा यह

नेपाल में बाढ़ से फिर मची तबाही, 5 लोग लापता बाढ़ प्रभावित इलाकों में पहुंचा रेस्क्यू दल

काठमांडू। 13 अक्टूबर को नेपाल की सेना का बचाव दल सोमवार को उन गांवों में पहुंचा जहां एक दिन पहले अचानक बाढ़ आ गई थी। उन्होंने राहत सामग्री पहुंचाई और निवासियों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया। इस इलाके से कम से कम 5 लोग लापता हैं। हेलीकॉप्टर और सैनिकों ने उत्तर मध्य नेपाल में बूढ़ी गंडकी नदी के किनारे बसे समुदायों तक भोजन और अन्य राहत सामग्री पहुंचाई। सरकार ने कहा कि समय रहते चेतावनी मिलने के कारण बाढ़ आने से पहले ही ज्यादातर लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचा दिया गया था। गोरखा जिले के मुख्य सरकारी प्रशासक धर्मेन्द्र कुमार मिश्र ने बताया कि सोमवार को 200 से ज्यादा लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया था। मिश्र ने जानकारी देते हुए बताया कि सोमवार को तेज हवा के कारण दोपहर में हेलीकॉप्टर की उड़ाने रोक दी थीं, लेकिन मंगलवार को राहत सामग्री पहुंचाने का मिलसिला जारी रहेगा। नेपाल के राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण और प्रबंधन प्राधिकरण ने सोमवार को जानकारी देते हुए बताया था कि बचाए गए लोगों में 9 विदेशी लोग भी शामिल थे, जिन्हें पास के कस्बों में ले जाया गया। प्रभावित इलाके में ट्रेकिंग के लोकप्रिय रास्ते शामिल हैं और अक्टूबर पर्यटकों के लिए सबसे व्यस्त महीनों में से एक होता है। रिविार को आई बाढ़ भूस्खलन के कारण आई थी, जिसने चुमचुमे गांव के पास नदी का रास्ता रोक दिया था। बाढ़ के पानी ने पांच पुलों, तीन बिजली संयंत्रों के निर्माण स्थलों और दर्जनों घरों और खेतों को नुकसान पहुंचाया है।

ट्रंप के युद्धविराम की घोषणा के बाद से रूस ने छह ऊर्जा ठिकानों पर किए हमले: जेलेंस्की

कीव, (वार्ता)	
	
यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा दोनों देशों के बीच ऊर्जा क्षेत्र में संघर्ष-विराम पर सहमति की घोषणा के कुछ ही घंटों बाद रूस ने यूक्रेन के छह ऊर्जा केंद्रों पर हमला किया। बीबीसी की रिपोर्ट में मंगलवार को यह जानकारी दी गई रिपोर्ट के मुताबिक जेलेंस्की ने कहा कि रिविार को श्री ट्रंप के यह कहने के बावजूद कि युद्धविराम तुरंत लागू होगा, रूस ने हमारे गैस स्टेशनों, ऊर्जा अवसंरचना और अन्य सुविधाओं पर हमला किया है। यूक्रेन की सरकारी समाचार एजेंसी	



मुझे लगता है कि यह राष्ट्रपति ट्रंप को पुतिन का जवाब था। अमेरिका में मध्यावधि चुनावों से पहले वैश्विक संघर्षों के कारण ईंधन की कीमतें बढ़ गई हैं और शुक्रवार को श्री ट्रंप ने रूस से अमेरिका में डीजल आयात करने की योजना

हुए हैं।

उन्होंने फॉक्स न्यूज़ से कहा, हमने हमला नहीं किया जबकि रूस ने हमारे गैस स्टेशनों, ऊर्जा अवसंरचना और अन्य सुविधाओं पर हमला किया।

उन्होंने आगे कहा,

मुझे लगता है कि यह राष्ट्रपति ट्रंप को पुतिन का जवाब था। अमेरिका में मध्यावधि चुनावों से पहले वैश्विक संघर्षों के कारण ईंधन की कीमतें बढ़ गई हैं और शुक्रवार को श्री ट्रंप ने रूस से अमेरिका में डीजल आयात करने की योजना

की घोषणा की। श्री जेलेंस्की ने एक्स पर कहा कि ये हमले इस बात का सबूत हैं कि रूस ऊर्जा मामले में युद्धविराम मानने को तैयार नहीं है। सोमवार शाम को कीव के मेयर विटाली क्लिट्स्को ने टेलीग्राम पर पोस्ट किया कि डार्नित्स्की जिले में एक ड्रोन ने 25 मंजिला रिहायशी इमारत पर हमला किया। उन्होंने बताया कि इमारत के परिसर में खड़ी कई कारों में आग लग गई, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और 11 लोग घायल हो गए। कई महीनों से यूक्रेन और रूस एक-दूसरे के उर्जा अवसंरचना पर हमले कर रहे हैं, जिससे दोनों तरफ उर्जा आपूर्ति में रुकावट आ रही है।

दुर्गा पूजा के दौरान टीएमसी की रैली, कानून-त्यवस्था सख्ती से लागू होगी : शुभेंदु

कोलकाता, (वार्ता)	
	
पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने चेतावनी दी है कि दुर्गा पूजा के दौरान कानून का उल्लंघन करने वाली किसी भी सभा या रैली की अनुमति नहीं दी जाएगी। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाने की मांग को लेकर तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) समर्थित मार्च से पहले कोलकाता में राजनीतिक माहौल गरमा गया है। राजाबाजरा से पार्क सर्फस तक मंगलवार को होने वाले इस मार्च का आयोजन तृणमूल कांग्रेस के ममता बनर्जी गुट ने किया है। गुट द्वारा जारी एक प्रचार पत्रक के अनुसार, इस जुलूस में पूर्व मुख्यमंत्री ममता	

बनर्जी के शामिल होने की उम्मीद है। एलन पार्क में सोमवार देर रात दुर्गा पूजा समारोह के दौरान श्री अधिकारी ने कहा कि उनकी सरकार ल्योहारों के मौसम में किसी को भी कानून-व्यवस्था बिगाड़ने की इजाजत नहीं देगी। उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने कोलकाता पुलिस आयुक्त को अशांति फैलाने की किसी भी कोशिश के खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई करने का निर्देश दिया है।

श्री अधिकारी ने प्रस्तावित जुलूस का जिक्र करते हुए कहा, दुर्गा पूजा के दौरान किसी को भी अव्यवस्था फैलाने की इजाजत नहीं दी जाएगी। मैंने पुलिस आयुक्त को उचित कानूनी कार्रवाई करने का

निर्देश दिया है। उन्हें राजाबाजरा से एक कदम भी आगे नहीं बढ़ने दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने चेतावनी दी कि अगर कोई राजनीतिक कार्यक्रम अशांति पैदा करता है तो प्रशासन कार्रवाई करेगा। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि ल्योहारों के दौरान शांति बनाए रखने के लिए जरूरत पड़ने पर केंद्रीय बलों को तैनात किया जा सकता है।

आयोजकों पर तीखा राजनीतिक हमला करते हुए श्री अधिकारी ने आरोप लगाया कि हिंदू हितों के विरोधी गुट राज्य में अशांति फैलाने का

की कोशिश कर रहे हैं। अलगाववादी राजनीति से जुड़े नारों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि ऐसे तत्वों को हराया जाएगा। उन्होंने हिंदू संगठनों और कार्यकर्ताओं पर

हमलों के लिए कथित तौर पर जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की भी मांग की। यह प्रस्तावित जुलूस मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ विश्वास के उस बड़े अभियान के बीच हो रहा है, जिसमें उन पर मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) से जुड़ी चुनावी गड़बड़ियों के आरोप

लगाए गए हैं। विपक्षी दलों ने चुनाव आयोग पर इस प्रक्रिया के जरिए चुनावी हेरफेर में मदद करने का आरोप लगाया है; यह आरोप राजनीतिक टकराव का एक बड़ा मुद्दा बन गया है। इस मुद्दे को लेकर राष्ट्रीय राजधानी में विरोध-प्रदर्शन हो रहे हैं और विपक्षी नेता श्री कुमार के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भी इस मामले में दखल की मांग करते हुए उच्चतम न्यायालय का दरवाजा खटखटया है। उम्मीद है कि इस याचिका पर मंगलवार को सुनवाई होगी। ममता बनर्जी गुट की ओर से जारी प्रचार सामग्री में केंद्र पर लोकतांत्रिक आवाजों को दबाने का आरोप लगाया गया है। इसमें दिल्ली

में सुश्री बनर्जी को हिरासत में लेने और युवा प्रदर्शनकारियों के साथ कथित दुर्व्यवहार का भी जिक्र है और लोगों से ऐसी कार्रवाइयों के खिलाफ एकजुट होने की अपील की गई है।

रिपोर्ट के मुताबिक इस गुट ने अलग-अलग ज़िलों में अपने समर्थकों को इसी तरह के कार्यक्रमों की योजना के बारे में जानकारी दी है। कोलकाता में प्रस्तावित मार्च ने सत्ताधारी भाजपा और सुश्री बनर्जी के नेतृत्व वाले तृणमूल कांग्रेस को के बीच टकराव को एक नया मोड़ दे दिया है। जहाँ आयोजकों ने इस प्रदर्शन को लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा के लिए विरोध-प्रदर्शन के तौर पर पेश किया है।

फिल्म/टीवी मनोरंजन

बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे किशोर कुमार



कुमार ने अभिनय करना जारी रखा। जिन फिल्मों में वह बतौर कलाकार काम किया करते थे उन्हें उस फिल्म में गाने का भी मौका मिल जाया करता था। किशोर कुमार को आवाज सहलग से काफी हद तक मेल खाती थी। बतौर गायक सबसे पहले उन्हें वर्ष 1948 में बाम्बे टाकीज की फिल्म जिंदी में सहलग के अंदाज मे ही अभिनेता देवानंद के लिये ..मस्ते की दुआएं पूं मांगूं ..गाने का मौका मिला। किशोर कुमार ने वर्ष 1951 में बतौर मुख्य अभिनेता फिल्म आन्दोलन से अपने करियर की शुरुआत की लेकिन इस फिल्म से दर्शकों के बीच वह अपनी पहचान

नहीं बना सके। वर्ष 1953 मे प्रदर्शित फिल्म लड़की बतौर अभिनेता उनके कैरियर की पहली हिट फिल्म थी। इसके बाद अभिनेता के रूप में भी किशोर कुमार ने अपनी फिल्मों के जरिये दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया।

किशोर कुमार को अपने करियर में वह दौर भी देखना पड़ा जब उन्हें फिल्मों में काम ही नहीं मिलता था। तब वह स्टेज पर कार्यक्रम पेश करके अपना जीवन यापन करने को मजबूर थे। बंबई में आयोजित एक ऐसे ही एक स्टेज कार्यक्रम के दौरान संगीतकार ओ.पी.नैयर ने जब उनका गाना सुना तो उन्होंने भावविह्वल

होकर कहा ..महान प्रतिभाएं तो अक्सर जन्म लेती रहती हैं लेकिन किशोर कुमार जैसा पार्श्वगायक हजार वर्ष में केवल एक ही बार जन्म लेता है।.. उनके इस कथन का उनके साथ बैठे पार्श्वगायिका आशा भोंसले ने भी समर्थन किया। किशोर कुमार ने कई अभिनेताओं को अपनी आवाज दी लेकिन कुछ मौकों पर मोहम्मद रफी ने उनके लिये गीत गाये थे। इन गीतों में ..हमें कोई गम है तुम्हें कोई गम है मोहब्बत कर जरा नहीं डर ..चले हो कहां कर के जी बेकरार भागम भाग मन बाबरा निस दिल जाये रागिनी है दास्तां तेरी ये जिंदगी शरारतआदत हैं सबको सलाम करना और प्यार दीवाना शामिल है। दिलचस्प बात यह है कि मोहम्मद रफी, किशोर कुमार के लिये गीत गाने के वास्ते मछन एक रुपया पारिश्रमिक लिया करते थे। 1987 में किशोर कुमार ने निर्णय लिया कि वह फिल्मों से संन्यास लेने के बाद वापस अपने गांव खंडवा लौट जायेंगे। वह अक्सर कहा करते थे कि ..दूध जलेबी खायेंगे, खंडवा में बस जायेंगे ..लेकिन उनका यह सपना अधूरा ही रह गया। उन्हें 13 अक्टूबर 1987 को दिल का दौरा पड़ा और वह इस दुनिया को अलविदा कह गये।

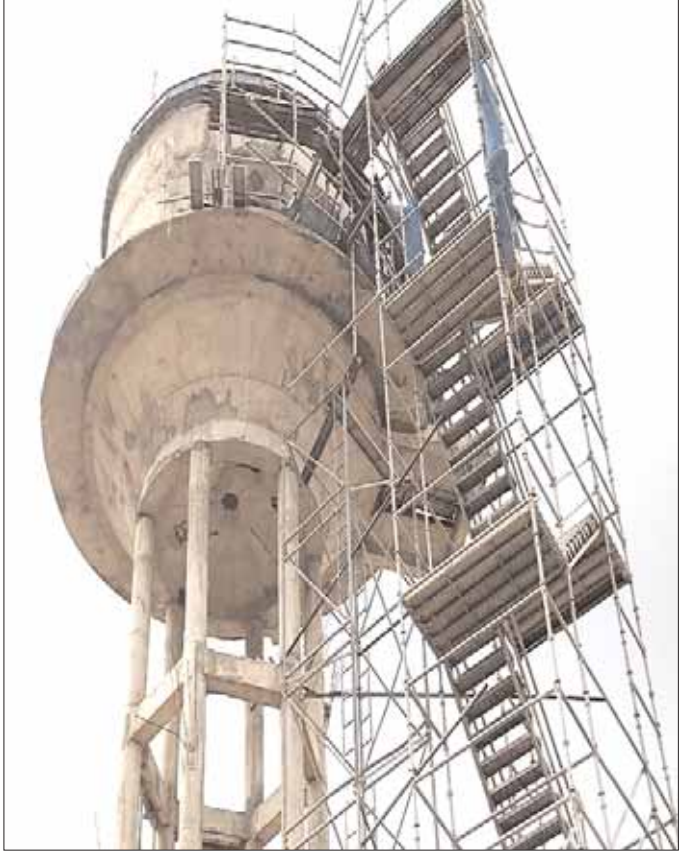
समुक में बनिता संधू की एंट्री!

बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार की आगामी फिल्म समुक में अभिनेत्री बनिता संधू की एंट्री की खबरें सामने आई हैं। बताया जा रहा है कि निर्देशक कनिक वर्मा की इस साईंस-फिक्शन एक्शन और सर्वाइवल थ्रिलर में बनिता एक ब्रिटेन में जन्मी भारतीय पर्यावरणविद् की भूमिका निभा सकती हैं। फिल्म से जुड़े सूर्यों के अनुसार, बनिता का किरदार एक ऐसे मिशन का हिस्सा बन जाता है, जिससे उसका कोई सीधा संबंध नहीं होना चाहिए था। हालांकि, निर्माताओं की ओर से अभी तक उनके किरदार को लेकर आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। विपुल अमृतलाल शाह के प्रोडक्शन हाउस सनशाइन पिक्चर्स के बैनर तले बन रही इस फिल्म के सह-निर्माता आशीष ए. शाह हैं। फिल्म की शूटिंग फिलहाल लंदन में चल रही है। समुक के जरिए अक्षय कुमार और विपुल अमृतलाल शाह करीब 13 साल बाद एक बार फिर साथ काम कर रहे हैं। बनिता संधू ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत फिल्म अक्टूबर से की थी। इसके बाद वह सरदार उधम और हालिया फिल्म में वापस आऊंगा में नजर आईं। वह अंतरराष्ट्रीय सीरीज ब्रिजर्टन में भी काम कर चुकी हैं। हिंदी सिनेमा के साथ अंतरराष्ट्रीय परियोजनाओं में काम करने का अनुभव रखने वाली बनिता की इस फिल्म में संभावित एंट्री से दर्शकों की उत्सुकता बढ़ गई है।

फिल्म में अक्षय कुमार और बनिता संधू के अलावा रुक्मिणी मैत्रा, विनीत कुमार सिंह, रजत कपूर और स्वानंद किरकिरे के भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आने की खबरें हैं। हालांकि, कलाकारों के किरदारों और कहानी से जुड़े विवरणों को फिलहाल गोपनीय रखा गया है। फिल्म को कहानी और किरदारों को लेकर बना सर्वेस्प दर्शकों की दिलचस्पी बढ़ा रहा है। अब फिल्म की आधिकारिक घोषणा और इससे जुड़ी अन्य जानकारियों का इंतजार है।



बल्कि सही के पक्ष में युद्ध किया। फिल्म में जटायु के किरदार को अनुपम खेर अपनी आवाज देंगे। रामायण में जटायु उस साहसी पक्षीराज के रूप में याद किए जाते हैं, जिन्होंने रावण द्वारा माता सीता का हरण किए जाने के दौरान उन्हें बचाने का प्रयास किया था। रावण की अपार शक्ति के बावजूद उससे मुकाबला करने वाले जटायु का संघर्ष त्याग, निष्ठा और धर्म के प्रति अटूट समर्पण का प्रतीक है। फिल्म में अनुपम खेर की आवाज के जरिए इस पृजनीय पात्र के साहस और वीरता को प्रभावशाली रूप में प्रस्तुत करने की तैयारी है। फिल्म में रणबीर कपूर भगवान राम, साईं पल्लवी माता सीता, यश रावण, सनी देओल हनुमान और रवि दूधे लक्ष्मण की भूमिका में नजर आएंगे। नितेश तिवारी के निर्देशन में बनी इस फिल्म का निर्माण नमित मल्होत्रा के प्राइम फोकस स्टूडियोज ने आठ बार ऑस्कर जीत चुके डीएनईजी और यश की मॉन्स्टर माईड क्रिएशन्स के सहयोग से किया है।



28 लाख का रुका भुगतान : सूख रहे तीन गांव की जनता के कंठ

दो विभागों की आपसी सामंजस ना हो अपने से एक साल से भी अधिक लंबे समय से नहीं पहुंच सका गांव में पानी

धनौरा स्वतंत्रमत। मध्य प्रदेश सरकार गांव-गांव में पेयजल की समस्या को लेकर स्थाई निराकरण करने के लिए करोड़ों रुपए की जल प्रदाय योजना चला रही है लेकिन शासन द्वारा करोड़ों रुपए खर्च कर कर भी अधिकारियों की लापरवाही से गांव-गांव पानी पहुंचाना मुमकिन नहीं हो पा रहा है।

केवलारी विधानसभा के अंतर्गत आने वाले धनौरा जनपद की लगभग 20 से अधिक पंचायत में सकरी मोर्चा जलप्रदाय योजना का काम पिछले 5 वर्ष से चल रहा है काम पूर्ण या ट्राइल होने के बाद घर-घर जल पहुंचने की शासन की मनसा में अब दो विभाग के वरिष्ठ अधिकारी के चलते जमीनी स्तर में नाकाम होती नजर आ रही है प्राप्त जानकारी के अनुसार धनोरा से बालपुर मार्ग का काम बीते एक वर्ष पूर्व में शुरू



हुआ था निर्माण कार्य शुरू होते ही लोक निर्माण विभाग के संबंधित अधिकारियों के द्वारा जल निगम के अधिकारियों को पत्राचार करके या अवगत कराया गया था कि धनौरा से लेकर घोघरी माल रोड के नजदीक लोक निर्माण विभाग की भूमि दर्ज है जिस पर जल निगम का कार्य ठेकेदार

मनीष पाइपलाइन के द्वारा किया गया है जो कि पाइपलाइन को स्थान से अन्यत्र किया जाए अन्यत्र न करने पर टूट एवं नुकसान हो सकता है जिस जानकारी को जल निगम के अधिकारी द्वारा समय पर संज्ञान ना लेने पर लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों के द्वारा सड़क के निर्माण कार्य करने पर पाइपलाइन क्षतिग्रस्त हो गई और लगभग तीन गांव में जाने वाले पेयजल की आपूर्ति पिछले एक वर्ष से बाधित है।

28 लख रुपए के पाइपलाइन टूट-फूट की बिल भुगतान को लेकर लोक निर्माण विभाग एवं जल निगम के अधिकारियों का नहीं हो सका सामंजस प्राप्त जानकारी के अनुसार लोक निर्माण विभाग के द्वारा पेयजल आपूर्ति के लिए डाली गई पाइपलाइन को रोड निर्माण कार्य के दौरान क्षतिग्रस्त कर दिया गया है जिसका लगभग 28 लाख

रुपए का भुगतान बाकी है भुगतान को लेकर लोक निर्माण विभाग एवं जल निगम के अधिकारियों के बीच लंबे समय से सामंजस की स्थिति नहीं बन पाने के कारण तीन गांव की जनता को बीते 1 वर्ष से पेयजल नहीं मिल पा रहा है जिसको लेकर अभी तक जल निगम के अधिकारियों की जिम्मेदारी तय नहीं की जा सकी है।

जल निगम के नवनियुक्त एसडीओ शुभम पुरोहित से बात करते हुए बताया कि भोपाल से एमडी सर के द्वारा एस्टीमेट बनाकर अपने मद से भुगतान करने का बोला गया जल्द ही निराकरण हो जाएगा।

जिला पंचायत सीईओ अंजलि शाह के द्वारा के बताया गया कि प्रपोजल हो गया है चल रहा है सेक्शन होने वाला अब पता नहीं और कितना टाइम लगेगा।

त्यौहारों के दृष्टिगत सिवनी पुलिस ने निकाला पैदल फ्लैग मार्च, सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा

सिवनी। स्वतंत्र मत। आगामी त्यौहारों के मद्देनजर जिले में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने तथा आमजन में सुरक्षा की भावना जागृत करने हेतु पुलिस अधीक्षक सिवनी श्री कृष्ण लालचंदानी के निर्देशन में दिनांक 12/10/2026 को रात्रि में सिवनी पुलिस द्वारा पैदल फ्लैग मार्च निकाला गया। यह फ्लैग मार्च अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री दीपक मिश्रा के नेतृत्व में 70 से अधिक पुलिस बल (डीजी रिजर्व बल, पुलिस लाइन एवं थाना कोतवाली बल) के साथ निकाला गया। फ्लैग मार्च पुलिस कंट्रोल रूम सिवनी से प्रारंभ होकर अम्बेडकर चौक, गांधी भवन, गणेश चौक, शुक्रवारी होते हुए नेहरू रोड कोतवाली में समाप्त हुआ। इस



दौरान पुलिस बल द्वारा प्रमुख बाजारों, भीड़-भाड़ वाले क्षेत्रों एवं संवेदनशील स्थानों में भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया तथा आमजन से संवाद स्थापित किया गया। इस अवसर पर सीएसपी सिवनी श्री चंचलेश मरकाम, प्रशिक्षु डीएसपी श्री सचिन मोहनिया, यातायात प्रभारी श्री विजय बघेल, थाना प्रभारी कोतवाली

श्री सतीश तिवारी, कंट्रोल रूम प्रभारी श्री ओमेश्वर ठाकरे आरआई श्री जितेंद्र रावतकर सहित कोतवाली एवं पुलिस लाइन का स्टाफ उपस्थित रहा। पुलिस अधीक्षक सिवनी द्वारा आम नागरिकों से अपील की गई है कि त्यौहारों के दौरान शांति एवं सौहार्द बनाए रखें तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें।

जनसुनवाई में गूंजा जर्जर आंगनवाड़ी भवन का मामला

बालाघाट। मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में एक बार फिर विकृत समस्याओं का पिटारा खुला। जहां आवेदकों की समस्याएँ सुनीं गई और संबंधित विभागों के अधिकारियों को उनके निराकरण के निर्देश भी दिये गये। जनसुनवाई में लांजी जनपद के अंतर्गत ग्राम पंचायत खुर्सीटोला के ग्रामीण ग्राम बोदलझोला एवं बोदलदलखा आंगनवाड़ी भवन के नवीनीकरण का मांग लेकर आये थे। उनका कहना था की खुर्सीटोला एक आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र है, जहां आंगनवाड़ी केंद्र संचालित है जो वर्तमान में क्षतिग्रस्त हो चुका है, जिसके सुधार कार्य की आवश्यकता है। अतः शीघ्र आंगनवाड़ी केंद्र भवन का सुधार कार्य कराया जाए। इस प्रकरण में जिला कार्यक्रम



अधिकारी महिला एवं बाल विकास को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं बालाघाट तहसील अंतर्गत ग्राम पंचेरा निवासी रूपलाल उड्के सितंबर 2026 में आए 11,440 रुपये के बिजली बिल की शिकायत लेकर आए थे। उनका कहना था कि उनके घरेलू बिजली बिल की राशि सामान्यतः

95 से 100 रुपये प्रतिमाह आती है। किंतु माह सितंबर में अचानक 11440 का बिल आ गया, जिसका अनुमत ग्राम पंचेरा निवासी रूपलाल उड्के सितंबर 2026 में आए 11,440 रुपये के बिजली बिल की शिकायत लेकर आए थे। उनका कहना था कि उनके घरेलू बिजली बिल की राशि सामान्यतः

अथवा अधिक राशि का बिल जारी करने का लिखित कारण दिलाने की मांग की है। इस प्रकरण में एमपीईबी के अधीक्षण यंत्री को आवश्यक कार्यवाही करने कहा गया है। ग्राम पंचायत भरवेली के वार्ड क्रमांक 17 के निवासी हरिराम गराडे जल निकासी की समस्या दूर करने के लिए प्रस्तावित नाली निर्माण की तकनीकी स्वीकृति दो माह से लंबित रहने की शिकायत लेकर आए थे। उनका कहना था कि ग्राम पंचायत ने 15वें वित्त आयोग की राशि से लक्ष्मण सहारे के घर से अर्जु नगपुरे के घर तक नाली निर्माण का प्राकलन जनपद पंचायत बालाघाट को भेजा है। लेकिन जनपद पंचायत द्वारा अब तक तकनीकी स्वीकृति प्रदान नहीं की गई है। अतः नाली निर्माण की

तकनीकी स्वीकृति शीघ्र जारी कराई जाए। इस प्रकरण में जनपद सीईओ बालाघाट को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए हैं। बंधोराज की निवासी सरला डहरवाल नगरपालिका द्वारा बैंक खाते पर लगवाए गए होल्ड को हटाने और पीएम आवास योजना की अंतिम किश्त दिलाए जाने की मांग लेकर आयी थी। सरला का कहना था कि मकान निर्माण पूरा कर फोटोग्राफ सहित जानकारी देने के बावजूद 50 हजार रुपये की अंतिम किश्त का भुगतान नहीं हुआ है। अतः शीघ्र बैंक खाते का होल्ड हटाया जाए और लंबित किश्त का भुगतान किया जाए। इस प्रकरण में सीएमओ वारासिवनी को आवश्यक कार्यवाही करने कहा गया है।

शराब के नशे में पति ने की पत्नी की हत्या

बालाघाट। जिले के थाना रूपझर अंतर्गत ग्राम बोडकी में उस समय हड़कंप मच गया, जब एक 50 वर्षीय महिला का शव उसी के घर की छपरी में बिछी खटिया में रक्त रंजीत अवस्था में मिला। जिसकी सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आवश्यक कार्यवाही के बाद शव बरामद किया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। ज्ञानकारी के अनुसार मृतक शांतिबाई पति सोनसिंह भलावी उम्र 50 वर्ष अपने घर में खाट पर सोई हुई थी, जिसकी अज्ञात व्यक्ति द्वारा हत्या की सूचना मिली थी। लेकिन जब पुलिस मौके पर पहुंची और पूछताछ की तो खुलासा हुआ कि मृतिका के पति सोनसिंह ने ही उसकी हत्या की है। जहां जानकारी मिली कि दोनों पति-पत्नी के बीच



शराब का सेवन करने के बाद अक्सर विवाद होता रहता है। परिवार के इनके दो बेटे हैं, जिनमें एक दुष्कर्म के आरोप में जेल में है तो दूसरा मजदूरी करने बाहर गया है। बीती रात भी दंपति के बीच आपस में शराब पीने के बाद विवाद हुआ था, जहां नशे में धूत होकर पति सोनसिंह ने पत्नी पर कुल्हाड़ी से पिछले हिस्से से हमला कर दिया और उसे खाट की लकड़ी पर पटक-पटककर मौत के

घाट उतार दिया। जहां मृतिका के सिर, चेहरे और शरीर में अन्य जगहो पर गंभीर चोट के निशान मिले हैं। पुलिस ने एफएसएल टीम की मदद से घटना स्थल का निरीक्षण किया है और आवश्यक साक्ष्य एकत्रित किये हैं। फिलहाल पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले को संक्षिप्त जांच विवेचना में लिया है। वहीं आरोपी पति फरार है, जिसकी पुलिस तलाश कर रही है।

बैहर, बिरसा और परसवाडा ब्लॉक में विशेषज्ञ चिकित्सकों का टोटा



नर्सिंग आफिसर और पैरामेडिकल स्टाफ की कमी से भी जूझ रहा स्वास्थ्य विभाग

बालाघाट। जिले में स्वास्थ्य सेवाओं को संजीवनी देने के लिये राज्य सरकार ने बांडेड 67 मेडिकल आफिसरों की सुविधा दी है, जो जिले के विभिन्न इलाकों में तैनात होकर सेवायें दे रहे हैं। इससे जिले की स्वास्थ्य सुविधाओं को गति अवश्य मिलेगी, लेकिन अब भी जिले में चिकित्सकों व मेडिकल स्टाफ के पद खाली हैं, जिसे पूर्ति किये जाने की महती आवश्यकता महसूस हो रही है। ब्लॉक स्तर पर अभी भी मैदानी अमले की कमी देखने मिल रही है। जिसका एक बड़ा खामयाजा हाल ही कुछ महिनो

में देखने मिला था। वर्तमान स्थिति में अब भी जिले के स्वास्थ्य विभाग में कई पद खाली हैं। बालाघाट जिले के बैगा बाहुल बैहर विकासखंड में विशेषज्ञ डाक्टरों के पांच पद स्वीकृत पद है, जिसमें सभी पद खाली हैं। मेडिकल आफिसर के 11 पद स्वीकृत है, जिनमें अब 09 पद भरे गये हैं, वहीं अभी भी 02 पद खाली हैं। नर्सिंग आफिसर के 19 पद स्वीकृत है, जिनमें 18 भरे है और 01 पद रिक्त है। पैरामेडिकल स्टाफ के 26 पद स्वीकृत है, जिनमें 07 भरे है और 19 खाली हैं। इसी तरह बैगा बाहुल बिरसा विकासखंड में भी विशेषज्ञ डाक्टर के तीन पद स्वीकृत है, लेकिन सभी पद रिक्त पड़े हैं। मेडिकल आफिसर के 9 पद स्वीकृत है, जिनमें अब 07 पद भरे गये है और दो पद अब भी खाली

है। नर्सिंग आफिसर के 11 पद स्वीकृत, जिसमें 9 भरे गये है, लेकिन दो पद रिक्त है। पैरामेडिकल स्टाफ के 19 पद है, जिनमें सात भरे और 12 खाली हैं। इसके अलावा परसवाडा में भी विशेषज्ञ डाक्टर के तीन पद स्वीकृत है, जो सभी खाली पड़े हैं। मेडिकल आफिसर के 9 पद स्वीकृत है, जिनमें दो पद रिक्त है और सात भरे जा चुके हैं। नर्सिंग आफिसर के 17 पद स्वीकृत है, जिनमें 16 भरे गये है, 01 पद खाली है। पैरामेडिकल स्टाफ के 19 पद हैं जिनमें तीन भरे हुए और 16 पद खाली हैं। स्वास्थ्य विभाग की ऐसी व्यवस्था के बीच अब भी विडंबना की बात यह है कि मौजूदा समय में जिले के प्रभावित उक्त तीनों ब्लॉक में विशेषज्ञ चिकित्सक के सभी 11 पद रिक्त हैं। मेडिकल आफिसर के 29 में से 06 पद खाली हैं। नर्सिंग आफिसर के 47 में 04 पद खाली हैं और पैरामेडिकल आफिसर के 64 में से 47 पद खाली हैं। ऐसे में समझा जा सकता है कि बालाघाट जिले को स्वास्थ्य विभाग में कर्मचारियों की कितनी आवश्यकता है। फिलहाल जिला प्रशासन ने शासन को उक्त रिक्तपदों की पूर्ति के लिये पत्र भेजा है, लेकिन शासन स्तर पर एक्शन देखने नहीं मिल रहा है।



सिवनी। स्वतंत्र मत। जिले के बरघाट तहसील अंतर्गत आष्टा गांव में 13 सदी में पत्थरों से निर्मित मां काली मंदिर आष्टा लाखों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र माना जाता है।

13 वी सदी में विदर्भ के देवगिरि

यादव राजाओ के मंत्री हिमाद्री के द्वारा यह मंदिर बनवाया गया है, यहां पर 8 मंदिर बनवाए गए, इसलिए इस गांव का नाम आष्टा

पड़ गया, इस प्राचीन मंदिर में मां काली मंदिर के सामने भगवान भोलेनाथ का मंदिर है। मान्यता है कि जो भी भक्त सच्ची श्रद्धा से मातारानी के दरबार में हाजरी लगाता है उसकी मनोकामना पूर्ण होती है। मातारानी का दरबार 796 मनोकामना ज्योति कलश से जगमगा रहा है, रविवार को मां काली का सोने, चांदी के विशेष आभूषणों से श्रृंगार किया गया है एवं मंदिर को फूलों की साज-सज्जा से आकर्षक सजावट की

सिवनी जिले के आष्टा स्थित प्राचीन मां काली मंदिर आस्था के बड़े केन्द्रों में शामिल है। रविवार से नवरात्र प्रारंभ होते ही अल सुबह से मां काली मंदिर आष्टा में श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या पर भीड़ उमड़ी पड़ी। देश, प्रदेश से श्रद्धालु लाखों की संख्या में मां काली के दरबार में दर्शन पूजन के लिए पहुंचते है,



शक्ति की भक्ति में इ्बा क्षेत्र

शक्ति की भक्ति का महापर्व नवरात्र प्रारंभ होते ही श्रद्धालु दर्शन पूजन के लिए मंदिर पहुंच रहे है, रविवार को मां काली मंदिर आष्टा में हजारों श्रद्धालुओं ने मां काली के दर्शन पूजन किए, अल सुबह से ही मंदिर में भक्तों की

भीड़ उमड़ पड़ी, श्रद्धालु हाथों में आरती थाल सजाकर मातारानी को चुनरी, नारियल,फल, मेवा मिष्ठान एवं फल प्रसाद भेंट कर पूजा आराधना किए, नवरात्र पर्व को लेकर क्षेत्र में मातारानी के भक्तों में खासा उत्साह है। श्रद्धालु सुबह शाम आरती पूजन कर मां काली की आराधना कर रहे हैं।

फूलों से सजा मंदिर

आष्टा स्थित प्राचीन मंदिर मां काली के दरबार में सिवनी जिले

समेत अन्य जिले व देश, प्रदेश से लाखों श्रद्धालु आते है, यहां कि मान्यता है कि जो भी श्रद्धालु सच्ची श्रद्धा से हाजरी लगाता है उसकी मनोकामना पूर्ण हो जाती है, मंदिर को फूलों से आकर्षक सजावट दी गई है। नवरात्र प्रारंभ होते ही मंदिर में दर्शन पूजन के लिए भक्तों की भीड़ उमड़ रही है यहां नौ दिनों तक जस भजन संगीत के आयोजन होते है, आष्टा मंदिर श्रद्धालुओं के लिए आस्था का बड़ा केंद्र है।

स्वदेशी अपनाएं, उद्यमिता बढ़ाएँ और रोजगार सृजन में भागीदार बनें युवा

तिलक महाविद्यालय में स्वदेशी सप्ताह एवं स्वावलंबी भारत अभियान के अंतर्गत उद्यमिता सम्मेलन संपन्न

कटनी (स्वतंत्रमत)।

स्वदेशी सप्ताह एवं स्वावलंबी भारत अभियान के अंतर्गत तिलक महाविद्यालय, कटनी में उद्यमिता सम्मेलन का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में लगभग 200 विद्यार्थियों की सहभागिता रही। इसका उद्देश्य युवाओं में उद्यमशीलता, स्वावलंबन एवं रोजगार सृजन के प्रति जागरूकता विकसित करना रहा।

कार्यक्रम में आदरणीय माधुरी गर्ग, वी.के. द्विवेदी, डॉ. जयप्रकाश अवस्थी, अजय पुरोहित, अंकिता गोस्वामी एवं पुनर्वसु भट्टाचार्य की विशेष उपस्थिति एवं सहयोग रहा।



माधुरी गर्ग ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया, वहीं डॉ. जयप्रकाश अवस्थी जी ने विद्यार्थियों को करियर गाइडेंस प्रदान करते हुए भविष्य के अवसरों के प्रति जागरूक किया। मुख्य वक्ता वंदना गेलानी प्रांत से महिला कार्य प्रमुख ने अपने उद्बोधन में कहा कि स्वदेशी केवल खरीदने का विचार नहीं, बल्कि अपने देश की उत्पादन क्षमता को बढ़ाने का संकल्प भी है। उन्होंने युवाओं से

अपनी प्रतिभा एवं कौशल को पहचानने, आधुनिक तकनीक का सदुपयोग करने और नौकरी पाने के साथ-साथ रोजगार के अवसर सृजित करने की सोच विकसित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि स्थानीय उत्पादों एवं छोटे व्यवसायों को प्रोत्साहन देकर युवा देश की आर्थिक आत्मनिर्भरता में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। कार्यक्रम में अपने माता-पिता के व्यवसाय एवं उद्यम में सहयोग

करने वाले सात विद्यार्थियों-ऋगेंद्र चौधरी, प्राची ठाकुर, साधना पटेल, साहिल रजक, अंजलि जायसवाल, हेमलता रजक एवं साहिल विश्वकर्मा को सम्मानित किया गया।

यह सम्मान विद्यार्थियों में श्रम के प्रति सम्मान, पारिवारिक जिम्मेदारी और उद्यमशीलता की भावना को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक सराहनीय पहल रही। इस अवसर पर श्रीयश मनवानी को

युवा उद्यमिता के प्रेरणास्रोत एवं रोल मॉडल के रूप में प्रस्तुत किया गया। उन्होंने कम उम्र में अपना उद्यम स्थापित कर सीमित संसाधनों के साथ परिश्रम, रचनात्मकता और लगन से अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है।

उनकी उद्यमशील यात्रा ने विद्यार्थियों को अपने कौशल और विचारों के बल पर आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम का कुशल संचालन युवा प्रमुख अंकित शुक्ला जी ने किया तथा अंत में उन्होंने आभार व्यक्त करते हुए स्वदेशी, उद्यमिता एवं स्वावलंबन के संकल्प को आगे बढ़ाने का संदेश दिया।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान करने के लिए तिलक महाविद्यालय की प्रबंधन समिति, प्राचार्य, समस्त प्राध्यापकगण एवं महाविद्यालय परिवार के प्रति हार्दिक आभार एवं धन्यवाद व्यक्त किया गया।



स्वच्छ ऊर्जा और गुणवत्ता मानकों पर स्टेकहोल्डर्स कान्फ्लेव

कटनी (स्वतंत्रमत)। विश्व मानक दिवस-2026 के अवसर पर भारतीय मानक ब्यूरो, भारत सरकार के तत्वावधान में सोमवार, 12 अक्टूबर को होटल द अरिंदम में स्टेकहोल्डर्स कॉन्फ्लेव आयोजित किया गया। कार्यक्रम की थीम बेहतर विश्व के लिए साझा दृष्टिकोण रही। इसमें स्वच्छ ऊर्जा, उत्पादों की गुणवत्ता, मानकीकरण, हॉलमार्किंग और उपभोक्ता संरक्षण पर चर्चा की गई। कॉन्फ्लेव में भारतीय मानक ब्यूरो की भूमिका और कार्यप्रणाली की जानकारी देते हुए बताया गया कि मानक उत्पादों की गुणवत्ता, सुरक्षा और विश्वसनीयता सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सोने-चांदी के आभूषणों की

शुद्धता पहचानने के लिए हॉलमार्किंग तथा एचयूआईडी कोड की जांच के महत्व से भी अवगत कराया गया। उपभोक्ताओं को बीआईएस केयर ऐप के माध्यम से हॉलमार्क की प्रामाणिकता जांचने और गुणवत्ता संबंधी शिकायत दर्ज करने की जानकारी दी गई।

कार्यक्रम में सतत विकास लक्ष्य-7 के तहत किफायती एवं स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने, ऊर्जा दक्षता, नवीकरणीय ऊर्जा, ग्रीन हाइड्रोजन और पर्यावरण संरक्षण में गुणवत्ता मानकों की भूमिका पर जोर दिया गया। साथ ही बीआईएस की प्रमाणन व्यवस्था, प्रयोगशाला परीक्षण और प्रशिक्षण गतिविधियों पर भी

प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विधायक संदीप जायसवाल, विधायक सनत कुमार कश्यप, उपभोक्ता विवाद प्रतियोग आयोग के अध्यक्ष, महापौर प्रीति संजीव सूरि, अखिल भारतीय उपभोक्ता उद्योग संगठन के हरिशंकर शुक्ला, स्मॉल स्केल इंडस्ट्री के अध्यक्ष सुधीर मिश्रा, बीआईएस भोपाल के वैज्ञानिक एवं उपनिदेशक संजय विश्वकर्मा, एससी सीमेंट के अमित कनोजिया, किशन कन्हैया लाल, सहायक निदेशक महिला एवं बाल विकास, संगठन की अध्यक्ष प्रीति सेन, श्वेता अग्रवाल, ऋद्धा बाजपेयी सहित विभिन्न उपभोक्ता संगठनों के सदस्य उपस्थित रहे।

धार्मिक स्थलों, पंडालों, गरबा आयोजन पर नजर

एसपी की अगुवाई में पुलिस ने की पैदल गश्त , सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा

कटनी (स्वतंत्रमत)।

नवरात्रि पर्व के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा और शहर में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए कटनी पुलिस अलर्ट मोड पर है। पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा के निर्देशन में जिले भर में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत की गई है। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमल मौर्य के नेतृत्व में पुलिस टीम ने शहर के प्रमुख मार्गों, धार्मिक स्थलों, गरबा एवं रामलीला आयोजन स्थलों सहित भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में पैदल भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का

जायजा लिया। पुलिस टीम ने मिशन चौक से पैदल गश्त शुरू की, जो खेरमाई मंदिर, गरबा आयोजन स्थल, रामलीला स्थल और जलपा मढ़िया सहित शहर के विभिन्न प्रमुख स्थानों से होकर गुजरी। इस दौरान धार्मिक स्थलों, प्रतिमा पंडालों, सांस्कृतिक कार्यक्रम स्थलों और प्रमुख बाजारों का निरीक्षण किया गया। पुलिस अधिकारियों ने स्थानीय नागरिकों और दुकानदारों से संवाद कर सुरक्षा संबंधी जानकारी साझा की। नवरात्रि के दौरान भीड़ को देखते हुए प्रमुख धार्मिक स्थलों, प्रतिमा पंडालों, गरबा महोत्सव स्थलों, बाजारों और सार्वजनिक स्थानों पर फिस पॉइंट बनाकर पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया है। इसके साथ ही मोबाइल पेट्रोलिंग के जरिए संवेदनशील और

भीड़भाड़ वाले इलाकों में लगातार निगरानी रखी जा रही है, ताकि किसी भी अप्रिय स्थिति से समय रहते निपटा जा सके।

संदिग्ध गतिविधियों पर पुलिस की नजर

भ्रमण के दौरान पुलिस टीम ने विभिन्न स्थानों और दुकानों की चेकिंग कर संदिग्ध एवं आपाजिनक वस्तुओं पर नजर रखी। अधिकारियों ने नागरिकों से अपील की कि वे किसी भी संदिग्ध व्यक्ति ए वस्तु या गतिविधि की जानकारी तत्काल पुलिस को दें और सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करें। पैदल भ्रमण में डीएसपी रत्नेश मिश्रा और यातायात थाना प्रभारी अनूप सिंह सहित पुलिस टीम के सदस्य शामिल रहे।

जनसुनवाई में महापौर सूरि ने सुनीं नागरिकों की समस्याएं, लंबित प्रकरणों पर लिया फीडबैक

नागरिकों को बार-बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें, अधिकारी करें समयबद्ध निराकरण- महापौर

कटनी (स्वतंत्रमत)।

नागरिकों की समस्याओं को सीधे सुनने और उनके निराकरण की दिशा में प्रभावी पहल करने के उद्देश्य से मंगलवार को नगर निगम कार्यालय में महापौर जनसुनवाई आयोजित की गई। महापौर प्रीति संजीव सूरि ने जनसुनवाई में पहुंचे नागरिकों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याओं एवं अपेक्षाओं को जाना। इस दौरान विभिन्न प्रकरणों पर संबंधित अधिकारियों से

जानकारी लेते हुए आवश्यकतानुसार नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

नागरिकों ने रखीं अपनी समस्याएं, महापौर ने अधिकारियों से जानी वस्तुस्थिति जनसुनवाई में शहर के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे नागरिकों ने अपने वादों की समस्याओं, स्थानीय आवश्यकताओं और नगर निगम से संबंधित विषयों को महापौर के समक्ष प्रस्तुत किया।

महापौर ने नागरिकों की बात गंभीरतापूर्वक सुनते हुए संबंधित अधिकारियों से प्रकरणों की वर्तमान स्थिति की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक प्रकरण का परीक्षण कर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई



की जाए तथा नागरिकों को प्रक्रिया एवं कार्रवाई की स्थिति से अवगत कराया जाए।

वाडों की जरूरतों को समझने और समस्याओं के समाधान का मंच बनी जनसुनवाई

महापौर ने कहा कि नागरिकों

को समझने में मदद मिलती है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को नागरिकों द्वारा प्रस्तुत प्रकरणों पर गंभीरता से लेते हुए नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। महापौर ने संबंधित अधिकारियों एवं शाखा प्रभारियों से कहा कि जनसुनवाई में प्राप्त प्रकरणों को गंभीरता से लेते हुए समस्याओं के निराकरण में आवश्यक समन्वय बनाए रखा जाए और प्रत्येक प्रकरण की स्थिति के अनुरूप आगे की प्रक्रिया सुनिश्चित की जाए।

उन्होंने नागरिकों के प्रति संवेदनशील दृष्टिकोण अपनाते हुए उनकी समस्याओं के समाधान के लिए तत्परता से काम करने पर जोर दिया। जनसुनवाई में नगर निगम की विभिन्न शाखाओं के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

शेर चौक में चाकूबाजी करने वाले आरोपी को कोतवाली पुलिस ने किया गिरफ्तार

गाड़ी लहराकर चलाने से मना करने पर युवक पर चाकू से किया हमला, एक आरोपी फरार

घटना के चंद घंटों के भीतर एक आरोपी गिरफ्तार, वारदात में प्रयुक्त बटनदार चाकू बरामद

कटनी (स्वतंत्रमत)। दिनांक 11 अक्टूबर को शासकीय जिला चिकित्सालय कटनी से सूचना प्राप्त हुई कि संतोष साहू पिता भोला साहू, निवासी कुशवाहा नगर, कटनी को चाकू से हमला कर घायल कर दिया गया है, जिसे उपचार हेतु अस्पताल लाया गया है। सूचना प्राप्त होते ही कोतवाली पुलिस द्वारा तत्काल अस्पताल पहुंचकर घायल से घटना के संबंध

में पूछताछ की गई। घायल संतोष साहू ने बताया कि दिनांक 11 अक्टूबर को वह अपनी साइकिल से कुशवाहा नगर स्थित अपने घर जा रहा था। रास्ते में शेर चौक के पास मनीष मेडिकल स्टोर से दवा लेने के बाद जब वह सनमुख दास दवाखाना के पास पहुंचा, तभी स्कूटी सवार दो युवक सड़क पर लापरवाहीपूर्वक वाहन लहराते हुए उसकी साइकिल के सामने से निकले। इस पर संतोष साहू ने उन्हें सावधानी से गाड़ी चलाने की समझाइश देते हुए कहा कि क्या गाड़ी उसके ऊपर ही चढ़ा देंगे। इतनी सी बात पर दोनों युवक आक्रोशित हो गए और संतोष साहू के साथ गाली-गलौज करने लगे। जब संतोष ने गाली देने से मना किया, तो आरोपियों अमन वर्मा एवं अंश समुन्द्रे ने अपने पास रखे चाकू निकाल लिए और जान से खत्म करने की धमकी देते हुए उस पर हमला कर दिया। आरोपी अमन वर्मा ने चाकू से गर्दन पर वार करने



का प्रयास किया, लेकिन संतोष के हट जाने से चाकू उसके कंधे एवं गर्दन के बीच लगा। इसके बाद आरोपी ने उसकी पीट पर भी चाकू से वार किया। आसपास मौजूद लोगों के बीच-बचाव करने पर दोनों आरोपी मौके से फरार हो गए। घायल संतोष साहू की रिपोर्ट पर थाना कोतवाली में अपराध क्रमांक 1063/26, धारा 263(बी), 109(1), 3(5)

बीएनएस के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

पुलिस की त्वरित कार्रवाई, एक आरोपी गिरफ्तार

घटना की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों को तत्काल अवगत कराया गया। पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा के

निर्देश पर आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी हेतु कार्रवाई शुरू की गई। कोतवाली पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए घटना के चंद घंटों के भीतर आरोपी अमन वर्मा पिता मुकेश वर्मा, उम्र 19 वर्ष, निवासी शिवनगर, कटनी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त एक बटनदार चाकू भी बरामद किया गया है। प्रकरण में शामिल दूसरा आरोपी अंश समुन्द्रे, निवासी नदीपार, कटनी, घटना के बाद से फरार है। उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम द्वारा विभिन्न संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दी जा रही है।

गिरफ्तार आरोपी का विवरण

अमन वर्मा, पिता मुकेश वर्मा, उम्र 19 वर्ष, निवासी शिवनगर, कटनी गिरफ्तार। अंश समुन्द्रे निवासी नदीपार, कटनी फरार। आहत का नाम: संतोष साहू, पिता भोला साहू, उम्र 28 वर्ष, निवासी कुशवाहा नगर, थाना कोतवाली,

जिला कटनी। थाना प्रभारी कोतवाली ने बताया कि सड़क पर लापरवाहीपूर्वक वाहन लहराकर चलाने से मना करने जैसी सामान्य बात पर आरोपियों द्वारा संतोष साहू के साथ मारपीट कर चाकू से हमला किया गया। कोतवाली पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए घटना के चंद घंटों के भीतर एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है तथा दूसरे फरार आरोपी की तलाश जारी है। उसे भी शीघ्र गिरफ्तार कर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा के निर्देशन में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमल मौर्य एवं उप पुलिस अधीक्षक (अजाक) अनिमेष द्विवेदी के मार्गदर्शन में आरोपी की गिरफ्तारी एवं प्रकरण के खुलासे में जनि. कुलदीप सिंह, सज्जिन. प्रहलाद पैकरा, अरक्षक मंसूर हुसैन, अजीत सिंह, मोहन मण्डलोई, दिनेश सेन, दीपक तिवारी एवं रोहित राठौर की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

मानव जीवन विकास समिति ने विशेष आवश्यकता वाले परिवार को बांटे निःशुल्क खाद्यान्न सामग्री

सेवा संकल्प अभियान के तहत मानव जीवन विकास समिति द्वाराभमड़ार गांव में 30 जरूरतमंद परिवारों को निःशुल्क खाद्यान्न सामग्री का वितरण

कटनी (स्वतंत्रमत)। मानव जीवन विकास समिति द्वारा जीवदया फाउण्डेशन की मदद से सेवा संकल्प अभियान के दौरान भारत राहत कार्यक्रम के तहत जरूरतमंद परिवारों को राहत किट (खाद्यान्न सामग्री) का वितरण



किया गया। बड़वारा ब्लॉक के पठरा पंचायत के भमड़ार गांव में प्री स्कूल पोषण एवं शिक्षा कार्यक्रम अंतर्गत आंगनबाड़ी केंद्र में अध्ययनरत बच्चों के परिवार एवं गरीब और जरूरतमंद 30 परिवार को खाद्यान्न सामग्री (प्रति परिवार 30 कि.ग्रा.) सूखा राशन 26 कि.ग्रा. चावल और 4 कि.ग्रा. दाल

उपलब्ध कराकर राहत पहुंचाया गया। इस पहल का उद्देश्य जरूरतमंद परिवारों को सहयोग प्रदान कर उनके जीवन में राहत और आशा की किरण जगाना। मानव जीवन विकास समिति सचिव एवं पर्यावरणविद निर्भय सिंह द्वारा बताया गया कि हम समिति के माध्यम से विशेष

आवश्यकता वाले जरूरतमंद परिवार की हर संभव मदद करते हैं।

हमारा मानना है की परिवार स्वस्थ और खुशहाल रहे ताकि बच्चे आंगनबाड़ी स्कूल में जाकर पढ़ाई कर सके। इतना ही नहीं आंगनबाड़ी में पढ़ने वाले बच्चों को प्रतिदिन पोषण आहार में दूध और बिस्किट भी दिया जाता है। खाद्यान्न सामग्री प्राप्त कर लाभार्थी परिवारों ने मानव जीवन विकास समिति के इस सेवा कार्य के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के दौरान मानव जीवन विकास समिति की टीम एवं वालंटियर और ग्रामीणजनों की उपस्थिति रही।



गिल 5वीं बार आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ बने

मैंस कैटेगरी में सबसे ज्यादा, विमेंस में शैफाली वर्मा को चुना गया

नयी दिल्ली। पिछले महीने भारतीय क्रिकेट टीम के लिए एशिया कप और एशियन गेम्स 2026 में शानदार प्रदर्शन के बाद शेफाली वर्मा ने सितंबर के लिए महिला आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ का पुरस्कार जीता जबकि भारत के कप्तान शुभमन गिल ने वेस्टइंडीज के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन के बाद रिकॉर्ड पांचवें आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ का पुरस्कार जीता है। शेफाली के साथ श्रीलंका की कप्तान चामरी अथापथु और भारतीय बाएं हाथ की स्पिनर श्री चरणी भी महिला सम्मान की दौड़ में थीं। वर्मा जिन्होंने पिछले साल नवंबर में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ महिला एकदिवसीय विश्व कप फाइनल में अपनी मैच विजयी पारी के बाद पुरस्कार जीता था, ने बड़े मैचों में अपने प्रदर्शन के लिए सुर्खियों में आने के बाद दूसरी बार यह सम्मान हासिल किया। आक्रामक सलामी बल्लेबाज अपनी टीम के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी थी क्योंकि भारत ने महिला एशिया कप जीता था। उन्होंने 184.61 की स्ट्राइक रेट से



360 रन बनाए और इस दौरान छह विकेट भी लिए। एशियाई खेलों में उन्होंने सेमीफाइनल में बांग्लादेश के खिलाफनाबाद 100 रन और फइनल में श्रीलंका के खिलाफ48 रन बनाये। वर्मा ने कहा आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ का पुरस्कार फिर से जीतना एक अविवशनीय सम्मान है। एशिया कप और एशियाई खेलों में हमारी जीत में अपनी भूमिका निभाना बेहद संतोषजनक था और यह पुरस्कार जीतना उन जीतों को और भी खास बनाता है। उन्होंने

कहा मैं आने वाले महीनों को लेकर उत्साहित हूं और अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध हूं, अगले साल फरवरी में आईसीसी महिला चैंपियंस ट्रॉफी एक और टूर्नामेंट है। विश्व कप जीतने की यादें अभी भी ताजा और विशेष हैं, और मैं घरेलू धरती पर आईसीसी टूर्नामेंट के लिए मैदान पर वापस आने का इंतजार नहीं कर सकती। यह एक अविस्मरणीय अनुभव होने का वादा करता है।

गिल ने एक साल बाद यह अवॉर्ड जीता

इस बीच गिल ने वेस्ट इंडीज की कप्तान हेली मैथ्यूज का अनुकरण करते हुए पुरुषों के लिए अपना रिकॉर्ड बढ़ाने के लिए अपना पांचवां पुरस्कार जीता, जो पांच मौकों पर आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ भी रहे हैं। उनके पिछले पुरस्कार जनवरी और सितंबर 2023 और फरवरी और जुलाई 2025 के महीनों में आए थे। भारत के टेस्ट और एकदिवसीय कप्तान ने तिरुवनंतपुरम में वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले एकदिवसीय मैच में 110 रन बनाए, जिससे मेजबान टीम की आठ विकेट की जीत में योगदान हुआ जिसने उन्हें श्रृंखला में 1-0 से आगे कर दिया। इसके बाद उन्होंने 133 गेंदों पर 223 रनों की पारी खेलकर उनकी टीम ने 406 रन के विशाल लक्ष्य को आठ विकेट शेष रहते हासिल कर लिया और 39 गेंदें अभी बाकी थीं। गिल ने कहा मेरा पांचवां आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड जीतना शानदार लग रहा

रियाद में मिसाइल अलर्ट के बीच रोनाल्डो का गोल

एक घंटे की देरी के बाद अल नासर ने 3-1 से जीता मुकाबला

रियाद सऊदी अरब की राजधानी रियाद में सुरक्षा अलर्ट का असर फुटबॉल मैदान तक पहुंच गया। क्रिस्टियानो रोनाल्डो की टीम अल नासर और उज्बेकिस्तान के क्लब नेफ्ची फ़रगाना के बीच । एएफसी चैंपियंस लीग एलीट का मुकाबला मिसाइल खतरे के कारण करीब एक घंटे की देरी से शुरू हुआ। हालात सामान्य होने की सूचना मिलने के बाद मैच कराया गया, जिसमें अल नासर ने 3-1 से जीत दर्ज की। मैच शुरू होने से कुछ समय पहले सऊदी अरब के नागरिक सुरक्षा विभाग ने सुरक्षा चेतावनी जारी की। इसके बाद खिलाड़ियों और दर्शकों को मुकाबला शुरू होने का इंतजार करना पड़ा। स्टैडियम में मौजूद दर्शकों से अपनी जगह पर बने रहने को कहा गया। बाद में अधिकारियों ने खतरा टलने की सूचना दी और



मैच शुरू हुआ। सऊदी नेतृत्व वाले सैन्य गठबंधन ने कहा कि उसने रियाद की दिशा में दागी गई बैलिस्टिक मिसाइलों को इंटरसेप्ट कर नष्ट कर दिया। शहर में धमाकों की आवाजें सुनाई देने की खबरें भी सामने आईं। इस घटनाक्रम के कारण खेल से पहले सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई थी।

रोनाल्डो ने किया गोल, अल नासर की मजबूत वापसी

मैच शुरू होने के बाद अल नासर ने आक्रामक खेल दिखाया। एंजेलो गैब्रियल ने 33वें मिनट में

गोल कर टीम को बहुत दिलाई। इसके बाद क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने पहले हाफ के अंतिम मिनटों में गोल दागकर स्कोर 2-0 कर दिया। दूसरे हाफ में नेफ्ची फ़रगाना के अलीशेर ओडिलोव ने एक गोल कर मुकाबले में वापसी की कोशिश की। हालांकिए बाद में टीम के इक्रम मजोन अलीबायेव को रेड कार्ड मिलने से नेफ्ची की मुश्किलें बढ़ गईं। मुकाबले के 78वें मिनट में अनवरजोन गोफ़ोव के आत्मघाती गोल ने अल नासर की जीत 3-1 से पक्की कर दी।

शुभंकर को घरेलू जीत से मिला भरोसा

तरोताजा होकर लौटे लाहिड़ी

नयी दिल्ली। डीपी वर्ल्ड इंडिया चैंपियनशिप से पहले घरेलू जीत ने शुभंकर शर्मा का आत्मविश्वास बढ़ाया है, वहीं अनिर्बान लाहिड़ी सात हफ्ते के ब्रेक के बाद अपनी किस्मत बदलने की उम्मीद कर रहे हैं। ये दोनों भारतीय खिलाड़ी दिल्ली गोल्फ क्लब में 15-18 अक्टूबर तक होने वाले टूर्नामेंट में कई बड़े अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों का सामना करने के लिए तैयार हैं।

डीपी वर्ल्ड ट्रू के दो बार के विजेता शर्मा ने पिछले हफ्ते अपने खेल की बुनियादी बातों को फिर से समझकर एक मुश्किल दौर को खत्म किया। वहीं लाहिड़ी ने प्रतियोगिता से दूर रहने के दौरान अपने लंबे प्रोफ़ेशनल करियर की शारीरिक और मानसिक जरूरतों पर ध्यान दिया, क्योंकि उन्होंने माना था कि उनका हालिया सीज़न पिछले कुछ सालों में सबसे खराब रहा था। उनकी अलग-अलग तरह की तैयारी 40 लाख अमेरिकी डॉलर वाली डीपी वर्ल्ड इंडिया चैंपियनशिप से पहले दो दिलचस्प भारतीय कहानियाँ पेश करती है।

इस टूर्नामेंट में रॉरी मैकलराय, जस्टिन रोज़, रयान फ़ॉक्स, एरन राय, टॉमी फ्लीटवुड, शेन लोरी और ल्यूक डोनाल्ड जैसे खिलाड़ी शामिल हैं। कुल मिलाकरए डीपी वर्ल्ड इंडिया चैंपियनशिप में सात मेजर चैंपियन हिस्सा ले रहे हैं, जिनमें मौजूदा चार मेजर विजेताओं में से तीन शामिल हैं। शर्मा के लिए सबसे जरूरी बात यह है कि वे पिछले हफ्ते की जीत को अपनी समस्याओं का पूरा समाधान मानने के बजाय उसे आगे बढ़ने के आधार के तौर पर देखें। यह भारतीय खिलाड़ी घंटों की प्रैक्टिस को नतीजों में बदलने के लिए संघर्ष कर रहा था, और बार-बार कट से बाहर होने के कारण उसका आत्मविश्वास कम हो रहा था। शर्मा ने कहा पिछले हफ्ते खेलने का मेरा मुख्य मकसद इस हफ्ते के लिए कुछ मोमेंटम हासिल करना था।

चयन विवाद के बीच कोच प्रकाश नौटियाल को हटाया

पैरा एशियन गेम्स के लिए 166 एथलीटों को मंजूरी

नयी दिल्ली। सिलेक्शन प्रोसेस में कथित गड़बड़ियों को लेकर हो रहे विरोध के बीच स्पोर्ट्स मिनिस्ट्री ने आइची-नागोया में 18-24 अक्टूबर तक होने वाले पैरा एशियन गेम्स के लिए 166 एथलीटों को मंजूरी दी है। साथ ही विवादों में धिरे पैरा-शूटिंग कोच जय प्रकाश नौटियाल की जगह लंबे समय से नेशनल कोच रहे जीवन एल राय को भारत की पैरा एशियन गेम्स टीम में शामिल किया गया है। नौटियाल पर तय सिलेक्शन नियमों का उल्लंघन करने और एथलीटों को चुनने के बदले रिश्तत मांगने के आरोप लगे थे। कई शूटर्स ने स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया हेडक्वार्टर के बाहर विरोध प्रदर्शन किया और उन्हें हटाने व आरोपों की जांच की मांग की। पिछले हफ्ते टीम की विवादों सेरेमनी में बाधा डालने की प्रतिक्रिया के बाद उन्होंने अपनी शिकायतें बताने के लिए स्पोर्ट्स मिनिस्टर मनसुख मांडविया से भी



मुलाकात की। सिलेक्शन प्रोसेस को लेकर उन साइक्लिस्ट्स ने भी विरोध किया जिन्हें टीम में जगह नहीं मिली थी। हालांकिए मिनिस्ट्री ने आगिरी समय में किसी को शामिल करने से परहेज किया और सिर्फ पैरालंपियन अरशद शेख को मंजूरी दीए जो सिलेक्शन के नियमों पर आसानी से खरे उठे थे। साइक्लिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया और पैरालंपिक कमेटी ऑफ इंडिया द्वारा नॉमिनेट किए गए छह अन्य साइक्लिस्ट्स को जरूरी शर्तें पूरी न कर पाने के कारण बाहर कर दिया गया। इस कॉन्टिंटेंटल इवेंट के लिए भारत के दल में 275 सदस्य होंगे, जिनमें 10 खेलों में

166 एथलीट, 94 टीम अधिकारी और सपोर्ट स्टाफ और 15 दल के स्टाफ शामिल हैं। टोक्यो पैरालंपिक गोल्ड मेडलिस्ट प्रमोद भगत और पैरा-टेबल टेनिस स्टार भाविना पटेल को ओपनिंग सेरेमनी के लिए भारत का ध्वजवाहक बनाया गया है।

पैरा-एथलेटिक्स में सबसे ज्यादा 62 एथलीट

पैरा-एथलेटिक्स में सबसे ज्यादा 62 एथलीट (46 पुरुष) शामिल हैं, जिनके साथ 36 लोगों का सपोर्ट स्टाफ है। वर्ल्ड चैंपियनशिप मेडलिस्ट और दृष्टिबाधित रिफ़्टर सिमरन भी टीम

श्री सीमेंट ने यूआई संयंत्र में शुरू किया उत्पादन

नयी दिल्ली। प्रमुख भारतीय सीमेंट कंपनी श्री सीमेंट लिमिटेड ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के रस अल खैमा में 30 लाख टन सालाना क्षमता वाली अपनी सीमेंट ग्राइडिंग इकाई में उत्पादन शुरू कर दिया है। कंपनी ने मंगलवार को बताया कि यह नयी इकाई कंपनी के अंतरराष्ट्रीय विस्तार में एक अहम पड़ाव है। इससे यूएई में उसकी विनिर्माण क्षमता और मौजूदगी मजबूत होगी। कंपनी ने अपनी इकाई यूनियन सीमेंट कंपनी के माध्यम से इस संयंत्र में 11.5 करोड़ अमीराती दिरहम का निवेश किया है। विज्ञप्ति में कहा गया है कि इस इकाई में एकीकृत ग्राइडिंग और सेपरेशन सिस्टम, मटीरियल हैंडलिंग के लिए आधुनिक डस्ट कलेक्शन सिस्टम जैसी खूबियां हैं। प्रौद्योगिकी को ग्राइडिंग की क्षमता बढ़ाने, परिचालन में बेहतर भरोसा हासिल करने ऊर्जा दक्ष सीमेंट उत्पादन में मदद करने के लिए डिजाइन किया गया है।

वियतनाम एयरलाइंस अहमदाबाद से

हनोई के लिए शुरू करेगी उड़ान

नयी दिल्ली। वियतनाम की राष्ट्रीय विमान सेवा कंपनी वियतनाम एयरलाइंस आगामी 03 नवंबर से अहमदाबाद और हनोई के बीच उड़ान शुरू करेगी। यह भारत में एयरलाइंस के पांचवां गंतव्य होगा। यह उड़ान सप्ताह में चार दिन मंगलवार, गुरुवार, शनिवार और रविवार को उपलब्ध होगी। इससे गुजरात और आस-पास के राज्यों के यात्रियों को वियतनाम के लिए सीधा हवाई संपर्क मिलेगा। वियतनाम एयरलाइंस के प्रबन्धक गुयन ट्रुंग हियू ने कहा, वियतनाम एयरलाइंस के लिए भारत तेजी से महत्वपूर्ण और रणनीतिक बाजार बनता जा रहा है। दोनों देशों के बीच यात्रा की मांग, कारोबारी ट्रांजेक्शन और पर्यटन में जबर्दस्त बढ़ोतरी हो रही है। हमारी अहमदाबाद-हनोई सेवा की



शुरुआत भारत में हमारी मौजूदगी बढ़ाने और वियतनाम को अधिक भारतीय यात्रियों के करीब लाने की दृष्टि में एक और महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि अहमदाबाद और गुजरात ऐसे गतिशील बाजार हैं जहां कारोबार और पर्यटन में अपार संभावनाएं हैं, और भरोसा जताना इस नयी उड़ान से दोनों देशों के बीच हवाई संपर्क मजबूत होगा। भारत में वियतनाम एयरलाइंस के जेनरल सेल्स एजेंट एयरोप्राइम

गुप के कार्यकारी निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी अभिषेक गोयल ने कहा, अहमदाबाद, वियतनाम एयरलाइंस के बढ़ते भारतीय नेटवर्क में एक अहम जुड़ाव है। यह बाजार में एयरलाइंस के भरोसे की पुष्टि करता है। मौजूदा साल की पहली छमाही में भारत और वियतनाम के बीच 4,400 से अधिक नियमित उड़ानों का परिचालन हुआ जिनमें लगभग 8,20,400 यात्रियों ने सफर किया।

भारत-न्यूजीलैंड व्यापार समझौते के लिए कस्टम्स के नए नियम 20 अक्टूबर से लागू

नई दिल्ली। भारत और न्यूजीलैंड के बीच हुए मुक्त व्यापार समझौते के तहत आयात-निर्यात होने वाले सामानों पर टैक्स छूट देने के लिए वित्त मंत्रालय ने नए सीमा शुल्क नियम, 2026 अधिसूचित कर दिए हैं। 20 अक्टूबर 2026 से लागू होने वाले ये नियम यह तय करेंगे कि कौन-सा सामान वास्तव में भारत या न्यूजीलैंड का मूल उत्पाद है। इसका सीधा मकसद व्यापार में पारदर्शिता लाना और केवल पात्र सामानों को ही रियायती सीमा शुल्क का लाभ देना है। वित्त मंत्रालय ने भारत-न्यूजीलैंड एफटीए के तहत वस्तुओं के मूल देश के निर्धारण को लेकर कस्टम्स टैरिफ नियम, 2026 की अधिसूचना जारी की नए नियम 20 अक्टूबर 2026 से प्रभावी होंगे। इन नियमों के तहत यह निर्धारित करने की प्रक्रिया तय होगी कि व्यापार समझौते के तहत आयातित वस्तु को भारत या न्यूजीलैंड में उत्पन्न माना जा सकता है या नहीं। नियमों में मूल देश के प्रमाणन, दस्तावेजों के रखरखाव, सीमा शुल्क सत्यापन और एफटीए के तहत रियायती शुल्क का लाभ देने की प्रक्रिया शामिल है। नियमों का उद्देश्य समझौते के तहत शुल्क रियायतों का लाभ केवल पात्र वस्तुओं को सुनिश्चित करना है। इन नियमों से यह तय होगा कि समझौते के तहत आयात किए गए किसी सामान को भारत या न्यूजीलैंड में बना हुआ माना जा सकता है या नहीं।

आईटी सेक्टर में लिवाली से सेंसेक्स 1,100 अंक चढ़ा

एक्सीएल का शेयर आठ प्रतिशत उछला

मुंबई। आईटी सेक्टर में जबर्दस्त लिवाली से घरेलू शेयर बाजारों में मंगलवार को बीएसई का 30 शेयों वाला सेंसेक्स 1,100 अंक से अधिक की बढ़त में बंद हुआ और एक्सीएल टेक्नोलॉजीज का शेयर आठ फीसदी से अधिक उछल गया। सेंसेक्स पिछले कारोबारी दिवस के मुकाबले 1,109.10 अंक (1.54 प्रतिशत) चढ़कर 73,033.78 अंक पर पहुंच गया। इससे पहले यह नीचे 71,703.56 अंक और ऊपर 73,045.67 अंक तक गया था। इस प्रकार आज इसमें 1,342 अंक का उतार-चढ़ाव देखा गया। अच्छे तिमाही परिणाम से एक्सीएल टेक्नोलॉजीज का शेयर 8.28 प्रतिशत की बढ़त में रहा। कंपनी ने सोमवार को बताया था कि मौजूदा वित्त वर्ष 2026-27 को



दूसरी तिमाही में उसका शुद्ध लाभ सालाना आधार पर 21.2 प्रतिशत बढ़कर 5,132 करोड़ रुपये और राजस्व 11.5 फीसदी बढ़कर 35,620 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। दूसरी आईटी कंपनियों में भी तेजी रही। रुपये में लगातार दूसरे दिन जारी तेजी से भी शेयर बाजार में निवेश धारणा मजबूत हुई है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 सूचकांक भी सुबह सपाट खुलने के बाद अंत में 358.60 अंक यानी 1.60 प्रतिशत की बढ़त में 22,721.95 अंक पर पहुंच गया।

सेंसेक्स और निफ्टी दोनों का यह एक सप्ताह का उच्चतम स्तर है। पिछले कारोबारी दिवस पर दोनों प्रमुख सूचकांक लाल निशान में रहे थे। वृहत बाजार में भी चौतरफा लिवाली रही। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0.87 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.11 प्रतिशत मजबूत हुआ। अच्छे तिमाही परिणामों के कारण आईटी कंपनियों में लिवाली रही। निफ्टी आईटी सूचकांक 5.22 प्रतिशत उछल गया। रियल्टी समूह का सूचकांक 2.46 प्रतिशत ऊपर बंद हुआ। ऑटो, बैंकिंग, वित्त,

एफएमसीजी, धातु और टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद समूहों के सूचकांक भी एक प्रतिशत से अधिक की बढ़त में रहे। एनएसई में जिन 3,644 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ उनमें से 2,127 के शेयर हरे निशान में और 1,417 के लाल निशान में बंद हुए। अन्य 100 कंपनियों के शेयर दिन भर के उतार-चढ़ाव के बाद अंततः अपरिवर्तित रहे। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से 27 के शेयरों में तेजी रही। एक्सीएल के बाद टीसीएस का शेयर सबसे अधिक 6.59 प्रतिशत, टेक महिंद्रा का 4.90 प्रतिशत और इंफोसिस का 4.44 प्रतिशत की बढ़त में रहा। हिंदुस्तान यूनीलिवर का शेयर 2.94 प्रतिशत, टैट का 2.61 प्रतिशत, बजाज फिनसर्व का 2.43, बजाज फाइनेंस का 2.27, टाइटन का 1.70, महिंद्रा एंड महिंद्रा और बीईएल के 1.69, भारती एयरटेल का 1.59 और भारती स्टेट बैंक का 1.58 प्रतिशत मजबूत हुआ।

यूपीआई भुगतान पर शुल्क टालने के निर्णय का व्यापारियों ने किया स्वागत

नयी दिल्ली। अखिल भारतीय व्यापारी परिसंघ (कैट) ने यूपीआई भुगतान पर दिवाली तक शुल्क टालने के निर्णय का स्वागत करते हुए इसे समयानुकूल और व्यावहारिक बताया है। कैट के राष्ट्रीय महासचिव और दिल्ली की चांदनी चौक सीट से सांसद प्रवीन खंडेलवाल ने मंगलवार को कहा कि इस निर्णय से व्यापारियों के हितों की रक्षा होगी और त्योहारों के दौरान डिजिटल भुगतान के प्रति विश्वास मजबूत होगा। उल्लेखनीय है कि भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) ने आज घोषणा की कि व्यापारियों के लिए दो हजार रुपये से अधिक के यूपीआई लेनदेन पर 15 अक्टूबर से

प्रस्तावित मर्चेट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) दिवाली के बाद लागू किया जाएगा। कैट ने कहा कि त्योहारी एवं वैवाहिक सीजन के दौरान यह निर्णय समयानुकूल और व्यावहारिक है। इस अवधि में देशभर के लाखों व्यापारी और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) अपने कारोबार की बड़ी उम्मीदें रखते हैं। ऐसे समय में अतिरिक्त लेनदेन शुल्क से सीमित लाभ पर काम करने वाले



घोषणा की थी कि यूपीआई के जरिये 2,000 रुपये से अधिक के मर्चेट ट्रांजेक्शन पर 0.4 प्रतिशत शुल्क लगाया जाएगा। रुपये डेबिट कार्ड से होने वाले ट्रांजेक्शन और 2,000 रुपये तक के यूपीआई लेनदेन पर किसी भी तरह का शुल्क नहीं लगेगा। व्यक्तिगत

यूपीआई खातों से मर्चेट खातों में भुगतान पर एमडीआर लगाया जाना है। एक ट्रांजेक्शन पर अधिकतम एमडीआर 300 रुपये होगा। रेलवे, दूरसंचार, बीमा, ईंधन और कृषि क्षेत्र में बीज, खाद आदि के लिए पांच रुपये प्रति ट्रांजेक्शन का सपाट शुल्क तय किया गया है। पूंजी बाजार से संबंधित लेनदेन जैसे म्यूचुअल फंड, प्रतिभूति और स्टॉक ब्रोकर तथा डीलरों के लिए एमडीआर की दर 0.02 प्रतिशत तय की गई है। इसमें भी अधिकतम शुल्क सीमा 300 रुपये होगी। सरकार यह भी स्पष्ट कर चुकी है कि व्यक्तिगत से व्यक्तिगत यूपीआई खातों में लेनदेन पर कोई शुल्क नहीं लगेगा।



प्रभावित नागरिक..... आवेदक
V/S
इंडसट्रिज बैंक एलटीडी..... अनावेदक
Process ID/2026
पेशी दिनांक - 18.11.2026
प्रेषित-
(1) आम जनता पाता- जिला जलपुरम
मध्यप्रदेश (2) आम जनता
आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक को जिला नगप नाग पता नं.489 नैपियर राज्ज कबीरा मार्गा गुडविय कार्मकेवरे के पास जलपुरम (म.प्र.) नं. 489 मलक शिकारता नागा एर दीपानी ललक नवारी नं.नं.489 नैपियर राज्ज कबीरा मार्गा गुडविय कार्मकेवरे के पास जलपुरम (म.प्र.) की इंडस्ट्री बंद शाखा शाखा लाक के पास जलपुरम (म.प्र.) नं. शांतिरा ललक के लK-41 नं. ललक रज्ज आशुभानी रे सम्बन्ध नं. उत्तराधिकार प्रमाण पत्र की प्राप्ति हेतु राश/ संजित हेतु उत्तराधिकारी नियुक्ति प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए एर नवारी नवारी नं. अवेदन किया है। जलक सुवादीर दिनांक 18 November 2026 को किया है।
यदि नवारी नवारी को उत्तर प्रकरण नं. अवेदक को उत्तर मूलक को उत्तराधिकार नवारी अविभाजक/ संशंक हेतु सम्बन्ध प्रमाण पत्र जारी किया जाने नं. कोई आरति नं. अथवा उत्तर प्रकरण नं. वर हथाना वर समुहता नं. हेतु पेशी दिनांक 18 November 2026 को नवारी नवारी नं. रज्ज अवेदक के माध्यम से उत्पन्न रज्ज प्रकृता उपरत, यदि अनुपस्थित रज्ज नं. पेशी की सुवादीर एर पेशी की जाक प्रकृता को नविकरक किया जागे। आ तारीख 05 October 2026 को नं. हेतुहस्तार रज्ज और नवारी नवारी की मुदा ललक कर दिया गया है।
(सिल) (पलक श्रीवारस्त)
22 वें ववहार नवारी नवारी जलपुरम (म.प्र.)
कृपया ध्यान नं.1. यदि नवारी कार्मकेवरे नवारी को नवारी नवारी अवेदक प्र रज्ज नं. आगामी कावियेस प्र यह प्रकरण सुवादीर नं. लिया जागे।



निगमायुक्त ने की समस्त विभागीय कार्यों की समीक्षा

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। शहर की बुनियादी सुविधाओं को अधिक मजबूत और पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने समस्त विभागीय कार्यों की समीक्षा की। निगमायुक्त ने निर्देश दिए कि शहर की सड़कों पर पैचवर्क का कार्य पूरी गुणवत्ता और व्यवस्थित ढंग से किया जाए, ताकि नागरिकों को आवागमन में किसी भी प्रकार की असुविधा न हो।



5 रेलकर्मियों को मिला उत्कृष्ट संरक्षा पुरस्कार

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। सितम्बर 2026 माह के दौरान पश्चिम मध्य रेलवे में ड्यूटी के दौरान सतर्कता, त्वरित निर्णय क्षमता एवं कर्तव्यनिष्ठा का परिचय देकर संभावित दुर्घटनाओं को टालने वाले 5 रेलकर्मियों को पश्चिम मध्य रेल महाप्रबंधक दिलीप कुमार सिंह द्वारा उत्कृष्ट संरक्षा जागृकता पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। इन रेलकर्मियों ने विभिन्न रेल खंडों पर राश्ट और ड्यूटी के दौरान रेललाइन पर मोटर-साईकिल, हॉट एक्सल ब्रेक जाम एवं ब्रेकवान वैगन में हेवी लीकेज जैसी तकनीकी खामियों को समय रहते पहचान लिया।



नागरिकों की समस्याएं सुन दिए निराकरण के निर्देश

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। कलेक्टर कार्यालय में मंगलवार को आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई में अधिकारियों ने नागरिकों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने संबंधित विभागों को प्राप्त आवेदनों का त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए। साप्ताहिक जनसुनवाई में नागरिकों से कुल 133 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें 46 दोबारा आए आवेदन भी शामिल थे। जनसुनवाई में नामांतरण, सीमांकन, अवैध कब्जा, आधार कार्ड सुधार, अतिक्रमण, नक्शा सुधार, राजस्व प्रकरण से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए।

स्वतंत्र मत जबलपुर

जबलपुर

बुधवार 14 अक्टूबर 2026 12

60 लाख पेड़ काटने का दावा, केन-बेतवा परियोजना पर जवाब देने सरकार ने मांगा समय

मप्र हाईकोर्ट में हुई सुनवाई, आधा पन्ना टाइगर रिजर्व डूबने का अंदेशा

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

मप्र हाईकोर्ट में मंगलवार को केन-बेतवा लिंक परियोजना के पर्यावरणीय प्रभावों से जुड़ी जनहित याचिका पर सुनवाई हुई।

केन्द्र और राज्य सरकार की ओर से पेश अधिवक्ताओं ने जवाब देने के लिए 2 सप्ताह का समय मांगा। याचिकाकर्ता अधिवक्ता अरिहंत तिवारी भी सुनवाई के दौरान मौजूद रहे। मप्र हाईकोर्ट ने केन्द्र सरकार को सुप्रीम कोर्ट की सेंट्रल एम्पावर्ड कमिटी की रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए थे। कोर्ट ने रिपोर्ट में बताई गई कथित अनियमितताओं, सुप्रीम कोर्ट में आ सकता है। याचिकाकर्ता ने वन सलाहकार समिति की रिपोर्ट का हवाला देते हुए लगभग 60 लाख पेड़ों की कटाई का अनुमान भी बताया है।



सुप्रीम कोर्ट में परियोजना से संबंधित कार्यवाही की वर्तमान स्थिति क्या है। सीईसी की रिपोर्ट के आधार पर मप्र सरकार ने अब तक क्या कार्रवाई की है। याचिका में दावा किया गया है कि परियोजना के कारण पन्ना टाइगर रिजर्व का आधे से अधिक हिस्सा डूब क्षेत्र में आ सकता है। याचिकाकर्ता ने वन सलाहकार समिति की रिपोर्ट का हवाला देते हुए लगभग 60 लाख पेड़ों की कटाई का अनुमान भी बताया है।

सहित अन्य वन्यजीवों के प्राकृतिक आवास और उनके आवागमन के गलियारों पर असर पड़ने की आशंका है। केन घड़ियाल अभयारण्य पर संभावित प्रभाव का मुद्दा भी उठाया गया है। याचिकाकर्ता के मुताबिक, सुप्रीम कोर्ट की दृष्टि ने अपनी रिपोर्ट में

चिंता जताई है कि नेशनल बोर्ड फॉर वाइल्डलाइफ की स्थायी समिति ने डाउनस्ट्रीम क्षेत्र में घड़ियाल अभयारण्य पर पड़ने वाले प्रभाव का पर्याप्त आकलन नहीं किया। याचिका में इसका स्वतंत्र और वैज्ञानिक आकलन कराने की मांग की गई है। याचिका में वर्ष 2017 की पर्यावरण प्रभाव आकलन रिपोर्ट की विश्वसनीयता पर भी सवाल उठाए गए हैं। याचिकाकर्ता का दावा है कि कई आधिकारिक एजेंसियों ने रिपोर्ट में तथ्यात्मक त्रुटियों की ओर संकेत किया है। नेशनल बोर्ड फॉर वाइल्डलाइफ की विशेषज्ञ समिति की ओर से स्वतंत्र हाइड्रोलॉजिकल स्टडी कराने की कथित मांग को नजरअंदाज करने का आरोप भी लगाया गया है।

बुंदेलखंड के पर्यावरण पर असर की आशंका

याचिकाकर्ता का कहना है कि परियोजना से बुंदेलखंड के पर्यावरण, वर्षा चक्र और स्थानीय जलवायु पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है। यह क्षेत्र पहले से ही जल संकट और सूखे की समस्या से प्रभावित रहा है। अरिहंत तिवारी के अनुसार सुप्रीम कोर्ट की ओर से गठित रिपोर्ट में परियोजना के मौजूदा स्वरूप से पन्ना टाइगर रिजर्व को होने वाले नुकसान पर चिंता जताई गई है। उन्होंने कहा कि रिजर्व का कोर एरिया डूब क्षेत्र में आने से बाघों सहित अन्य वन्यजीवों को नुकसान हो सकता है।

हितकारिणी गरबा नाइट क्लब कैक्टिस में प्रतिभागी बहा रहे पसीना



जबलपुर। (स्वतंत्र मत) संस्कारधानी की सबसे प्राचीन शैक्षणिक संस्था हितकारिणी सभा और लोकप्रिय समाचार पत्र स्वतंत्र मत के संयुक्त तत्वावधान में एक दिनी गरबा महोत्सव का आयोजन हितकारिणी महिला महाविद्यालय के प्रांगण में गुरुवार 15 अक्टूबर को शाम 6 बजे से आयोजित किया जा रहा है। हितकारिणी प्रशिक्षण महिला महाविद्यालय के प्रेक्षागृह में गरबा प्रशिक्षण की तैयारी कर रहे स्कूल एवं कॉलेज के प्रतिभागी जमकर पसीना बहा रहे हैं। इसी कड़ी में मंगलवार को प्रतिभागियों ने नए नए स्टेप्स पर

कदमताल करते हुए तैयारी की। इस दौरान 600 से अधिक प्रतिभागी सम्मिलित होकर गरबा नाइट को भक्तिमयी बनाने जा रहे हैं। ज्ञात हो गरबा नाइट के विशिष्ट अतिथि डीआईजी अतुल सिंह, एसपी संपत उपाध्याय, संयुक्त मुख्य महाप्रबंधक क्लिकल फैक्ट्री संजय कुमार, सीएसपी ओमटी सोनू कुर्मी होंगे। अध्यक्षता हितकारिणी सभा के अध्यक्ष नित्यनिरंजन खंपरिया करेंगे। अन्य अतिथियों में हितकारिणी सभा की सभापति सुनयना पटेरिया, सचिव बाबू विश्वमोहन भी कार्यक्रम में शिरकत करेंगे।

निगमायुक्त ने जमीन पर बैठकर सुनी दिव्यांग की फरियाद



जबलपुर (स्वतंत्र मत)। नगर निगम मुख्यालय में आयोजित जनसुनवाई में एक बेहद सुखद और संवेदनशील नजारा देखने को मिला, जिसने शासन की सुशासन नीति को जमीन पर पूरी तरह चरितार्थ कर दिया। आज की जनसुनवाई में कुल 42 शिकायतें

प्राप्त हुईं, जिनमें सबसे खास और दिल को छू लेने वाला पल तब आया जब एक दिव्यांग व्यक्ति अपनी समस्या लेकर पहुंचा। दिव्यांग आवेदक को देखकर निगमायुक्त श्री राम प्रकाश अहिरवार अपनी कुर्सी छोड़कर खुद नीचे जमीन पर बैठ गए।

उन्होंने अत्यंत आत्मीयता और सहृदयता के साथ दिव्यांग की पूरी बात सुनी और संबंधित अधिकारियों को तुरंत आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निगमायुक्त की इस मानवीय पहल ने वहां मौजूद सभी लोगों का दिल जीत लिया और सुशासन का एक बेहतरीन उदाहरण पेश किया। निगमायुक्त श्री अहिरवार ने आगे बताया कि प्राप्त कुल 42 शिकायतों को त्वरित निराकरण के लिए संबंधित विभागों को प्रेषित किया गया जिसमें अतिक्रमण, राजस्व, स्वास्थ्य, कॉलोनी सेल, जल के अलावा अन्य विभागों से संबंधित सभी शिकायतों का मौके पर ही त्वरित निराकरण कर दिया गया, जिससे आवेदकों को तुरंत राहत मिली।

भाटिया बने अखिल भारतीय केंद्रीय विद्यालय शिक्षक संघ के संभागीय उपाध्यक्ष

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। अखिल भारतीय केंद्रीय विद्यालय शिक्षक संघ, जबलपुर संभाग का चुनाव पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय क्रमांक-1, एसटीसी में संपन्न हुआ। केंद्रीय विद्यालय संगठन द्वारा नियुक्त अधिकारियों की देखरेख में निष्पक्ष एवं पारदर्शी चुनाव प्रक्रिया के अंतर्गत संघ के 25 पदों के लिए निर्वाचन हुआ। जबलपुर संभाग के लगभग 59 केंद्रीय विद्यालयों के शिक्षक प्रतिनिधियों ने भाग लिया। महासचिव पद पर एसके शुक्ला को



पुनः जिम्मेदारी सौंपी गई। गणित के वरिष्ठ शिक्षक संजय कुमार भाटिया को संभागीय उपाध्यक्ष सर्वसम्मति से निर्वाचित किया गया। उनके निर्वाचन पर शिक्षक प्रतिनिधियों ने करतल ध्वनि से स्वागत कर बधाई दी।

विविध मांगों को लेकर सर्व जनजाति सेवा संघ ने सौंपा ज्ञापन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। ग्राम पिपरसरा एवं भोरहा के आदिवासी परिवारों को वन भूमि के पट्टे, पक्की सड़क एवं मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग को लेकर मुख्यमंत्री एवं जिला कलेक्टर के नाम संबोधित ज्ञापन एसडीएम पंकज मिश्रा ने प्राप्त किया।



इंडिया गठबंधन के संयोजक रामरतन यादव, सर्व जनजाति में विस्थापित कर बसाए गए

सेवा संघ के अध्यक्ष इन्द्र कुमार कुलस्ते एवं घनश्याम यादव सुनील सयाम अनुप सयाम आदि उपस्थित रहे। ज्ञापन में बताया गया कि ग्राम पिपरसरा, ग्राम पंचायत अतरिया (पौड़ी खुर्द), तहसील सिहोरा में लगभग 600 आदिवासी परिवार निवास करते हैं। वर्ष 1981-82

एनएसयूआई ने कुलपति को सौंपा ज्ञापन, उठाई जांच की मांग

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर में वर्ष 2012-13 के दौरान जूनियर स्टेनोग्राफर के पदों पर हुई नियुक्तियों में कथित अनियमितताओं की निष्पक्ष जांच की मांग को लेकर एनएसयूआई के प्रदेश सचिव एजाज अंसारी एवं प्रतीक गौतम के नेतृत्व में विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. मनदीप शर्मा को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन के माध्यम से भर्ती प्रक्रिया में निर्धारित नियमों, पात्रता मानदंडों, आरक्षण रोस्टर एवं चयन प्रक्रिया के पालन को लेकर सवाल उठाए गए। साथ ही संबंधित नियुक्तियों में अर्थर्थियों की



योग्यता एवं प्रमाणपत्रों की वैधता, चयन प्रक्रिया और वेतनमान निर्धारण की जांच कराए जाने की मांग की गई। ज्ञापन के दौरान अनुराग शुक्ला, वकार राईन, अदील सैय्यद आदि उपस्थित थे।

डिजिटल प्रश्न मंच पर अध्यापकों और छात्रों ने दिखाई अपनी प्रतिभा



जबलपुर (स्वतंत्र मत)। शासकीय प्रगत शैक्षिक अध्ययन संस्थान में बी.एड. के छात्र-अध्यापकों को भारत में शिक्षा स्तर, समस्याएं एवं मुद्दे विषय की अवधारणाओं को रोचक एवं संवेदनशील ढंग से समझाने के उद्देश्य से सात राउंड का डिजिटल प्रश्न मंच आयोजित किया गया। प्राचार्य एफ. एक्का के मार्गदर्शन में आयोजित इस अभिनव शैक्षिक गतिविधि का संचालन क्रिज मास्टर डॉ. प्रमोद श्रीवास्तव ने सहज, रोचक एवं सहभागितापूर्ण शैली में किया। डिजिटल बोर्ड पर शिक्षा, संस्कृति, वैदिक एवं बौद्ध शिक्षा परंपरा, शिक्षा के उद्देश्यों तथा सामाजिक परिवर्तन से जुड़े प्रश्न प्रदर्शित होते ही प्रतिभागी छात्र-अध्यापक तेजी से बजर दबाकर उत्तर देने के लिए तत्पर दिखाई दिए।

स्टेट कराटे चैंपियनशिप में संस्कृति तिवारी ने जीते 2 गोल्ड मेडल



दूर्तामेंट में 2 गोल्ड मेडल जीतकर अपने स्कूल और जिले का नाम रोशन किया है। संस्कृति तिवारी मुकेश तिवारी, प्रो रश्मि तिवारी की सुपुत्री एवं रमेश पुण्या दुबे की नातिन हैं। विद्यालय प्रबंधन और परिवार ने संस्कृति को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी हैं।



अल्पप्रवास पर जबलपुर पहुंचे पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। मप्र के पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सदस्य दिग्विजय सिंह का मंगलवार को मप्र युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष यश घंघोरिया, विवेक अवस्थी साथ दुमना एयरपोर्ट पर आगमन हुआ। इसके पश्चात श्री सिंह रामपुर शक्ति भवन सोसाइटी स्थित पूर्व महापौर रंज पं विश्वनाथ दुबे के निवास स्थल पहुंचे। जहां उन्होंने उद्योगपति सुमित कार्लिया से भेंट की। इसके बाद पूर्व ग्रामीण कांग्रेस कमिटी अध्यक्ष विष्णु शंकर पटेल के स्वास्थ्य खराब होने पर उनका हाल-चाल लेने के बाद जबलपुर से रवाना हो गए। इस अवसर पर मप्र कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रामेश्वर निखरा, पूर्व मंत्री कौशल्या गोठिया, वरिष्ठ कांग्रेस नेता राधेश्याम चौबे, पूर्व पार्षद प्रवक्ता कांग्रेस पार्षद दल के शाबान मंसूरी, विवेक अवस्थी, मुन्ना अग्रवाल आदि उपस्थित रहे।

3 हजार रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा गया डिप्टी रेंजर

जबलपुर/छिंदवाड़ा। जबलपुर लोकानुयुक्त की टीम ने मंगलवार, 13 अक्टूबर को छिंदवाड़ा जिले के बिछुआ में कार्रवाई करते हुए वनपाल एवं प्रभारी डिप्टी रेंजर सुनील बनवारी को कथित तौर पर 3,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा। कार्रवाई आरोपी के बिछुआ वन परिक्षेत्र स्थित शासकीय आवास पर की गई। लोकानुयुक्त से प्राप्त जानकारी के अनुसार, आवेदक मोखाराम मालवीय के भाई के नाम पर इमारती लकड़ी के विनिर्माता एवं उपभोक्ता का पंजीयन है। फर्नीचर निर्माण के लिए खरीदी जाने वाली लकड़ी की जानकारी प्रत्येक



तीन माह में वन विभाग में जमा करनी होती है। आरोप है कि इस जानकारी पर हस्ताक्षर करने के बदले प्रभारी डिप्टी रेंजर सुनील बनवारी ने आवेदक से 3,000 रुपये की रिश्वत मांगी थी। रिश्वत नहीं देने पर पंजीयन रद्द करने की बात कहे जाने का भी आरोप है। शिकायत के आधार पर लोकानुयुक्त जबलपुर की टीम ने कार्रवाई की। मंगलवार को आवेदक से कथित तौर पर 3,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए आरोपी को उसके शासकीय आवास पर पकड़ लिया गया। आरोपी के विरुद्ध भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत कार्यवाही की गई।

ध्यान से बदलेगा जेन-जी का जीवन

‘नाद से ध्यान तक’ भजन क्लबिंग का भव्य आयोजन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। ओशो होम आश्रम, भेड़ाघाट, जबलपुर की प्रेरणा से माता गुजरी कॉलेज के प्रांगण में भजन क्लबिंग एवं पीस मेडिटेशन कॉन्सर्ट का भव्य आयोजन किया गया। इस सफल और प्रेरणादायक आयोजन में डॉ. कीर्ति श्रीवास्तव का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम में शिरकत करने के लिए स्वामी श्रीला प्रेम पारस विशेष रूप से स्विट्जरलैंड से जबलपुर आए। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य 'नाद से ध्यान तक' के सफर के माध्यम से युवाओं को उनके अंतरमन से अवगत कराना



रहा। युवाओं को संबोधित करते हुए स्वामी श्रीला प्रेम पारस ने कहा कि जेन जी बहुत प्रतिभाशाली हैं और उन्हें ध्यान के माध्यम से पूरी तरह बदला जा सकता है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि आज की युवा पीढ़ी में असीम ऊर्जा है, बस जरूरत है उस ऊर्जा को सही दिशा में चैनलाइज करने की, और यह

केवल ध्यान के जरिए ही संभव है। स्वामी जी ने बताया कि ध्यान एक ऐसा सुरक्षा कवच है, जो किसी भी व्यक्ति को गलत राह पर जाने से बचाता है। आजकल भजन क्लबिंग के नाम पर केवल संगीत और मनोरंजन किया जा रहा है, जबकि वास्तविक भजन क्लबिंग वह अनूठी अनुभूति है जिसके

जरिए व्यक्ति अपने अंतरमन को पा लेता है। उन्होंने कहा कि आज लोग बड़ी-बड़ी पार्टियां मनाते हैं, वे चाहते हैं कि युवा नृत्य और उत्सव जरूर मनाएं, लेकिन उनके हाथ में शराब नहीं बल्कि हर्बल टी या लस्सी होनी चाहिए। विशेष रूप से विदेश से आए स्वामी श्रीला प्रेम पारस ने बताया कि वे ओशो होम आश्रम में कैंगरू किड्स स्कूल के कुछ बच्चों को 2 वर्षों से ध्यान की शिक्षा दे रहे हैं, लिटिल वर्ल्ड कैम्प्रेज स्कूल में भी ध्यान कार्यशाला का सफल आयोजन किया है।